शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 10 | अंक : 140 | गुवाहाटी | शनिवार, 16 दिसंबर, 2023 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

बंगाल में टुकड़े-टुकड़े गैंग के लिए ममता ने बनाया सेफ माहौल : भाजपा पेज 2
डीजीपी जीपी सिंह ने उल्फा-स्व को दी चुनौती... पेज 3
राजस्थान के 14वें और पूर्वी राजस्थान से दूसरे मुख्यमंत्री बने भजनलाल, मोदी... पेज 5
हेल्थ के लिए बेहद फायदेमंद है गाय का दूध पेज 8

राज्य में जल्द लागू होगा यूसीसी : मुख्यमंत्री

विस में पेश किया जाएगा बहुविवाह पर प्रतिबंध लगाने वाला विधेयक

नई दिल्ली। उत्तराखंड के बाद असम ने भी बहुचर्चित समान नागरिक संहिता (यूसीसी) को लागू करने की तैयारी कर ली है। असम सरकार का रुख स्पष्ट करते हुए मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने शुक्रवार को कहा कि उनकी सरकार राज्य में बहुविवाह पर प्रतिबंध लगाएगी। शर्मा ने कहा कि 4 फरवरी से हमारा विधानसभा सत्र होगा जहां हम बहुविवाह पर विधेयक रखेंगे, बहुविवाह विधेयक पारित होने के बाद यूसीसी लागू करने की प्रक्रिया पटरी पर आ जाएगी। हालांकि, यूसीसी एक ऐसा मामला है जिसके लिए संसद की मंजूरी की आवश्यकता है, राज्य भी राष्ट्रपति की सहमति से इस पर निर्णय ले सकते हैं। गौरतलब है कि अंतिम मसौदा तैयार होने के बाद, उत्तराखंड सरकार ने बहुविवाह पर प्रतिबंध लगाने वाले विधेयक को पारित करने के लिए जनवरी में एक विशेष विधानसभा सत्र बुलाया है। मुख्यमंत्री शर्मा पिछले पांच दिनों से राष्ट्रीय राजधानी में थे। शर्मा ने कहा कि यूनाइटेड लिबरेशन फ्रंट ऑफ असम (अल्फा-इंडिपेंडेंट) के वार्ता समर्थक गुट के साथ एक शांति समझौते पर इस महीने के अंत या जनवरी के मध्य तक हस्ताक्षर किए जाएंगे। शर्मा ने कहा कि हमने समझौते का मसौदा तैयार कर लिया है, जिसे बस अंतिम रूप देने की जरूरत है। हम उम्मीद कर रहे हैं कि इस महीने के अंत या जनवरी के पहले भाग तक समझौते पर हस्ताक्षर हो जाएंगे। यह कहते हुए कि संवैधानिक सुरक्षा प्रदान करने का मुद्दा अल्फा के वार्ता समर्थक गुट द्वारा उठाया गया था, शर्मा ने कहा कि इस मुद्दे को ठीक करने की जरूरत है। अपने विभाजन के बाद, अरबिंदो राजखोवा के नेतृत्व वाला वार्ता समर्थक गुट 3 सितंबर, 2011 को शांति वार्ता में शामिल हो गया था। संगठन ने मुख्य रूप से सभी स्तरों के चुनावों में स्थानीय लोगों के लिए 88 प्रतिशत सीट आरक्षण की मांग की है। मुख्यमंत्री को उम्मीद है कि वार्ता समर्थक गुट के साथ शांति समझौते पर हस्ताक्षर होने से अल्फा-इंडिपेंडेंट के साथ बातचीत की राह आसान हो जाएगी। शर्मा ने अल्फा-आई के अध्यक्ष परेश बरुआ से भी हिंसा का रास्ता छोड़ने की अपील की। उन्होंने कहा कि परेश बरुआ को समझना चाहिए इस तरह की स्थिति शांति प्रक्रिया को पटरी से उतार देगी। शर्मा गुरुवार रात जोरहाट में हुए बम धमाकों का जिक्र कर रहे थे। शर्मा ने इंटेलिजेंस रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि कुछ अल्फा युवक हथगोले लेकर असम में घुस आए। कुछ समर्पण कर देते हैं तो कुछ इस तरह की गतिविधियों में शामिल हो जाते हैं। अल्फा-आई के परेश बरुआ गुट ने शुक्रवार को जोरहाट -शेष पृष्ठ दो पर

दो-चार ग्रेनेड फेंकने से देश स्वाधीन नहीं होता : सीएम

गुवाहाटी (हि.स.)। अल्फा (स्वा.) द्वारा जोरहाट में किए गए ग्रेनेड हमले पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए आज मुख्यमंत्री डॉ हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि दो-चार ग्रेनेड फेंककर कोई देश को स्वाधीन नहीं बन सकता है। उन्होंने कहा कि अपनी भूमि पर बम फेंकना सही नहीं है। मुख्यमंत्री आज मीडिया से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि यदि किसी की कोई व्यक्तिगत किसी के साथ लड़ाई है तो वह व्यक्तिगत स्तर पर होना चाहिए। इस तरह के हमले से राज्य के विकास की गति अवरुद्ध होगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस दौरान अल्फा के वार्ता समर्थक गुट के साथ युद्ध विराम समझौता हस्ताक्षर करने को लेकर बातचीत चल रही है। भारतीय संविधान की षष्ठम अनुसूची को लेकर चर्चा चल -शेष पृष्ठ दो पर

दिल्ली में आईबी प्रमुख के साथ की बैठक

गुवाहाटी (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ हिमंत विश्व शर्मा ने इंटेलिजेंस ब्यूरो (आईबी) के निदेशक तपन कुमार डेका के साथ आज एक महत्वपूर्ण बैठक की। इस उच्च स्तरीय बातचीत में राज्य और केंद्रीय खुफिया एजेंसियों के बीच सहयोगात्मक प्रयासों को रेखांकित किया गया। खबरों के मुताबिक, मुख्यमंत्री दिल्ली के असम हाउस में आईबी प्रमुख के साथ बैठक की। उल्लेखनीय कि, मुख्यमंत्री -शेष पृष्ठ दो पर

ईरान के पुलिस मुख्यालय पर आतंकी हमला, 11 की मौत

तेहरान (हि.स.)। ईरान के रस्क पुलिस मुख्यालय पर रात करीब दो बजे हुए आतंकी हमले में वरिष्ठ पुलिस अफसरों समेत 11 लोग मारे गए। हमले में कई लोग घायल बताए जा रहे हैं। प्रमुख अखबार तेहरान टाइम्स के अनुसार, रस्क पुलिस मुख्यालय दक्षिण-पूर्वी ईरान में है। सिस्तान और बलूचिस्तान प्रांत के डिप्टी गवर्नर अली रेजा मरहेमाती ने शुक्रवार को कहा कि यह स्थान तेहरान से लगभग 1,400 किलोमीटर दूर है। इस हमले में -शेष पृष्ठ दो पर

जोरहाट में सैन्य स्टेशन के पास धमाका, शहर में बढ़ा दी गई गश्त

जोरहाट। असम के जोरहाट जिले में जोरहाट सैन्य स्टेशन के आर्मी गेट के पास गुरुवार (14 दिसंबर) की शाम हल्के धमाके की आवाज सुनी गई। डिटेल का पता लगाया जा रहा है। गुवाहाटी में रक्षा पीआरओ ने यह जानकारी दी है। यह रहस्यमयी धमाका लिचुबाड़ी आर्मी कैंप के पास हुआ। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि रात करीब आठ बजे धमाके की आवाज सुनी गई। धमाके के बाद एहतियात के तौर पर लिचुबाड़ी आर्मी कैंप का मुख्य द्वार तुरंत बंद कर दिया गया। अभी तक किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। खबरों के मुताबिक, जिला कमिश्नर पुलक महंत और वरिष्ठ पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंच गए हैं और फिलहाल सैन्य स्टेशन के भीतर हैं। पुलिस के मुताबिक, इलाके में सुरक्षा कड़ी -शेष पृष्ठ दो पर

अल्फा (स्वा) ने ली जिम्मेदारी ली

गुवाहाटी। प्रतिबंधित संगठन यूनाइटेड लिबरेशन फ्रंट ऑफ असम (इंडिपेंडेंट) ने असम के जोरहाट जिले में बृहस्पतिवार रात सैन्य स्टेशन के पास हुए विस्फोट की जिम्मेदारी ली है। रक्षा विभाग के एक प्रवक्ता ने बताया कि शहर के लिचुबाड़ी इलाके में सैन्य स्टेशन के गेट के पास एक कूड़ेदान में बृहस्पतिवार रात *कम तीव्रता का एक विस्फोट* हुआ। प्रवक्ता ने बताया कि बम विशेषज्ञ मौके पर पहुंच गए हैं और इस बात का -शेष पृष्ठ दो पर

পূৰ্বাঞ্চল কেশৰী
(असमीया दैनिक)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path,
ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

महिला जज ने सीनियर पर लगाया यौन उत्पीड़न का आरोप

सीजेआई को पत्र लिखकर मांगी इच्छा मृत्यु

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश के बांदा जिले में तैनात एक महिला न्यायिक अधिकारी ने भारत के मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ को पत्र लिखकर एक जिला न्यायाधीश पर यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया है। साथ ही, उसने अपना जीवन सम्मानजनक तरीके से समाप्त करने की अनुमति मांगी है। इसके बाद सीजेआई को जांच की स्थिति पर इलाहाबाद उच्च न्यायालय प्रशासन से रिपोर्ट की मांग करनी पड़ी। महिला न्यायिक अधिकारी ने अपने दो पन्नों के पत्र में, सीजेआई से बाराबंकी में अपनी पोस्टिंग के दौरान अपने करियर में हुए दुर्व्यवहार और उत्पीड़न के बाद अपना जीवन समाप्त करने की अनुमति मांगी है। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे इस पत्र में महिला ने लिखा कि मुझे अब जीने की कोई इच्छा नहीं है। पिछले डेढ़ साल में मुझे एक चलती-फिरती लाश बना दिया गया है। इस निष्प्राण और निर्जीव शरीर को अब इधर-उधर ढोने का कोई उद्देश्य नहीं है। मेरे -शेष पृष्ठ दो पर

ईदगाह मामला : मुस्लिम पक्ष को एससी से भी लगा झटका, सर्वे पर रोक से इनकार

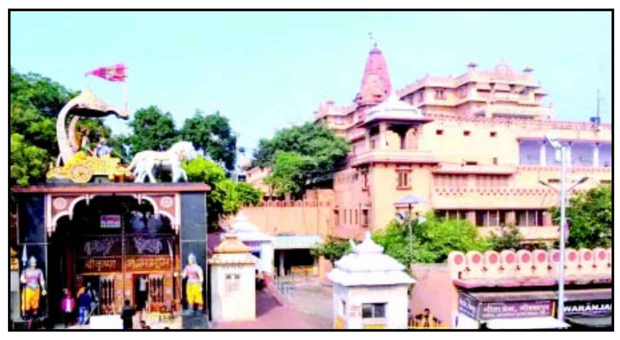

नई दिल्ली। मथुरा में श्रीकृष्ण जन्मभूमि विवाद मामले में मुस्लिम पक्ष को सुप्रीम कोर्ट से भी झटका लगा है। मामले में सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को अहम फैसला सुनाया है। कोर्ट ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के फैसले पर रोक लगाने से इनकार कर दिया है। बता दें कि कल यानी गुरुवार को इलाहाबाद हाईकोर्ट ने श्रीकृष्ण जन्मभूमि मंदिर से सटे ईदगाह परिसर के सर्वे को मंजूरी दी थी। हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की गई थी। वकील विष्णु शंकर जैन ने कोर्ट के फैसले की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि शाही ईदगाह मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट ने जो आदेश पारित किया था, उस आदेश को आज वर्चुअली शाही ईदगाह मस्जिद ने और सुन्नी सेंट्रल वक्फ बोर्ड ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी। उन्होंने मांग की थी कि इलाहाबाद हाईकोर्ट की कार्रवाई पर रोक लगा दी जाए। सुप्रीम कोर्ट ने इससे इनकार कर दिया, कोर्ट ने कहा यह केस 9 जनवरी के लिए निर्धारित है हम उसी दिन उसको सुनेंगे। गौरतलब है कि इलाहाबाद हाईकोर्ट ने श्रीकृष्ण जन्मभूमि, कटरा केशवदेव परिसर के सर्वे रिपोर्ट के लिए कमीशन जारी करने की अर्जी को स्वीकार कर लिया है। कमीशन की संरचना व रूपरेखा तय करने -शेष पृष्ठ दो पर

door graph Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

दानापुर कोर्ट में शूटआउट अपराधी की गोली मारकर हत्या

पटना। बिहार की राजधानी पटना से सनसनीखेज खबर सामने आई है। यहां के दानापुर की कोर्ट कैंपस में एक अपराधी की गोली मारकर हत्या कर दी गई। मृतक अपराधी का नाम छोटे सरकार है। उसे बेऊर जेल से पेशी के लिए दानापुर कोर्ट लाया गया था। पुलिस ने मामले में दो हत्यारोपियों को कोर्ट कैंपस से ही गिरफ्तार किया है। दानापुर कोर्ट शूटआउट पर सिटी एसपी राजेश कुमार का कहना है कि मृतक एक खूंखार अपराधी था। दानापुर कोर्ट में उसकी -शेष पृष्ठ दो पर

राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल ने संभाला कार्यभार

जयपुर (हि.स.)। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शुक्रवार को शपथ लेने के बाद दोपहर बाद कार्यभार ग्रहण किया। भजनलाल शर्मा ने सचिवालय स्थित मुख्यमंत्री कार्यालय में कार्यभार ग्रहण किया। शपथ के बाद भजनलाल ने सोशल मीडिया पर पोस्ट किया, मैं भावुक और नतमस्तक हूं। सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास का संकल्प सर्वोपरि है। राजस्थान को सर्वश्रेष्ठ, समृद्ध और आत्मनिर्भर बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। इसके बाद उन्होंने सचिवालय पहुंचकर पूजा-पाठ के साथ मुख्यमंत्री पद का कार्यभार संभाला। शर्मा के साथ उपमुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा और दीया कुमारी ने -शेष पृष्ठ दो पर

केवि ने देश के भविष्य को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई : पीएम

नई दिल्ली (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को केंद्रीय विद्यालय की हीरक जयंती के अवसर पर छात्रों, कर्मचारियों, सहायक कर्मचारियों और पूर्व छात्रों को शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कहा कि केंद्रीय विद्यालयों ने देश के भविष्य को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि केंद्रीय विद्यालय परिवार के सभी छात्रों, कर्मचारियों, सहायक कर्मचारियों और पूर्व -शेष पृष्ठ दो पर

सुप्रभात

ईश्वर मूर्तियों में नहीं है। आपकी भावनाएं ही आपका ईश्वर है। आत्मा आपका मंदिर है।
- **आचार्य चाणक्य**

न्यूज गैलरी

संसद सुरक्षा उल्लंघन मामला : सीन को रिक्रिएट करेगी पुलिस

नई दिल्ली (हि.स.)। संसद सुरक्षा उल्लंघन मामले में स्पेशल सेल शनिवार या रविवार को आरोपितों को संसद परिसर में ले जाकर बुधवार की संसद सुरक्षा उल्लंघन के दृश्य को फिर से रिक्रिएट करेगी। पुलिस सूत्रों की मानें तो क्राइम सीन को रिक्रिएट करने के लिए आरोपितों को संसद ले जाया जाएगा। इससे पुलिस को यह पता लगाने में मदद मिलेगी कि आरोपित कलर स्प्रे के साथ संसद भवन में कैसे दाखिल हुए। उन्होंने अपनी योजना को कैसे अंजाम दिया। पुलिस सूत्रों ने -शेष पृष्ठ दो पर

हमास की कमर टूटी, आत्मसमर्पण के लिए मजबूर

गाजा (हि.स.)। इजराइल के आक्रामक सैन्य अभियान ने फिलिस्तीनी आतंकवादी संगठन हमास की कमर तोड़ कर रख दी है। गाजा पट्टी में छिड़े युद्ध के 70वें दिन शुक्रवार को भी हमास के आतंकवादियों का हथियार डालने का सिलसिला जारी है। अब तक सैकड़ों आतंकवादी समर्पण कर चुके हैं। इजराइली सैन्य बलों ने कमल अदवान अस्पताल के पास मुठभेड़ में हमास के कई गुर्गों को मार गिराया। प्रमुख अखबार द यरुशलम पोस्ट के अनुसार, इजरायल-हमास युद्ध आज 70वें दिन में प्रवेश कर गया। हमास के आतंकवादी बड़े -शेष पृष्ठ दो पर

कांग्रेस की एकला चलो नीति को झटका अब फिर इंडिया गठबंधन से आस

नई दिल्ली। पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों के बाद आपसी सिरफुटौव्वल का सामना कर रहे इंडिया गठबंधन के कई सांसद संसद के इस सत्र से निलंबित कर दिए गए, जिससे गठबंधन के नेताओं को आस जगी है कि इंडिया गठबंधन अपने पिछले मतभेदों को भुलाकर एकजुट होकर 2024 की लड़ाई के लिए जुटेगा। 5 राज्यों के चुनाव में *एकला चलो* का नारा लेकर चली कांग्रेस 4 राज्यों में धड़ाम हो गई। इंडिया गठबंधन 2024 के लिए है, ये कहकर उसने सहयोगियों से गठबंधन से इनकार कर दिया। ऐसे में नतीजे आते ही अखिलेश यादव, ममता बनर्जी और अरविंद केजरीवाल कांग्रेस को आइना दिखाने लगे। ममता बनर्जी ने अपने सांसदों को यहां तक आदेश जारी कर दिया कि विपक्षी एकता सिर्फ संसद के भीतर के -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

बंगाल में टुकड़े-टुकड़े गैंग के लिए ममता ने बनाया सेफ माहौल : भाजपा

कोलकाता (हि.स.)। संसद की सुरक्षा में सेंध लगाने के आरोपियों के मास्टरमाइंड और उसके सहयोगियों के कोलकाता से संबंधित होने को लेकर भाजपा सत्तारूढ़ पार्टी तृणमूल कांग्रेस पर हमलावर हो गई है। ममता कैबिनेट में मंत्री तापस रॉय के साथ ललित झा की कई तस्वीरें सामने आने के बाद भाजपा लगातार निशाना साध रही है। नेता प्रतिपक्ष और वरिष्ठ भाजपा विधायक शुभेंदु अधिकारी ने कहा कि ममता बनर्जी ने बंगाल में शहरी नक्सलियों और टुकड़े-टुकड़े गैंग के लिए सेफ माहौल बनाया है। शुक्रवार को उन्होंने माइक्रो ब्लॉगिंग साइट एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर लिखा कि ममता बनर्जी ने पश्चिम बंगाल में सफलतापूर्वक एक ऐसे सिस्टम बनाया है जो शहरी नक्सलियों का पोषण करता है, टुकड़े-टुकड़े गैंग को प्रोत्साहित करता है, अवैध अप्रवासियों और घुसपैठियों को सुरक्षित मार्ग प्रदान करता है और दस्तावेज़ बनाने में मदद करके उनके रहने की सुविधा प्रदान करता है। दुर्भाग्य से राज्य राष्ट्र-विरोधी गतिविधियों का केंद्र और राष्ट्र-विरोधी हितों को आश्रय देने वालों के लिए सेफ प्लेस और कुनबा बढ़ाने का स्थल बन गया है। दूसरी ओर भाजपा आईटी सेल के प्रमुख और उत्तर बंगाल के प्रभारी अमित मालवीय ने कहा कि ममता बनर्जी अपनी पार्टी के वरिष्ठ नेता तापस रॉय के साथ ललित झा के संबंधों पर चुप नहीं रह सकती। यह कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि संसद की सुरक्षा में सेंध लगाने वालों के साथ अपनी पार्टी के संबंध उजागर होने से डरे तृणमूल सांसद हंगामा कर रहे थे। तृणमूल के निचले स्तर के हिसाब से भी यह एक नया निचला स्तर है।

महुआ मोइत्रा को एससी से नहीं मिली राहत

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने लोकसभा से अपने निष्कासन को चुनौती देने वाली तृणमूल कांग्रेस की नेता महुआ मोइत्रा की याचिका पर सुनवाई शुक्रवार को अगले साल तीन जनवरी तक के लिए स्थगित कर दी। लोकसभा में आचार समिति की रिपोर्ट को मंजूर किए जाने के बाद गत सोमवार को टीएमसी नेता को सदन से निष्कासित कर दिया गया। इसके विरोध में मोइत्रा ने शीर्ष अदालत का रुख किया था। इस रिपोर्ट में मोइत्रा को *पैसे लेकर सवाल पूछने* के मामले में *अनैतिक एवं अशोभनीय आचरण* का जिम्मेदार ठहराया गया था। मामले की सुनवाई शुरू होते ही न्यायमूर्ति संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति एसवीएन भट्टी की पीठ ने मोइत्रा की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक सिंघवी को बताया कि उन्होंने मामले की फाइल नहीं देखी है और पीठ सर्दियों की छुट्टियों के बाद इस पर सुनवाई करना चाहती है जो तीन जनवरी को समाप्त होंगी। संसदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी ने आठ दिसंबर को हंगामेदार चर्चा के बाद लोकसभा में मोइत्रा के निष्कासन का प्रस्ताव पेश किया था जिसे सदन ने ध्वनिमत से मंजूरी दे दी। चर्चा में मोइत्रा को खुद का पक्ष रखने का मौका नहीं मिला था।

देश में सीजीएचएस के तहत शहरों की संख्या पिछले नौ सालों में तीन गुना बढ़ी : डॉ. मांडविया

नई दिल्ली (हि.स.)। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने कहा कि सीजीएचएस के तहत कवर किए गए शहरों की संख्या साल 2014 में 25 थी, जो बढ़कर 2023 में 80 हो गई। पिछले नौ सालों में सीजीएचएस शहरों की संख्या तीन गुना से अधिक हो गई है। आने वाले दिनों में इस सुविधा का 100 शहरों तक विस्तार किया जाएगा। डॉ. मांडविया शुक्रवार को अलकनंदा, रोहिणी सेक्टर-16, वसंत विहार में तीन सीजीएचएस वेलनेस सेंटर के साथ-साथ एनआईटी और आरडी में एक रोबोटिक यूनिट के उद्घाटन समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर उन्होंने कहा कि देश में 341 सीजीएचएस वेलनेस सेंटर 44 लाख लाभार्थियों को सेवा दे रहे हैं और नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टीबी एंड रेस्पिरेटरी डिजीज (एनआईटी एंड आरडी) में तीन सीजीएचएस वेलनेस सेंटर और रोबोटिक यूनिट की स्थापना से उनकी स्वास्थ्य देखभाल सुविधाओं में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि सर्जरी की आवश्यकता वाले तपेदिक से पीड़ित रोगियों के लिए स्वास्थ्य सुविधाएं सुनिश्चित करने के लिए रोबोटिक सर्जरी उन्हें सही देखभाल प्रदान करने में सहायक होगी। देश के अंतिम छोर तक सुलभ और किफायती स्वास्थ्य सेवा प्रदान करना हमारा लक्ष्य है और एक स्वस्थ राष्ट्र की नींव है। उन्होंने कहा कि दुनिया में निर्धारित 10 में से 4 दवाएं भारत में बनी जेनेरिक दवाएं हैं। जन औषधि दवाएं सीजीएचएस कल्याण केंद्रों में भी प्रदान की जाती हैं। भारत में 1.6 लाख से अधिक आयुष्मान आरोग्य मंदिर स्थापित हैं, प्रत्येक 10,000 लोगों पर 1 आरोग्य मंदिर जनता को समग्र उपचार प्रदान करता है।

संसद में सुरक्षा चूक मामला : आरोपियों ने जूते काटकर छिपाए थे कैन

नई दिल्ली। संसद की सुरक्षा चूक मामले में एक नया खुलासा हुआ है। दिल्ली पुलिस की प्राथमिकी से पता चला है कि आरोपी अपने जूते के निचले हिस्से को काटकर उसमें कलर कैन छिपाकर संसद के अंदर ले गया था। दिल्ली पुलिस की प्राथमिकी के अनुसार, लोकसभा कक्ष में धुएं का कैन खोलने वाले दो व्यक्तियों ने जूते के निचले हिस्से की मोटी परतों को काटकर उसमें कैन छिपाने की जगह बनाई थी और उसमें उसे छिपा रखा था। बता दें कि 13 दिसंबर को संसद हमले की बरसी के दिन मनोरंजन डी और सागर शर्मा ने लोकसभा में कलर कैन खोलकर पीली गैस छोड़ी थी। इसी समय संसद के बाहर अमोल और नीलम ने भी नारे लगाए हुए कैन से रंगीन गैस स्प्रे किया था। पुलिस ने इस मामले में यूएपीए के तहत मामला दर्ज किया है। इस मामले में कार्रवाई हो रही है। वहीं, अब नया खुलासा हुआ है। पुलिस ने कहा

करंट लगने से किशोर की मौत

बिश्वनाथ (हिंस)। बिश्वनाथ चारियाली में करंट लगने से एक 15 वर्ष के किशोर की मौत को लेकर पूरे इलाके में सनसनी फ़ैल गई है। पुलिस ने आज बताया कि इस मौत के सिलसिले में मृतक के पिता ने विश्वनाथ चरियाली थाना में ठेकेदार कुर्दुस अली के खिलाफ मामला दर्ज कराया है, जिस ठेकेदार के अधीन काम करते वक्त किशोर को करंट लगा। उल्लेखनीय है कि बिजली का तार गिरने की घटना में किशोर की मौत हो गई थी।

यूक्रेन : ग्राम परिषद की बैठक में विस्फोट, 26 घायल

कीव। टेलीग्राम मैसेंजर पर पुलिस के एक बयान के अनुसार, विस्फोट परिषद के सत्र के दौरान हुआ। 26 लोग घायल हो गए, जिनमें से छह की हालत गंभीर है। राष्ट्रीय पुलिस ने शुक्रवार को कहा कि यूक्रेन के पश्चिमी जकारपटिया क्षेत्र में एक ग्राम परिषद में एक स्थानीय डिप्टी ने ग्रेनेड विस्फोट किया, जिसमें कम से कम 26 लोग घायल हो गए। टेलीग्राम मैसेंजर पर पुलिस के एक बयान के अनुसार, विस्फोट परिषद के सत्र के दौरान हुआ। 26 लोग घायल हो गए, जिनमें से छह की हालत गंभीर है। पुलिस ने कहा कि डिप्टी की मृत्यु हो गई, लेकिन बाद के एक बयान में कहा गया कि डॉक्टर पुनर्जीवन उपाय कर रहे थे। यह स्पष्ट नहीं है कि कितने ग्रेनेड विस्फोट किए गए, या डिप्टी का क्या मकसद था। फरवरी 2022 से रूस की पूर्ण पैमाने पर आक्रामकता से जूझ रहे यूक्रेन में समय-समय पर विस्फोटकों से दुर्घटनाएं होती रहती हैं।

मप्र में मुख्यमंत्री आज उज्जैन से करेंगे भारत संकल्प यात्रा का शुभारंभ

भोपाल (हि.स.)। मध्य प्रदेश में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव शनिवार, 16 दिसंबर को विकसित भारत संकल्प यात्रा के शुभारंभ करेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कार्यक्रम को वर्चुअली संबोधित करेंगे। प्रधानमंत्री यात्रा के शुभारंभ अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर मार्गदर्शन भी देंगे। यह जानकारी शुक्रवार को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव वरिष्ठ अधिकारियों के साथ हुई उच्च स्तरीय बैठक में दी। उन्होंने कार्यक्रम की तैयारियों की समीक्षा की। बैठक में बताया गया कि केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं का फायदा हर पात्र हितग्राही तक पहुंचाने के उद्देश्य से निकाली जा रही यात्राओं के शुभारंभ कार्यक्रम को शाम चार बजे प्रधानमंत्री मोदी संबोधित करेंगे। मध्यप्रदेश सहित अन्य चार राज्यों- राजस्थान, छत्तीसगढ़, तेलंगाना और मिजोरम में भी विकसित भारत संकल्प यात्रा के कार्यक्रमों से प्रधानमंत्री जुड़ेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बैठक में कहा कि यह यात्रा कर्मकांड न होकर, आमजन के हित के लिए उठाया गया महत्वपूर्ण कदम है। कल्याणकारी योजनाओं से लाभार्थियों को जोड़ने के लिए सभी जिलों में यात्रा की तैयारियों को अंतिम रूप दिया जाए। यात्रा से संबंधित श्रेष्ठ कार्य करने वाले अमले को प्रोत्साहित और पुरस्कृत भी किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस यात्रा को शानदार स्वरूप दिया जाए, जिलों में भी स्वस्थ प्रतिस्पर्धा हो जिससे यात्रा की कल्पना मैदान में दिखे। मुख्यमंत्री ने मंत्रालय से वीसी द्वारा विकसित भारत संकल्प यात्रा की तैयारियों, यात्रा के स्वरूप और यात्रा की गतिविधियों पर प्रदेश के जिलों में मौजूद जन प्रतिनिधियों, कलेक्टर्स से चर्चा कर आवश्यक निर्देश दिए। बैठक में बताया गया कि मप्र में यात्रा का शुभारंभ 16 दिसंबर को उज्जैन से हो रहा है। यात्रा के लिए 366 रथ (वैन) मध्यप्रदेश पहुंचाने की व्यवस्था केंद्र सरकार द्वारा की गई है।

पृष्ठ एक का शेष

राज्य में जल्द...

ग्रेनेड विस्फोट की जिम्मेदारी ली है। ग्रेनेड विस्फोट के एक दिन बाद इंटेलिजेंस ब्यूरो (आईबी) के निदेशक तपन डेका, एनआईए के महानिदेशक दिनकर गुप्ता, गृह मंत्रालय में पूर्वोत्तर के सलाहकार एके मिश्रा ने दिल्ली के असम हाउस में शर्मा से बातचीत की। रोहिंग्या मुद्दे को देश के लिए बड़ा सुरक्षा खतरा बताते हुए शर्मा ने कहा कि उन्होंने असम और त्रिपुरा में रोहिंग्या शरणार्थियों की आमद के बारे में एनआईए डीजी से जानकारी ली है। उन्होंने कहा कि एनआईए ने इससे पहले असम और पूर्वोत्तर में घुसपैठ के मुद्दे पर कई जगहों पर छापेमारी की थी। आज एनआईए महानिदेशक ने मुझे उस मुद्दे पर जानकारी दी। मालूम हो कि दिल्ली प्रवास के दौरान शर्मा ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमन, कोयला मंत्री प्रह्माद जोशी और स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडाविया से भी मुलाकात की। शर्मा ने कहा कि मैंने राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री को असम आने का निमंत्रण दिया है। मुख्यमंत्री ने मुर्मू से मुलाकात के दौरान उन्हें जनवरी में होने वाले कार्बी महोत्सव का उद्घाटन करने के लिए राज्य में आमंत्रित किया। शर्मा ने प्रधानमंत्री मोदी को भी राज्य में कई विकासात्मक परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करने के लिए असम आने का निमंत्रण दिया है।

दो-चार ग्रेनेड ...

रही है। भारत सरकार और असम सरकार कहां तक उनकी मांगों को मांग सकेगी, यह देखना होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस युद्ध विराम समझौता के हो जाने के बाद अल्फा स्वाधीन गुट के साथ बातचीत की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। मुख्यमंत्री ने इस दौरान पत्रकारों के कई सवालों के उत्तर दिए।

दिल्ली में आईबी ...

ने 13 दिसंबर को भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल और गृह मंत्री अमित शाह के साथ एक बैठक की थी। मुख्यमंत्री ने कहा कि लोकसभा चुनाव के बाद राज्य सरकार अल्फा (स्वा.) के साथ शांति वार्ता में शामिल होने की कोशिश करेगी। शर्मा और डेका के बीच असम की सुरक्षा और विकास से संबंधित महत्वपूर्ण मुद्दों के इर्द-गिर्द घूमता रहा। चर्चा में आतंकवाद विरोधी उपाय, खुफिया जानकारी साझा करना और असम के नागरिकों की सुरक्षा और समृद्धि को बढ़ावा देने की रणनीति जैसे विषय शामिल रहे ।

ईरान के पुलिस ...

वरिष्ठ पुलिस अधिकारी और कई अन्य सैनिक मारे गए। मरहेमाती ने इस हमले के लिए आतंकवादी समूह जैश-अल-अदल को जिम्मेदार ठहराया है। इससे पहले जैश अल-अदल ने एक बस पर आत्मघाती बम विस्फोट की जिम्मेदारी ली थी। विस्फोट में ईरान रिवोल्यूशनरी गार्ड के 27 सदस्य मारे गए थे। अखबार ने मरहेमाती के हवाले से कहा है कि जवाबी कार्रवाई में कई आतंकवादी मारे गए। पुलिस प्रवक्ता ने घात लगाकर किए गए हमले को *कायरतापूर्ण और आतंकवादी हमला* कहा है। पुलिस प्रवक्ता के अनुसार हमले की जिम्मेदारी आतंकवादी समूह जैश अल-अदेल समूह ने ली है।

जोरहाट में सैन्य...

कर दी गई है और पूरे शहर में गश्त बढ़ा दिया गया है। यह घटनाक्रम नवंबर और दिसंबर में दो धमाकों के बाद सामने आया है, जिनकी जिम्मेदारी परेश बरुआ के नेतृत्व वाले अल्फा ने ली थी। खबरों के मुताबिक, अल्फा (स्वा.) ने रविवार (10 दिसंबर) को एक ई-मेल बयान में तिनसुकिया और शिवसागर में हुए दो हालिया धमाकों की जिम्मेदारी ली थी। 22 नवंबर को तिनसुकिया के डिराक में एक सैन्य शिविर के पास ग्रेनेड धमाके के बाद एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया था, जबकि पुलिस ने नौ दिसंबर को सीआरपीएफ कैंप के पास सुनी गई विस्फोट की आवाज के विवरण की पुष्टि नहीं की है। अल्फा के दावे के बाद डीजीपी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा था कि असम पुलिस, सेना और सीएपीएफ के प्रत्येक कर्मी देश की अखंडता और संप्रभुता की रक्षा के लिए राष्ट्रीय ध्वज के नीचे शपथ लेते हैं। उन्होंने कहा था कि हम अपने राज्य के विकास में बाधा डालने वाले आतंकवाद के अवशेषों को खत्म करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। इसके लिए अगर हमें अपने जीवन का बलिदान भी देना पड़े, तो हम संकोच नहीं करेंगे, न ही हम उन लोगों के खिलाफ कानून की पूरी ताकत का इस्तेमाल करने के अपने संकल्प से पीछे हटेंगे, जो हमारे राज्य की प्रगति और विकास के रास्ते में खड़े हैं।

अल्फा (स्वा) ने ली...

पता लगा रहे हैं कि विस्फोट के लिए किस विस्फोटक का इस्तेमाल किया गया है। विस्फोट में जान-माल के नुकसान की कोई सूचना नहीं है। 22 नवंबर से तिनसुकिया और शिवसागर के बाद सुरक्षा प्रतिष्ठानों के पास हुई यह इस प्रकार की तीसरी घटना है। घटना के जिम्मेदार लोगों को पकड़ने के लिए जिले में तथा जोरहाट के आस-पास के इलाके में व्यापक तलाश अभियान जारी है। अपर असम के जिलों में सुरक्षा कड़ी कर दी गई है और गश्त बढ़ा दी गई है। अल्फा (स्वा.) ने विस्फोट की जिम्मेदारी लेते हुए एक बयान में कहा कि स्थानीय लोगों को घबराने की कोई जरूरत नहीं है क्योंकि संगठन उनके खिलाफ नहीं है, लेकिन वह पुलिस महानिदेशक जी.पी. सिंह के यह स्थापित करने के कथित प्रयासों की प्रतिक्रिया में विस्फोट कर रहा है कि संगठन की मांग कानून एवं व्यवस्था की समस्या है न कि राजनीतिक मुद्दा। उन्होंने कहा कि हम कल जोरहाट में हुए विस्फोट की जिम्मेदारी लेते हैं। हमारा विचार किसी भी असमिया को ठेस पहुंचाना नहीं था। लेकिन यह देखा गया है कि भारत बंदना के कुछ तथाकथित प्रचारकों ने बार-बार यह दावा करने की कोशिश की है कि हम अपने लोगों के लिए खतरा हैं। असम के आम लोगों को चिंता करने की जरूरत नहीं है। बयान में कहा गया है कि असम और भारत का टकराव एक राजनीतिक मुद्दा है। लेकिन जीपी सिंह जैसे लोगों को पता होना चाहिए कि इसे कानून-व्यवस्था से जुड़ी बात बताकर इसमें हस्तक्षेप करने का उन्हें कोई अधिकार नहीं है। ऐसा करके, वह असमिया लोगों के स्वदेशी अधिकारों को कम करना चाहते हैं। अलगाववादी संगठन ने आगे डीजीपी को चुनौती देते हुए कहा कि हम उन्हें असम और भारत के बीच इस राजनीतिक टकराव से दूर रहने की चेतावनी देते हैं। यह सभी पक्षों के लिए अच्छा होगा वरना ऐसी हरकत दोबारा दोहराई जाएगी।

महिला जज ने ...

जीवन का कोई उद्देश्य नहीं बचा है। कृपया मुझे अपना जीवन सम्मानजनक तरीके से समाप्त करने की अनुमति दें। शीर्ष अदालत के सूत्रों के मुताबिक, सीजेआई के आदेश के तहत सुप्रीम कोर्ट के महासचिव ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय के रजिस्ट्रार जनरल से आंतरिक शिकायत समिति (आईसीसी) के समक्ष न्यायिक अधिकारी की कार्यवाही की स्थिति के बारे में पूछा है। महिला न्यायाधीश ने पहले शीर्ष अदालत के समक्ष एक याचिका दायर की थी, जो न्यायमूर्ति हृषिकेश रॉय और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ के समक्ष सुनवाई के लिए आई थी। पीठ ने यह कहते हुए याचिका खारिज कर दी थी कि आंतरिक शिकायत समिति के पास पहले से ही मामला है और एक प्रस्ताव पारित हो चुका है, जो इलाहाबाद उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश की मंजूरी के लिए लंबित है।

ईदगाह मामला : मुस्लिम...

के लिए 18 दिसंबर की तारीख तय हुई है। जस्टिस मयंक कुमार जैन ने ये फैसला दिया। मामले में भगवान श्रीकृष्ण विराजमान कटरा केशव देव भी वादी हैं। अधिवक्ता हरिशंकर जैन व विष्णु जैन ने कहा कि कटरा केशव देव के नाम दर्ज पूरी जमीन भगवान श्रीकृष्ण जन्मस्थान है, जो 13.37 एकड़ में है। इसमें शाही मस्जिद ईदगाह स्थित है। कमीशन जारी होने से दस्तावेजी सबूत हासिल होंगे। इस दौरान ज्ञानवापी विवाद में भी कमीशन जारी होने का हवाला दिया गया।

दानापुर कोर्ट में ...

गोली मारकर हत्या कर दी गई। उन्होंने कहा कि कोर्ट में मौजूद वकीलों ने दोनों बदमाशों को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस ने बदमाशों के पास से दो पिस्टल बरामद की हैं। पुलिस बदमाशों हिरासत में लेकर थाने गई, जहां बदमाशों से पूछताछ में जुटी है। आखिर क्यों बदमाशों ने पेशी पर आए कैदी की गोली मारकर हत्या कर दी, इसकी वजह अभी साफ नहीं हो पाई है। जानकारी के मुताबिक, जिस समय कैदी छोटे सरकार को पेशी पर कोर्ट लाया जा रहा था, उसके साथ में 5 पुलिसकर्मी थे, लेकिन पुलिस कस्टडी में ही दिनदहाड़े दोनों बदमाशों ने छोटे सरकार पर 6 राउंड फायरिंग की। गोली की आवाज सुनकर कोर्ट में दहशत फैल गई। कुछ देर के लिए तो लोग समझ ही नहीं पाए कि आखिर क्या हुआ? कैदी छोटे सरकार के साथ रहे सिपाही भूरन झा ने बताया कि हम लोग पेशी के लिए उसे ला रहे थे। कोर्ट में के अंदर जैसे ही पहुंचे, वैसे दो बदमाशों ने कैदी पर फायरिंग करनी शुरू कर दी। गोली की आवाज सुनकर हम लोग कुछ समझ नहीं पाए। कैदी मौके से भागने की कोशिश में थे, लेकिन वकीलों ने उन्हें पकड़ लिया। वहीं दानापुर एसपी सिटी पश्चिमी राजेश कुमार ने बताया कि मृत कैदी पर बिहटा थाने में कई मुकदमे दर्ज थे। आज इसकी कोर्ट में पेशी के दौरान हत्या कर दी गई। पुलिस ने मौके से दो बदमाशों को गिरफ्तार किया है। इनमें से एक बदमाश मुजफ्फरपुर का रहने वाला है। पुलिस टीम आरोपियों से पूछताछ कर रही है। यह पता लगाया जा रहा है कि आखिर इनको किसने भेजा है?

राजस्थान के मुख्यमंत्री...

भी सचिवालय में चार्ज संभाल लिया। भजनलाल शर्मा ने शुभ मुहूर्त में कार्यभार ग्रहण किया। कार्यभार ग्रहण करवाने के लिए उनके साथ प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी, पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे समेत कई केंद्रीय मंत्री सचिवालय पहुंचे थे। पदभार ग्रहण करने के बाद भजनलाल ने वसुंधरा राजे को मिठाई खिलाई, वहीं वसुंधरा ने भजनलाल के सिर पर हाथ रखकर आशीर्वाद दिया। मुख्यमंत्री शर्मा के कार्यभार संभालने के साथ ही उनके ऑफिस में तीन आईएएस अफसरों की नियुक्ति के आदेश जारी हो गए हैं। टी रविकांत को मुख्यमंत्री का प्रमुख सचिव, आनंदी को सचिव और सौम्या झा को संयुक्त सचिव बनाया गया है। तीनों की नियुक्तियां अस्थायी तौर पर की गई हैं, तीनों अपने मौजूदा पदों पर भी काम करते रहेंगे। शपथ ग्रहण समारोह में पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, वसुंधरा राजे और केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत आकर्षण के केंद्र बने रहे। तीनों नेता एक साथ बैठे दिखाई दिए और देर तक हंसी-मजाक करते रहे। अशोक गहलोत शपथ ग्रहण शुरू होने के करीब एक घंटे पहले ही अल्बर्ट हॉल पहुंच गए थे। वे केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत और वसुंधरा राजे के साथ बैठे थे। तीनों देर तक हंसी-मजाक करते रहे, जबकि गहलोत और शेखावत के बीच अदावत जगजाहिर है और वसुंधरा भी पूर्व कार्यकाल में गजेंद्र सिंह की खिलाफत करती रहीं हैं। शपथ ग्रहण समारोह में अल्बर्ट हाल के समक्ष तीन मंच बनाए गए थे। मुख्य मंच पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोद, राज्यपाल कलराज मिश्र, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी तथा प्रेमचंद बैरवा मौजूद रहे। बांई ओर के मंच पर साधु-संतों को विराजित किया गया वहीं दाएं ओर के मंच पर केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी, भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा समेत अनेक केंद्रीय मंत्री, राज्यों के मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री एवं राज्य के वरिष्ठ भाजपा नेता मौजूद रहे। भजनलाल शर्मा का आज जन्मदिन भी है। उनके परिवार ने अपने अस्थायी ठिकाने पावर हाउस गेस्ट हाउस में बर्थ डे सेलिब्रेट भी किया। पहले उन्होंने गोविंद देवजी मंदिर में दर्शन किए, इसके बाद उन्होंने अपने माता-पिता के चरण धोकर उनका आशीर्वाद भी लिया। शहर के मध्य में स्थित रामनिवास बाग में शपथ ग्रहण समारोह और प्रधानमंत्री मोदी समेत अनेक केंद्रीय मंत्रियों और मुख्यमंत्रियों की जेएलएन मार्ग पर आवाजाही के कारण यातायात बुरी तरह से प्रभावित रहा। सुबह कार्यालय समय और कार्यक्रम समाप्त होने के समय कई स्कूलों की छुट्टी होने के कारण जेएलएन मार्ग, टोंक रोड, गवर्नमेंट हॉस्टल, संसार चंद रोड, चौड़ा रास्ता सहित चारदीवारी क्षेत्र में ट्रैफिक का दबाव बढ़ गया और जाम लग गया। वाहनों के निकलने की गति बहुत धीमी हो गई। प्रोग्राम खत्म होने के बाद करीब दो ढाई घंटे तक यातायात सुचारू नहीं हो पाया। शपथ ग्रहण समारोह के लिए शहर की यातायात व्यवस्था और कानून-व्यवस्था के लिए 5 हजार से ज्यादा पुलिसकर्मी तैनात किए गए।

केवि ने देश के ...

छात्रों को उनकी हीरक जयंती पर बधाई। यह इस प्रतिष्ठित शैक्षिक समुदाय की उल्लेखनीय उपलब्धियों का जश्न मनाने और प्रशंसा करने का अवसर है। पिछले कुछ वर्षों में, केंद्रीय विद्यालयों ने कई छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करके हमारे देश के भविष्य को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। शैक्षणिक उउत्कृष्टता और छात्रों के समग्र विकास में उनका योगदान वास्तव में सराहनीय है। उल्लेखनीय है कि केंद्रीय विद्यालय संगठन हर साल 15 दिसंबर को अपना स्थापना दिवस मनाता है। केंद्रीय विद्यालय संगठन की स्थापना वर्ष 1963 में केवल 20 रेजिमेंटल स्कूलों के साथ की गई थी।

हमास की कमर ...

समूहों में आईडीएफ के सैनिकों के सामने आत्मसमर्पण कर रहे हैं। आज सुबह भी हमास के आतंकवादियों ने हथियार डाल दिए। अखबार के अनुसार इजराइल रक्षा बलों के अंतर्राष्ट्रीय प्रवक्ता लेफ्टिनेंट कर्नल जोनाथन कॉनरिकस ने कहा है कि गाजा में इजराइल भारी कीमत चुका रहा है, लेकिन उसका लक्ष्य अटल है। इजराइल डिफेंस फोर्सेज (आईडीएफ) की गुरुवार को जारी विज्ञप्ति के अनुसार, कमल अदवान अस्पताल के क्षेत्र में हमास की एक इमारत से बड़ी संख्या में हथियार मिले हैं। यहां मुठभेड़ में सैनिकों ने कई आतंकवादियों को मार गिराया। आईडीएफ के अनुसार, बड़ी संख्या में पहुंचे सैनिकों को देखकर हमास के आतंकवादी घबरा गए। इस दौरान 70 से अधिक आतंकवादी हथियार लेकर अस्पताल से बाहर निकल आए। उन्होंने आत्मसमर्पण कर दिया। बाद में इनको पूछताछ के लिए खुफिया निदेशालय की यूनिट 504 भेज दिया गया। आईडीएफ ने कहा है कि इस दौरान उसे आतंकी संगठन हिजबुल्लाह से लोहा लेना पड़ रहा है। हिजबुल्लाह ने पांच रॉकेट दागे । इनमें से एक रॉकेट लेबनान से दागा गया। वह अब तक सैकड़ों रॉकेट और मिसाइलें दाग चुका है। सुरक्षा बल उसे माकूल जवाब दे रहे हैं। इस युद्ध पर अमेरिका की चिंता पर द टाइम्स ऑफ इजराइल रिपोर्ट छापी है। द टाइम्स ऑफ इजराइल के अनुसार अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवन ने गुरुवार को इजराइल में शीर्ष अधिकारियों से मुलाकात की है। सुलिवन ने तेल अवीव में इजराइली अधिकारियों से बाइडेन प्रशासन की प्राथमिकता पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि व्हाइट हाउस चाहता है कि इजराइली रक्षा बल गाजा में युद्ध को कुछ हफ्ते में खत्म कर दे। हालांकि, इजराइली नेताओं ने अपनी यह प्रतिज्ञा दोहराई कि आईडीएफ आतंकवादी समूह की हार तक गाजा पट्टी में सैन्य आक्रमण जारी रखेगा।

कांग्रेस की एकला ...

लिए है। बाहर के लिए हम मौके के लिहाज से अपनी रणनीति तय करेंगे। 6 दिसंबर को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के बुलाए डिनर से भी टीएमसी दूर रही, लेकिन पहले महुआ मोइत्रा का संसद से निष्कासन, फिर डेरेक ओ ब्रायन का पूरे सत्र के लिए निलंबन हुआ, तो कांग्रेस दोनों मौकों पर टीएमसी के साथ मजबूती से खड़ी दिखी। खुद सोनिया गांधी, मल्लिकार्जुन खरगे और राहुल गांधी सक्रिय नजर आए। पहले राहुल गांधी ने तेलंगाना में कांग्रेस सरकार के शपथ ग्रहण समारोह के लिए ममता बनर्जी को न्योता दिया तो नाखुश चल रहीं ममता बनर्जी ने अपने आखिर अपने विश्वस्त डेरेक ओ ब्रायन को भेज ही दिया था। ऐसे में विपक्षी सांसदों पर हो रही कड़ी कार्रवाई से कांग्रेस को लगता है कि विपक्षी दल एकजुट होकर जनता के बीच जाएंगे। टीएमसी के अलावा लोकसभा के तमाम विपक्षी दलों के सांसद भी सस्पेंड हुए। जिस पर विपक्ष का कहना है कि वेल आकर नारेबाजी करने को विपक्ष में रहते भाजपा कैसे भूल गई, संसद में सुरक्षा चूक पर सवाल उठाने पर विपक्षियों पर एक्शन लिया जा रहा है, जबकि गृह मंत्री बयान तक देने को तैयार नहीं है। पास बनवाने वाले भाजपा सांसद प्रताप सिम्हा पर कोई एक्शन नहीं हुआ। इससे पहले आप अपने नेताओं पर एक्शन को और आजम खान पर कार्रवाई को सपा भाजपा की विरोधियों को सताने की साजिश बता चुकी है। ऐसे में सवाल यही है कि संसद सत्र में विपक्षियों पर एक्शन क्या उनके लिए फेविकोल का काम करेगा और उनको 2024 के लिए संजीवनी देगा। यही वजह है कि 6 दिसंबर को ममता,अखिलेश समेत कई नेताओं के बैठक से दूरी बनाने के चलते इंडिया गठबंधन की बैठक टाल दी गई थी, लेकिन शायद ये वक्त का तकाजा है कि अब 19 दिसंबर को होने वाली बैठक में ममता, अखिलेश, नीतीश और केजरीवाल समेत सभी दिग्गज शामिल हो रहे हैं। ये बात अलग है कि जब आमना-सामना होगा, तब रिश्ता किस दिशा में आगे बढ़ेगा।

संसद सुरक्षा उल्लंघन...

बताया कि वारदात के तरीके को समझने के लिए और इसका सुक्ष्म विश्लेषण करने के लिए दिल्ली पुलिस यह तरीका अपनायेगी। स्पेशल सेल आरोपितों को संसद परिसर के गेट से बिल्डिंग के अंदर तक ले जाएगी। गुरुवार को संसद की कार्यवाही चलने के कारण स्पेशल सेल की टीम गिरफ्तारी के बाद का सीन रीक्रिएट नहीं कर पाई है। टीम शनिवार या रविवार को उस दृश्य को फिर से बनाने की कोशिश कर रही है जब संसद सत्र नहीं चल रहा होगा। सूत्रों के मुताबिक, स्पेशल सेल की टीम आरोपितों को गुरुग्राम स्थित उनके उस फ्लैट पर भी ले जाएगी, जहां उनकी मुलाकात हुई थी। सूत्रों के अनुसार पुलिस टीम ने 50 मोबाइल नंबरों की एक सूची भी तैयार की है, जिन पर आरोपितों ने पिछले 15 दिनों में फोन किया था। पुलिस इन नंबरों पर कॉल कर उनकी पहचान कर रही है।

डीजीपी जीपी सिंह ने उल्फा-स्व को दी चुनौती

कहा, मैं काहिलीपाड़ा में रहता हूं, आप मुझे निशाना बनाने के लिए स्वतंत्र हैं

गुवाहाटी (हिंस)। उल्फा-स्व द्वारा असम में लगातार किए जा रहे ग्रेनेड हमले का आज राज्य के पुलिस महानिदेशक जीपी सिंह ने जवाब दिया। उन्होंने कहा कि प्रतिबंधित यूनाइटेड लिबरेशन फ्रंट ऑफ असम (उल्फा-स्व) उन्हें लक्ष्य बनाने के लिए स्वतंत्र है। डीजीपी ने धमकियों से बेपरवाह होकर विद्रोही समूह से असम के लोगों को परेशान न करने का आग्रह किया। डीजीपी सिंह ने कहा कि जो लोग असम से प्यार करते हैं, उन्हें असम के लोगों को परेशान नहीं करना चाहिए। मैं काहिलीपारा में रहता हूं, आप मुझे निशाना बनाने के लिए स्वतंत्र हैं। उल्फा-स्व द्वारा हाल ही में किए गए दो ग्रेनेड विस्फोटों के बाद डीजीपी ने आज यह बयान दिया है। उल्लेखनीय है कि कल जोरहाट में लिचुबाड़ी सेना शिविर के पास एक बम विस्फोट हुआ। उल्फा-स्व के वार्ता-विरोधी गुट ने तुरंत

जिम्मेदारी लेते हुए कहा कि ये हमले डीजीपी जीपी सिंह के लिए एक चेतावनी है। सिंह ने असम पुलिस के साथ कथित तौर पर अपनी *पैतृक संपत्ति* जैसा व्यवहार किया है। विदित हो कि पहला विस्फोट 22 नवंबर को तिनसुकिया जिले में एक सैन्य शिविर के पास हुआ था। दूसरा 9 दिसंबर को शिवसागर जिले में जयसागर सीआरपीएफ शिविर के पास हुए हमले के बाद संगठन ने आधिकारिक तौर पर जिम्मेदारी ली थी। सौभाग्य से इन घटनाओं में कोई हताहत नहीं हुआ। एक सार्वजनिक पत्र में, उल्फा-स्व ने डीजीपी सिंह पर *अहंकार* का आरोप लगाया और असम पुलिस को अपनी निजी संपत्ति मानने के लिए उनकी आलोचना की। पत्र में इस बात पर जोर दिया गया कि उनका इरादा व्यक्तिगत दुश्मनी नहीं, बल्कि सत्ता के कथित दुरुपयोग के खिलाफ एक प्रदर्शन था। उल्फा-स्व के पत्र में कहा गया है कि जीपी सिंह ने असम पुलिस को अपनी पैतृक संपत्ति मानकर जो अहंकार दिखाया है, उससे असम पुलिस में काम करने वाले अधिकारियों, सदस्यों के आत्मसम्मान को ठेस पहुंचा है और उनका अहंकार स्वीकार नहीं किया जा सकता है।

सड़क दुर्घटना में दो छात्र की मौत, एक घायल

गुवाहाटी (हिंस)। जोराबाट फ्लाईओवर के ऊपर हुई एक सड़क दुर्घटना में शुक्रवार दोपहर को दो छात्र की मौके पर ही मौत हो गई जबकि, एक को गंभीर अवस्था में उन्नत चिकित्सा के लिए गुवाहाटी मेडिकल कॉलेज एन्ड अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने बताया कि जोराबाट फ्लाईओवर के ऊपर खड़ी ट्रक (एनएल-01एई-1887) के पीछे सोनपुर से गुवाहाटी की ओर जा रही तेज रफ्तार बाइक (एएस-01ईजे-7870) जा टकराई, जिसकी वजह से दो बाइक सवार की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि एक यश गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना की खबर मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस की टीम ने गंभीर रूप से घायल युवक को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया। वहीं, सड़क दुर्घटना में मारे गए दोनों युवक का शव अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए गुवाहाटी मेडिकल कॉलेज एन्ड अस्पताल भेज दिया है । घटना के समय तीनों युवक एक ही बाइक पर सवार थे। पुलिस ने प्रारंभिक जांच में पाया कि सड़क दुर्घटना के शिकार तीनों युवक डॉन बॉस्को विश्वविद्यालय के छात्र थे।

जनशिकायत सुनने जिला आयुक्त जाएंगे सर्किल ऑफिस

गुवाहाटी (हिंस)। कामरूप (मेट्रो) जिला आयुक्त सुमित सत्तावन ने लोगों को उचित सेवाएं तेज गति से उपलब्ध कराने के लिए विशेष ध्यान दिया है। 6 दिसंबर को कामरूप (मेट्रो) जिला आयुक्त के रूप में पदभार संभालने वाले सत्तावन स्वयं राजस्व सर्किल अधिकारी के कार्यालय में उपस्थित होकर जनता से उनकी शिकायतों को सुनेंगे और तत्काल निवारण का उपाय करेंगे। कार्यक्रम के अनुसार 17 दिसंबर को प्रात: 9.30 बजे जिला आयुक्त वशिष्ठ चरियाली स्थित दिसपुर राजस्व आफिसर कार्यालय पहुंचेंगे और राजस्व संबंधित कार्यों के लिए आने वाले लोगों से उनकी आपत्तियां सुनेंगे। इसके बाद अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ बैठक करेंगे।

मणिपुर पुलिस ने दो अगवा श्रमिकों को कराया मुक्त

इंफाल (हिंस)। मणिपुर पुलिस ने अगवा किए गए दो श्रमिकों को मुक्त करा लिया है। पुलिस ने आज बताया कि बुधवार की रात मणिपुर के तामेंगलांग जिले के झांगलोम से अज्ञात सशस्त्र बदमाशों द्वारा अगवा किए गए एपेक्स कंपनी के दो श्रमिकों को मणिपुर पुलिस द्वारा गहन तलाशी अभियान के बाद मुक्त करा लिया गया। पुलिस द्वारा सघन छापामारी अभियान चलाया जा रहा है।

श्वेता सिंह ने वीबीएसवाई को हरी झंडी दिखा कर शुभारम किया

इटानगर (हिंस)। प्रधानमंत्री कार्यालय की निदेशक श्वेता सिंह ने अरुणाचल प्रदेश के पापुम पारे जिला के सागली ब्लॉक के लिए आज सागाली में विकसित भारत संकल्प यात्रा (वीबीएसवाई) को हरी झंडी दिखा कर शुभारम किया। उन्होंने साथ ही सेवा अपके द्वार शिविर का भी उद्घाटन किया। सभा को संबोधित करते हुए सिंह ने समावेशी विकास के लिए सरकार के दृष्टिकोण को दोहराया। वीबीएसवाई का लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि अंतिम छोर तक सरकारी कल्याण नीतियों, कार्यक्रमों से लोग अवगत हों और कोई भी पात्र लाभार्थी पीछे न छूटे।

योजनाओं को लागू करने वाले विभागों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि सभी छूटे हुए लाभार्थियों का नामांकन हो। *विकसित भारत @2047: युवाओं की आवाज* जो कि प्रधान मंत्री की एक पहल है, के बारे में प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि यह पहल देश के युवाओं को विकसित भारत @2047 के दृष्टिकोण में योगदान देने के लिए एक मंच प्रदान करेगी। आजादी के 100वें वर्ष यानी 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने का लक्ष्य। यह दृष्टिकोण आर्थिक विकास, सामाजिक प्रगति, पर्यावरणीय स्थिरता और सुशासन सहित विकास के विभिन्न पहलुओं को शामिल करता है। उन्होंने सभी युवाओं से देश की राष्ट्रीय योजनाओं, प्राथमिकताओं और लक्ष्यों के निर्माण में भाग लेने और विचारों में योगदान देने का आग्रह किया। कार्यक्रम के दौरान केन्द्र सरकार द्वारा दिये गये योजनाओं के तहत सफल लाभार्थियों, प्रगतिशील किसानों और एसएचजी ने अपने अनुभव साझा किए। अनेक लाइन विभागों और स्वयं सहायता समूहों ने भी अपनी सेवाओं और उत्पादों को प्रदर्शित करने वाले स्टॉल लगाए। संयुक्त निदेशक योजना पोनुंग बोरिंग, एडीसी सगाली ऑडिल टोको, डीपीओ लोकम चयु, और अधिकारी निदेशक शामिल थे।

संसार और सन्यास जीवन जीने का नाम है : आर्यिका परीक्षाश्री एवं प्रेक्षाश्री माताजी

गुवाहाटी : पांडु मे विराजित जिन शासन प्रभाविका आर्यिका द्वय 105 परीक्षाश्री एवं 105 प्रेक्षाश्री माताजी ने आज *संसार और सन्यास* पर चर्चा करते हुए कहा कि संसार और सन्यास जीवन को जीने की शैलियों के नाम है। जीते सभी है, लेकिन कुछ ऐसे जीते हैं कि जीवन को जान ही नहीं पाते और कुछ ऐसे जीते हैं कि जीवन में ही परम जीवन की झलक पकड़ आ जाती है। मरते सभी हैं, लेकिन कुछ ऐसे मरते हैं कि मरकर अमृत को पा लेते हैं और कुछ ऐसे मरते हैं कि अमृत तो दूर, जीवन भी नष्ट कर डालते हैं। अगर जीवन में जीवन का सत्य पकड़ में आ जाए तो उसका नाम है सन्यास। और अगर जीवन में जीवन का सत्य पकड़ में न आय तो समझना-संसार। उन्होंने कहा कि संसारी अभागा है, क्योंकि वह जीते तो चला जाता है लेकिन अपने में झांकता नहीं। वह जानता तो है कि वह जो जीवन जी रहा है, दुखदायी है, व्यर्थ है, मगर मानता नहीं। वह जीएगा तो जरूर, मगर पायेगा कुछ भी नहीं; वह दौडेगा तो बहुत, मगर पहुंचेगा कभी नहीं। उसके जीवन में बहुत भाग दौड़; बड़ी चिंता, बडा संघर्ष, बड़ी आपाधापी के सिवाए कुछ नहीं मिलता। मगर फिर भी वह भागा जा रहा है क्योंकि वह अभी जीवन में आशाओं को संजोए हुए हैं, लालच है- थोड़ा और थोड़ा और..., हताश नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि जब तक वह पूर्ण हताश न हो जाए तब तक मंदिर के द्वार उसके लिए नहीं खुलते; जब तक इस संसार में उसकी सारी आशाएं, इच्छाएं टूट न जाए तब तक वह अटका ही रहता है- धर्म में प्रवेश नहीं कर पाता; अपने स्वरूप का बोध नहीं होता, अपने भूले घर की स्मृति नहीं होती। वह दौड़ा जाता है- अपनी कल्पनाओं में, आकांक्षाओं में, आशाओं में - और इसी भाग- दौड़ का नाम है-संसार; और इस भाग- दौड़ की व्यर्थता को जान लेने का नाम है-सन्यास। उन्होंने कहा- संसारी व्यक्तियों की जीवन यात्रा तो व्यर्थ है ही, मृत्यु की मंजिल भी व्यर्थ हो जाती है, क्योंकि वे परम जीवन से परिचित नहीं होते और अंतत: ऐसे ही राख में विलीन हो जाते हैं। दूसरी ओर सन्यासी जीवन को जागकर जीता है, वह जीवन के अंधेरे में धर्म का दिया जला लेता है। वह जीवन को प्रगाढ़ता से जीता है। वह स्वेच्छा से मृत्यु में जाना पसन्द करता है। क्योंकि सन्यासी का हर क्षण धर्म और निर्भय का होता है। सन्यासी जीवन से परिचित रहता है, एक-एक क्षण का सम्यक् उपयोग करता है। आर्यिकाश्री ने अंत में कहा कि यह मनुष्य जीवन बहुत ही पुण्योदय से प्राप्त हुआ है, इसको ऐसे ही व्यर्थ मत जाने देना।

मणिपुर पुलिस ने 211 लोगों को लिया हिरासत में

इंफाल (हिंस)। मणिपुर पुलिस ने राज्य के थौबल और काकचिंग जिलों में उल्लंघन के सिलसिले में 211 लोगों को हिरासत में लिया। पुलिस ने आज बताया कि आवश्यक वस्तुओं के साथ राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 37 पर 284 वाहनों तथा एनएच -2 पर 178 वाहनों की आवाजाही सुनिश्चित की गई है। वाहनों की स्वतंत्र और सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए सभी संवेदनशील स्थानों पर कड़े सुरक्षा उपाय किए गए हैं और संवेदनशील क्षेत्रों में सुरक्षा बलों को व्यापक पैमाने पर तैनात किया गया है। पुलिस ने बताया कि पहाड़ी और घाटी दोनों में मणिपुर के विभिन्न जिलों में 142 नाके और जांच चौकियां स्थापित की गई है।

अमीनगांव में शव बरामदगी को लेकर सनसनी

कामरूप (हिंस)। गुवाहाटी के निकटवर्ती अमीनगांव स्थित ईपीआईपी परिसर में आज एक शव बरामदगी को लेकर पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। पुलिस ने बताया कि आज सुबह शव फंदे से लटका हुआ बरामद किया गया। मृतक की पहचान तामुलपुर के रमनी कलिता के रूप में हुई है। संदेह है कि पारिवारिक विवाद के कारण व्यक्ति ने आत्महत्या की है। मृतक पर पहले भी एक बार आत्महत्या का प्रयास करने का आरोप है। अमीनगांव पुलिस मौके पर मौजूद होकर मामले की जांच पड़ताल कर रही है।

श्री गौहाटी गौशाला के दो प्राचीन शिव मंदिरों की प्राण प्रतिष्ठा समारोह आज

गुवाहाटी (विभास)। श्री गौहाटी गौशाला में दो प्राचीन शिव मंदिरर का प्राण प्रतिष्ठा के चौथे दिन नित्य पूजा, हवन व जाप का कार्यक्रम राष्ट्रपति सम्मान से सम्मानित याज्ञिक सम्राट वेदाचार्य श्री कृष्ण पुराणिक के आचार्यत्व में संपन्न हुआ। पांच दिवसीय कार्यक्रम में आज चौथे दिन संध्या आरती में भक्तों ने अंश ग्रहण किया। इस अवसर पर पांचवें दिन शुक्रवार को प्रात: 7:30 बजे देव पूजन व महाकुंभ अभिषेक, सहस्त्र धारा अभिषेक व प्राण प्रतिष्ठा पूजा के पश्चात 11:30 पुणाहुति व आरती का मांगलिक कार्यक्रम संपन्न किया जाएगा। इसी समय 11:30 बजे गौशाला प्रांगण में प्रस्तावित राधा कृष्ण मंदिर के निर्माण हेतु भूमि पूजन भी किया जाएगा। इस मंदिर के निर्माण में समाजसेवी एवं उद्योगपति प्रदीप भडेच परिवार द्वारा किया जाएगा। गौरतलब है कि श्री गुवाहाटी गौशाला की भूमि पर सन 1930 व सन 1932 में निर्मित प्राचीन शिव मंदिरों का गौशाला ट्रस्ट बोर्ड की देखरेख में जीर्णोद्धार किया गया है। पहले शिव मंदिर का जीर्णोद्धार स्वर्गीय न्यायाधीश भगवती प्रसाद सराफ के पुत्र डॉ अशोक सराफ व महाराष्ट्र सरकार के अधिवक्ता वीरेंद्र सराफ तथा दूसरे शिव मंदिर का जीर्णोद्धार पाटोदिया परिवार के विश्वनाथ मनोज पाटोदिया द्वारा किया गया है।

गुवाहाटी में खुला भारत का पहला *ओप्पो मिनी शोरूम*

कनेक्टिंग पीपल में अभिनेत्री यांकी पराशर ने किया शुभारंभ

गुवाहाटी (विभास)। देश के पहले ओप्पो एक्सक्लूसिव मिनी शोरूम का उद्घाटन गुवाहाटी में आज किया गया। पान बाजार लखटोकिया के कर्नल जे.अली रोड स्थित *प्राधिकृत डीलर कनेक्टिंग पीपल* में आज अभिनेत्री यांकी पराशर ने दीप प्रज्ज्वलित कर *ओप्पो मिनी शोरूम* का शुभारंभ किया। इस मौके पर शोरूम पार्टनर जय प्रकाश जाजू, नारायण जाजू और रवि जाजू के अलावा कंपनी के आधिकारिक जोनल सेल्स मैनेजर अनिशुज जमान, शोरूम और एलएफआर हेड संदीप चौधरी, एएसएम जेपी अंकुर, एरिया डिस्ट्रीब्यूटर *राम मैन बिजनेस एंटरप्राइजेज* के साथ मार्केटिंग और ब्रांडिंग टीम भी मौजूद थी। इस अवसर पर जोनल सेल्स मैनेजर अनिशुज जमान ने कहा कि पहल के हिस्से के रूप में, ओप्पो इंडिया स्मार्टफोन डीलरों को अपने व्यवसाय को ब्रांड की स्थानीय फ्रेंचाइजी में

बदलने का अवसर प्रदान कर रहा है। अपनी ओर से, ओप्पो इंडिया प्रीमियम डिजाइन और शोरूम सेटअप में करीबी भागीदारी के रूप में समर्थन प्रदान करता है, जो फ्रेंचाइजी को ग्राहकों को ओप्पो के स्मार्टफोन दिखाने और बेचने में कई गुना मदद करेगा। ओप्पो का यह मिनी शोरूम देश का पहला मिनी शोरूम है, जिसका शुभारंभ गुवाहाटी से हुआ है। आयोजन स्थल पर उपस्थित ओप्पो इंडिया के प्रवक्ता ने कहा कि अगले वर्ष में, ओप्पो इंडिया पूरे भारत में 300 से अधिक *मिनी शोरूम* खोलने की योजना बना रहा है। देश भर के स्मार्टफोन डीलर इस कार्यक्रम के बारे में जानने के लिए अपने क्षेत्रीय ओप्पो कार्यालय से जुड़ सकते हैं। देश के प्रति ओप्पो इंडिया की प्रतिबद्धता इसकी मेक इन इंडिया पहल से परिभाषित होती है, जो यूपी के नोएडा में इसकी स्थानीय विनिर्माण इकाई द्वारा संचालित है।

संपादकीया

पर्यटन राजधानी के अर्थ

हिमाचल के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने दिल्ली के एक समारोह में अपने लक्ष्यों के पर्यटन का खाका पेश करते हुए, राज्य को देश की पर्यटन कैपिटल बनाने की घोषणा की है। जाहिर है यह उनके कार्यकाल की अहम सुर्खी है जो प्रदेश में कांगड़ा को पर्यटन की राजधानी और देश में प्रदेश को पर्यटन राजधानी बनाने की जिद्द पेश कर रही है। यह सही रास्ता है, लेकिन इसे मुकम्मल करने के लिए सर्वप्रथम प्रदेश को पर्यटन राज्य घोषित करना होगा। पर्यटन राज्य एक तासीर है, जो सरकार के संकल्प को शासन-प्रशासन की देखरेख में प्रदेश के हर वर्ग को भागीदार बना सकती है। ऐसा संकल्प अभी हमारी विभागीय योजनाओं-परियोजनाओं में नहीं है। हमें पर्यटन राज्य की योजना दृष्टि कायम करते हुए विभागीय समन्वय की परिकल्पना में दिशा निर्देश तय करने होंगे। ये डेस्टिनेशन टूरिज्म के हिसाब से तो होंगे, लेकिन साथ ही साथ पूरे प्रदेश की संभावना में परिलक्षित करने होंगे। मसलन ग्रीष्म कालीन पर्यटन सीजन के हिसाब से पीडब्ल्यूडी विभाग को सडक़ों, जल शक्ति विभाग को पानी तथा ऊर्जा विभाग को विद्युत आपूर्ति को सौ फीसदी सुनिश्चित करना होगा। वर्तमान अनुभव बताता है कि गर्मियां आते ही तमाम पर्यटक शहरों में निजी तौर पर टैंकरों से पर्यटन सीजन की प्यास बुझाई जाती है। विद्युत आपूर्ति रूटीन में अगर स्थानीय निवासियों के लिए आंख मिचौनी का खेल है, तो पर्यटन की महफिल में यह खलल कैसे कम होगा। आश्चर्य यह है कि सरकार पांच करोड़ पर्यटकों के आगमन को अपना लक्ष्य मान रही है, लेकिन कुल 68 लाख की आबादी के लिए ही अगर विद्युत व जलापूर्ति नाकाम हैं, तो सर्वप्रथम इस दृष्टि से विभागों को संपन्न करना होगा। प्रदेश में बाईस लाख पंजीकृत वाहन व इतने ही बाहरी राज्यों के वाहन अगर घूम रहे हैं तो सीजन के दौरान यह जमावड़ा हमारी यातायात व्यवस्था का समाधान कब ढूंढेगा। पांच करोड़ सैलानियों के लिए कम से कम एक करोड़ वाहन दौड़ेंगे तो इसके लिए हमारी योजना क्या होगी। तमाम हिल स्टेशनों या पूरे प्रदेश की पार्किंग व्यवस्था के लिए ग्रामीण एवं शहरी निकायों तथा धार्मिक न्यासों के जरिए हमारी आगामी परियोजनाएं हैं क्या। भारत की पर्यटन राजधानी का सीधा मुकाबला केरल, गोवा, राजस्थान, कर्नाटक, तेलंगाना, मध्यप्रदेश व अन्य राज्यों से होगा, जहां कम आकर्षणों के बावजूद पर्यटन की अधोसंरचना, माहौल, मनोरंजन, कनेक्टिविटी, इवेंट्स, धार्मिक स्थलों की व्यवस्था तथा सैलानियों की सुविधाओं का हिसाब कहीं बेहतर है। क्या हम प्रदेश के आधा दर्जन के करीब बड़े मंदिरों की व्यवस्था को दक्षिण भारतीय मंदिरों के प्रबंधन की तरह कर पाए हैं। हमारे मंदिर ट्रस्ट महज सियासी कठपुतली हैं जहां आय और व्यय के बीच नेताओं की इच्छाओं और प्रशासन के दिखावों पर फिजूलखर्ची हो रही है। अगर दियोटसिद्ध, ज्वालाजी, चिंतपूर्णी या किसी अन्य धार्मिक स्थल पर एक साथ हजार वाहन पहुंच जाएं, तो सारा ताम झाम शून्य हो जाता है। सडक़ों पर डे एंड नाइट पेट्रोलिंग की जरूरत को लेकर पुलिस की संरचना बदलनी होगी तथा पर्यटन पुलिस की अवधारणा में आगे बढऩा होगा। देश के पर्यटन आंकड़ों में उद्योग की गुणवत्ता अगर हासिल करनी है तो हाई एंड टूरिज्म, विदेशी पर्यटन तथा प्रदेश की पर्यटन विविधता के नक्शे पर कुछ सर्किट बनाने होंगे। हम न तो बौद्ध पर्यटन और न ही तिब्बती पर्यटन पर आधारित सर्किट को मुकम्मल कर पाए और न ही धार्मिक पर्यटन को बेहतरीन कर पाए। हिमाचल से कमोबेश हर प्रकार के पर्यटन की राह गुजरती है, फिर भी हम ट्राइबल टूरिज्म को इसकी विविधता में पेश नहीं कर पाए हैं। ब्रिटिश पीरियड के शिलालेख, पहाड़ी रियासतों के इतिहास, सुजानपुर, पुराना कांगड़ा, मसरूर, गरली-परागपुर व चंबा की धरोहर तथा प्रदेश के विविध कलात्मक पक्ष को प्रस्तुत कर सकते हैं। हिमाचल को पर्यटन राज्य बनाने के लिए पार्टनर चाहिए। सर्वप्रथम निजी क्षेत्र को आहवान करना होगा, जबकि युवाओं का रोजगार तैयार करना होगा। पर्यटन मैत्री माहौल के लिए समाज से व्यापार तक को एक सूत्र में बांधने के अलावा सस्ती दरों पर रिहाइश, ट्रैवल-टैक्सी तथा खान-पान की सुविधाएं सुनिश्चित करनी होंगी।

हमें पर्यटन राज्य की योजना दृष्टि कायम करते हुए विभागीय समन्वय की परिकल्पना में दिशा निर्देश तय करने होंगे। ये डेस्टिनेशन टूरिज्म के हिसाब से तो होंगे, लेकिन साथ ही साथ पूरे प्रदेश की संभावना में परिलक्षित करने होंगे। मसलन ग्रीष्म कालीन पर्यटन सीजन के हिसाब से पीडब्ल्यूडी विभाग को सडक़ों, जल शक्ति विभाग को पानी तथा ऊर्जा विभाग को विद्युत आपूर्ति को सौ फीसदी सुनिश्चित करना होगा। वर्तमान अनुभव बताता है कि गर्मियां आते ही तमाम पर्यटक शहरों में निजी तौर पर टैंकरों से पर्यटन सीजन की प्यास बुझाई जाती है। विद्युत आपूर्ति रूटीन में अगर स्थानीय निवासियों के लिए आंख मिचौनी का खेल है, तो पर्यटन की महफिल में यह खलल कैसे कम होगा। आश्चर्य यह है कि सरकार पांच करोड़ पर्यटकों के आगमन को अपना लक्ष्य मान रही है, लेकिन कुल 68 लाख की आबादी के लिए ही अगर विद्युत व जलापूर्ति नाकाम हैं, तो सर्वप्रथम इस दृष्टि से विभागों को संपन्न करना होगा। प्रदेश में बाईस लाख पंजीकृत वाहन व इतने ही बाहरी राज्यों के वाहन अगर घूम रहे हैं तो सीजन के दौरान यह जमावड़ा हमारी यातायात व्यवस्था का समाधान कब ढूंढेगा। पांच करोड़ सैलानियों के लिए कम से कम एक करोड़ वाहन दौड़ेंगे तो इसके लिए हमारी योजना क्या होगी।

विधानसभा चुनाव में बसपा का पूरी तरह सूपड़ा ही साफ हो गया

क्या बसपा को खत्म करके मानेंगी मायावती? बहनजी समझें कि परिवारवाद का युग चला गया

रमेश सर्राफ

पिछले विधानसभा चुनाव में राजस्थान में बसपा को 4 प्रतिशत वोट व 6 सीटों पर जीत मिली थी। मगर इस बार यहां बसपा 1.82 प्रतिशत वोटों के साथ मात्र दो सीटों पर ही सिमट गई है। राजस्थान विधानसभा चुनाव में बसपा को मात्र 721037 वोट मिले हैं। मध्य प्रदेश में पिछली बार बसपा को दो सीट व 5.01 प्रतिशत वोट मिले थे। जबकि इस बार के चुनाव में वहां बसपा को 3.40 प्रतिशत यानी 14,77,202 वोट तो मिल गए मगर सीट एक भी नहीं मिली। इसी तरह छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव में पिछली बार बसपा को दो सीटों के साथ 552313 यानी 3.9 प्रतिशत वोट मिले थे। मगर इस चुनाव में वहां बसपा को सीट तो एक भी नहीं मिली उसके साथ ही वोटों में भी गिरावट दर्ज हुई है।

हाल ही में संपन्न हुए राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, तेलंगाना व मिजोरम विधानसभा के चुनाव में बहुजन समाज पार्टी (बसपा) का ग्राफ तेजी से गिरा है। राजस्थान, मध्य प्रदेश व छत्तीसगढ़ जैसे हिंदी पट्टी वाले प्रदेशों में बहुजन समाज पार्टी एक तीसरे विकल्प के रूप में अपनी ताकत का एहसास कराती आई थी। मगर इस बार के विधानसभा चुनाव में बसपा का पूरी तरह सूपड़ा ही साफ हो गया है। पिछले विधानसभा चुनाव में राजस्थान में बसपा को 4 प्रतिशत वोट व 6 सीटों पर जीत मिली थी। मगर इस बार यहां बसपा 1.82 प्रतिशत वोटों के साथ मात्र दो सीटों पर ही सिमट गई है। राजस्थान विधानसभा चुनाव में बसपा को मात्र 721037 वोट मिले हैं। मध्य प्रदेश में पिछली बार बसपा को दो सीट व 5.01 प्रतिशत वोट मिले थे। जबकि इस बार के चुनाव में वहां बसपा को 3.40 प्रतिशत यानी 14,77,202 वोट तो मिल गए मगर सीट एक भी नहीं मिली। इसी तरह छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव में पिछली बार बसपा को दो सीटों के साथ 552313 यानी 3.9 प्रतिशत वोट मिले थे। मगर इस चुनाव में वहां बसपा को सीट तो एक भी नहीं मिली उसके साथ ही वोटों में भी गिरावट दर्ज हुई है। वहां बसपा को 319903 यानी 2.05 प्रतिशत वोट ही मिले हैं। तेलंगाना के विधानसभा चुनाव में बसपा का खाता भी नहीं खुला। वहां पार्टी को 321074 यानी 1.37 प्रतिशत वोट मिले हैं। मिजोरम में तो वैसे ही बसपा का कोई नाम लेवा नहीं है। 2022 में हिमाचल प्रदेश के विधानसभा चुनाव में बसपा 53 सीटों पर चुनाव लड़ी मगर एक भी प्रत्याशी नहीं जीत पाया था। वहां पार्टी को 14613 यानी 0.35 प्रतिशत मत मिले थे। पिछले गुजरात विधानसभा के पिछले चुनाव में वहां बसपा ने 101 सीटों पर चुनाव लड़ा था। जिसमें 100 सीटों पर पार्टी प्रत्याशियों के जमानत जप्त हो गई थी। वहां पार्टी को मात्र 158123 यानी 0.5 प्रतिशत मत मिले थे। उतराखंड में बसपा के दो व पंजाब में एक विधायक है। उत्तर प्रदेश की स्थिति देखें जहां से बसपा का जन्म हुआ था। वहां 2022 के विधानसभा चुनाव में पार्टी महज एक सीट ही

जीत सकी थी। वहां बसपा को सिर्फ 12.88 प्रतिशत मत मिले थे। वहीं 2017 के विधानसभा चुनाव में 19 सीट व 22.31 प्रतिशत वोट मिले थे। 2012 की विधानसभा चुनाव में बसपा को उत्तर प्रदेश में 80 सीटों के साथ 25.91 प्रतिशत वोट मिले थे। वहीं 2007 के विधानसभा चुनाव में बसपा ने 30.43 प्रतिशत वोटो के साथ 206 सीट जीतकर अपने दम पर सरकार बनाई थी। 2002 के चुनाव में बसपा को 98 सीट व 23.6 प्रतिशत वोट मिले थे। 1996 के चुनाव में 67 सीट व 19.64 प्रतिशत वोट मिले थे। 1993 के चुनाव में 67 सीट व 11.12 प्रतिशत वोट, 1991 के चुनाव में 12 सीट व 9.44 प्रतिशत वोट मिले थे। 1989 के चुनाव में पहली बार बसपा ने उत्तर प्रदेश में चुनाव लड़कर 13 सीट तथा 9.41 प्रतिशत वोट पाए थे। उपरोक्त आंकड़ों का विश्लेषण करें तो पता चलता है कि बहुजन समाज पार्टी का जनाधार लगातार कमजोर पड़ता जा रहा है। लोकसभा चुनाव के आंकड़ों को देख तो 2019 के चुनाव में बसपा को उत्तर प्रदेश में 10 सीटें व 3.67 प्रतिशत वोट मिले थे। 2014 के लोकसभा चुनाव में बसपा का खाता भी नहीं खुला था। हालांकि पार्टी को 4.19 प्रतिशत वोट मिले थे। 2009 के लोकसभा चुनाव में बसपा ने उत्तर प्रदेश में 20 व मध्य प्रदेश में एक कुल 21 सीट व 6.56 प्रतिशत वोट पाए थे। 2004 के लोकसभा चुनाव में बसपा ने उत्तर प्रदेश से 19 सीट जीतकर 5.33 प्रतिशत वोट प्राप्त किए थे। 1999 के लोकसभा चुनाव में बसपा ने उत्तर प्रदेश से 14 सीट जीती थी तथा 4.16 प्रतिशत वोट प्राप्त किए थे। 1998 के लोकसभा चुनाव में बसपा ने उत्तर प्रदेश में चार व हरियाणा में कुल पांच सीट जीती थीं तथा 4.67 प्रतिशत वोट पाए थे। 1996 के लोकसभा चुनाव में बसपा ने उत्तर प्रदेश से 6 पंजाब से तीन व मध्य प्रदेश से दो यानि कुल 11 सीट जीती थी तथा 4.02 प्रतिशत मत प्राप्त किए थे। 1991 के लोकसभा चुनाव में बसपा ने मध्य प्रदेश में एक पंजाब में एक व उत्तर प्रदेश में एक कुल तीन सीट जीती थी वहीं 1.61 प्रतिशत मत प्राप्त किए थे। 1989 के लोकसभा चुनाव में बसपा ने पहली बार लोकसभा का चुनाव लड़ा था और पार्टी ने उत्तर प्रदेश में तीन व पंजाब में एक कुल चार सीटे जीत कर 2.07 प्रतिशत वोट पाये थे। पिछले लोकसभा चुनाव में बसपा ने उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी से समझौता होने के चलते 10 सीटों पर जीत जरूर हासिल कर ली थी। मगर उसके बाद बसपा सुप्रीमो मायावती ने समाजवादी पार्टी से अपना चुनावी गठबंधन समाप्त कर दिया था और एकला चलों की नीति पर ही 2022 में उत्तर प्रदेश विधानसभा का चुनाव लड़ा था। जिसमें पार्टी का प्रदर्शन सबसे कमजोर रहा था। 2022 के विधानसभा चुनाव में उत्तर प्रदेश जैसे राज्य में जहां से बसपा एक ताकत बनकर उभरी थी और चार बार सरकार बना चुकी है। वहां मात्र एक सीट पर सिमट जाना पार्टी के नेताओं के लिए बड़े शर्म की बात है। कांशीराम के जमाने में बसपा का पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ जैसे कई प्रदेशों में बड़ा प्रभाव रहता था। लेकिन अब धीरे-धीरे बसपा सिमटने लगी है। बसपा से जीते हुए बहुत से सांसद, विधायक दल बदल कर दूसरे दलों में शामिल हो जाते हैं। जिससे बसपा दिनोंदिन कमजोर होने लगी है। राजस्थान विधानसभा के 2008 व 2018 के चुनाव में बसपा से 6-6 विधायक चुनाव जीते थे। मगर दोनों ही बार सभी विधायकों ने कांग्रेस में विलय कर गहलोत सरकार में मंत्री व अन्य लाभकारी पदों को हासिल कर लिया था। कभी बसपा में कैडर पार्टी का मुख्य आधार होता था। मगर आज पार्टी में कैडर नाम मात्र का भी नहीं बचा है। पार्टी के अधिकांश बड़े पदों पर पुराने नेताओं के स्थान पर दलबदलुओं का कब्जा हो गया है। बहुजन समाज पार्टी की सुप्रीमो मायावती का अकेले चलो की सोच ने पार्टी को रसातल में पहुंचा दिया है। मायावती ना तो केन्द्र में सत्तारुढ़ भाजपा के साथ जाना चाहती है और ना ही इंडिया गठबंधन में शामिल होना चाहती है। ऐसे में एकला चलो की नीति बसपा के लिए आत्मघाती साबित हो रही है। बसपा सुप्रीमो मायावतीने अपने भतीजे आकाश आनंद को विधिवत अपना राजनीतिक उत्तराधिकारी घोषित कर दिया है ताकि पार्टी को एक युवा नेता मिल सके। अब आगे उत्तर प्रदेश व उत्तराखंड कि राजनीति स्वयं मायावती देखेंगी बाकी के प्रदेशों में संगठन का काम आकाश आनंद संभालेंगे। यदि मायावती को अपनी पार्टी का राजनीतिक अस्तित्व बचाना है तो उन्हें भाजपा नीत एनडीए या कांग्रेस नीत इंडिया गठबंधन में से किसी एक का साथ भी लेना होगा। बिना किसी गठबंधन में शामिल हुए बसपा का जनाधार बचना मुश्किल लग रहा है। केंद्र सरकार के विरोधी इंडिया गठबंधन में शामिल अधिकांश दलों के नेता भी चाहते हैं कि मायावती उनके गठबंधन में शामिल होकर भाजपा के खिलाफ विपक्ष की एकता को मजबूत करें। अब इस बात का फैसला तो खुद मायावती को ही करना है कि वह किसी गठबंधन में शामिल होंगी या फिर अपना एकला चलो का राग ही अलापती रहेंगी।

दृष्टि कोण

पड़ोसी पर्यटन स्थलों में भारतीय पर्यटकों को लुभाने की होड़, हम विदेशी पर्यटकों को कैसे आकर्षित करें?

इस समय दुनिया के पर्यटन प्रधान देशों और भारत के पड़ोसी पर्यटन स्थलों में भारतीय पर्यटकों को लुभाने की होड़ लगी हुई है। जहां एक ओर विदेशी पर्यटकों के कदम भारत की ओर धीमी गति से बढ़ रहे हैं, वहीं भारतीय पर्यटक विदेश में पर्यटन के लिए छलांगे लगाकर बढ़ रहे हैं। हाल ही में बीते चार दिसंबर को सरकार ने लोकसभा में बताया कि पिछले वर्ष भारत यात्रा पर आए विदेशी पर्यटकों की संख्या 85.9 लाख थी, जबकि करीब दो करोड़ भारतीय पर्यटकों ने देश से बाहर भ्रमण किया। विदेशी पर्यटन से जुड़ी दुनिया की प्रमुख एजेंसी बर्नस्टीन की रिपोर्ट-2023 के मुताबिक, 2019 में भारतीयों ने विदेश यात्राओं में करीब 38 अरब डॉलर खर्च किए थे और दुनिया में विदेशी पर्यटन के रूप में भारत का 10वां स्थान था, जबकि इस मामले में वर्ष 2027 तक हम दुनिया में पांचवें स्थान पर होंगे। दरअसल, इस समय भारतीयों द्वारा विदेश में बढ़ते हुए पर्यटन के लिए जो प्रमुख कारण दिखाई दे रहे हैं, उनमें

मध्य वर्ग की तेजी से बढ़ती क्रय शक्ति व भारतीयों में विदेश यात्रा की बढ़ती ललक शामिल है। हाल ही में श्रीलंका, थाईलैंड और मलयेशिया ने अपने पर्यटन उद्योग एवं विदेशी मुद्रा की कमाई बढ़ाने के मद्देनजर यहां के पर्यटकों को तेजी से आकर्षित करने के लिए वीजा मुक्त प्रवेश की पहल की है। वहीं ऑस्ट्रेलिया और रूस ने भी वीजा संबंधित प्रक्रियाएं सरल बना दी हैं और अधिक से अधिक पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए ई-वीजा की शुरुआत की है। गौरतलब है कि यूरोपीय संघ और अमेरिका के वीजा के लिए प्रतीक्षा अवधि लंबी होने से दक्षिण-पूर्व एशियाई देश विदेशी मुद्रा की कमाई के वास्ते भारतीय पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए नए सिरे से प्रयास कर रहे हैं। भारतीयों का विदेश यात्रा की ओर तेजी से बढ़ता रुझान घरेलू पर्यटन के लिए एक बड़ा नुकसान है और विदेशी मुद्रा कोष घटाने वाला भी है। अब भी दुनिया के कुल विदेशी पर्यटकों का दो फीसदी से भी कम हिस्सा ही भारत के खाते में आ रहा है। दुनिया में सबसे अधिक विदेशी पर्यटक मुख्यतः फ्रांस, स्पेन, अमेरिका, चीन और इटली जाते हैं। भारत के कई ऐसे आकर्षक पर्यटन केंद्र हैं, जो इसे विदेशी पर्यटकों की संख्या के मद्देनजर प्रमुख पर्यटन प्रधान देशों में स्थान दिला सकते हैं। देश में यूनेस्को धरोहर स्थलों की कोई कमी नहीं है। भारत की संस्कृति, संगीत, हस्तकला, खानपान से लेकर नैसर्गिक सुंदरता हमेशा से विदेशी पर्यटकों को आकर्षित करती रही हैं। इसमें कोई दो मत नहीं हैं कि पिछले एक दशक में देश में विदेशी पर्यटकों के अनुभव को बेहतर बनाने के लिए पर्यटन के व्यापक बुनियादी ढांचे और अन्य पर्यटन सुविधाओं को नई वैश्विक पर्यटन सोच के साथ आकार दिया गया है। पर्यटन बजट में लगातार वृद्धि की गई है। चालू वित्त वर्ष 2023-24 के केंद्रीय बजट में पर्यटन के लिए 2,400 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। पिछले वर्ष की तुलना में यह राशि 18.24 प्रतिशत अधिक है। खास बात यह भी है कि इस वर्ष जी-20 की अध्यक्षता के दौरान जी-20 के कार्यसमूह की 80 से अधिक विभिन्न बैठकों में हिस्सा लेने भारत आए विदेशी मेहमानों को देश के पर्यटक स्थलों का भ्रमण करवाकर भारत के बेजोड़ पर्यटन केंद्रों के वैश्विक प्रचार-प्रसार के अभूतपूर्व मौके का पूरा फायदा सरकार ने उठाया है। इन सबके साथ-साथ मजबूत सरकार और दुनिया भर में बढ़ती हुई आर्थिक और राजनीतिक प्रतिष्ठा के कारण अब भारत में विदेशी पर्यटकों के कदम बढ़ने की नई संभावनाएं दिखाई दे रही हैं।

कुछ अलग

समय पर न्याय देने का हो प्रयास

भारत के लोकतंत्र के पवित्रतम स्थान संसद ने अपने ऐतिहासिक भवन से नयी इमारत में स्थानांतरण के साथ उस परिवर्तनकारी विषय को रेखांकित किया, जो केंद्र में भाजपा के आने को चिह्नित करता है। पुरानी इमारत का अपना इतिहास, भावना और कहानी है। जैसा कि केंद्रीय मंत्री डॉ जितेंद्र सिंह ने कहा, 'यहां तक कि उस इमारत की ईंटों और दीवारों पर भी ब्रिटिश काल से लेकर आजादी के बाद भारत के 15 प्रधानमंत्रियों के कार्यकाल तक की कहानियां और किस्से थे, यह हमेशा अमर रहेगी।' इस स्थान को 'संविधान भवन' का उचित नाम दिया गया है, क्योंकि स्वतंत्र भारत का संविधान यहीं प्रस्तुत किया गया था, उस पर बहस की गयी थी और उसे अपनाया गया था। इस परिवर्तन के साथ हमें मूल वादों पर फिर से विचार करना चाहिए। संविधान की प्रस्तावना में अन्य बातों के साथ-साथ कहा गया है कि हम भारत के लोग, अपने सभी नागरिकों के सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय सुनिश्चित करने का गंभीर संकल्प लेते है। इस वर्ष चार अप्रैल को जारी तीसरी भारतीय न्याय रिपोर्ट में बताया गया है कि दिसंबर 2020 तक उच्च न्यायालयों और जिला न्यायालयों में कुल 4.19 करोड़ मामले लंबित थे। इनमें से लगभग 1.190 लाख मामले 30 वर्षों से और 56 लाख मामले 10 वर्षों से अधिक समय से लंबित थे। जेलों में बंद कैदियों में से 77 प्रतिशत विचाराधीन कैदी हैं, जो सुनवाई की प्रतीक्षा में हैं। वर्ष 2021 में 88,725 विचाराधीन कैदियों ने हिरासत में औसतन एक से तीन साल बिताया था, वहीं 24,033 से अधिक विचाराधीन कैदियों ने औसतन पांच साल और 11,049 कैदियों ने औसतन पांच साल से अधिक समय जेलों में काटा था। दो अगस्त, 2022 तक सर्वोच्च न्यायालय में कुल 71,411 (56,365 दीवानी और 15,076 आपराधिक) मामले लंबित थे। यह न्याय न मिलने की चिंताजनक तस्वीर है। इसे कहने का सबसे सरल तरीका है कि 'न्याय में देरी, न्याय न मिलने के बराबर है।' मैग्ना कार्टा की धारा 40 में लिखा है, 'हम किसी को भी न्याय के अधिकार से वंचित नहीं करेंगे या इसमें देरी नहीं करेंगे।' वर्ष 1948 में अपनायी गयी मानवाधिकारों की सार्वभौम घोषणा भी न्याय के अधिकार की गारंटी देती है। अत्यधिक देरी के गंभीर दीर्घकालिक परिणाम होते हैं। धीरे-धीरे यह न्याय प्रणाली में विश्वास को खत्म कर देती है। क्रमिक सरकारों ने फास्ट ट्रैक अदालतें, विशेष न्यायाधिकरण, उपभोक्ता अदालतें, लोक अदालत आदि स्थापित करने जैसे कदम उठाये हैं। देरी के कारणों की भी पहचान की गयी है, जैसे सरकार सबसे बड़ी वादी है, अपर्याप्त बजट, जनसंख्या के मुकाबले न्यायाधीशों का कम अनुपात, क्षमता और प्रतिबद्धता की कमी, स्थगन का सामान्य प्रक्रिया बनना, लंबी न्यायिक प्रक्रिया, कार्य संस्कृति आदि। एक विशेष बुनियादी ढांचा निगम, न्याय प्रशासन की निगरानी और प्रशासनिक सुधार करने के लिए एक अलग प्राधिकरण की स्थापना, प्रशासनिक और न्यायिक कार्यों को अलग करना, सरकार के साथ सहयोग और समन्वय आदि जैसे सुझाव दिये गये हैं। हालांकि आम वादी को न्याय अभी भी भ्रामक और अप्राप्य लगता है। किसी ऐसे व्यक्ति से मिलें, जो सुनवाई के लिए पांच साल से अधिक समय से इंतजार कर रहा है, उसके जीवन और स्वतंत्रता पर गंभीर प्रभाव का दर्द चेहरे पर स्पष्ट रूप से दिखेगा। यह कहने की आवश्यकता नहीं है कि इस प्रकार पीड़ित होने वाले बड़ी संख्या में लोग गरीब और कई तरह से वंचित लोग हैं। लेकिन न्याय में देरी कुछ लोगों के लिए आर्थिक रूप से लाभदायक है।

देश दुनीया से

संसद में छोड़े गये 'पीले रंग' में छिपे 'काले उद्देश्य' का पता लगाना बेहद जरूरी है

केंद्र सरकार इस अधूरी घटना को हल्के में कतई न ले। नहीं, तो पीले रंग में छिपी ये संदेशवाहक घटना कभी भी पूर्ण घटना में तब्दील हो सकती है। इतना सतर्क हो जाना चाहिए कि दुश्मन घात लगाए बैठा है इसलिए अभी से इस तस्वीर को गंभीरता से लेने की आवश्कता है। आरोपियों की बुनी साजिश की जड़ तक घुसना होगा? उनका मकसद दहशत फैलाना मात्र था या कुछ और? फिलहाल ऐसे तमाम सवाल खड़े हो चुके हैं। पर, अव्वल तो इस घटना को घोर लापरवाही और सुरक्षातंत्र की नाकामी ही कहेंगे।

भारतीय संसद के अंदर शायद कुछ बहुत बड़ा होना मुकर्रर था क्योंकि 22 बरस पहले आतंकवादियों द्वारा दिया एक नासूर जख्म जो प्रत्येक 13 दिसबंर की तारीख के दिन याद करके हरा हो जाता है। खैर, गनीमत ये समझें कि संभावित घटना 'पीले रंग' तक ही सीमित रही, वरना कुछ 'काला' भी हो सकता था। 13 तारीख वैसे भी संसदीय परंपरा के लिए 'काली तारीख' ही है। केंद्र सरकार इस अधूरी घटना को हल्के में कतई न ले। नहीं, तो पीले रंग में छिपी ये संदेशवाहक घटना कभी भी पूर्ण घटना में तब्दील हो सकती है। इतना सतर्क हो जाना चाहिए कि दुश्मन घात लगाए बैठा है इसलिए अभी से इस तस्वीर को गंभीरता से लेने की आवश्कता है। आरोपियों की बुनी साजिश की जड़ तक घुसना होगा? उनका मकसद दहशत फैलाना मात्र था या कुछ और? फिलहाल ऐसे तमाम सवाल खड़े हो चुके हैं। पर, अव्वल तो इस घटना को घोर लापरवाही और सुरक्षातंत्र की नाकामी ही कहेंगे। चाकचौबंद सुरक्षा-व्यवस्था से कहां चूक हुई, इसकी भी समीक्षा किए जाने की जरूरत है। बहरहाल, संसद तो नई-नवेली है, जिसे अत्याधुनिक सुरक्षा तकनीकों से लैस बताया जाता है। लेकिन घटना जिस अंदाज में घटी उससे साफ पता चलता है कि साजिश की तासीर कुछ और थी। आरोपी सामान्य हैं या असामान्य प्रवृत्ति के, ये तो जांच के बाद ही पता चल पाएगा। पर, लोग अंदेशा ऐसा भी लगा रहे हैं कि कहीं 22 साल पहले 13 दिसंबर को जो घटना संसद में घटी थी ये उसकी पुनरावृत्ति तो नहीं? या फिर उसका पार्ट-2 की चेतावनी है। इस लापरवाही की जवाबदेही किसकी हो, ये बिना देर किए सुनिश्चित हो। एक थ्योरी ये समझ में नहीं आती कि आखिर शीतकालीन सत्र को चले कई दिन हो चुके हैं। पर, हरकत संसद हमले की बरसी के दिन ही क्यों होती है? अचंभित कर देने वाली बात एक ये भी है कि आरोपियों ने भगत सिंह के स्टाइल को क्यों कॉपी किया? पीला धुंआ फैलाकर, नारे लगाना, तानाशाही से मुक्ति मिले? आखिर ये सब किस ओर इशारा करता है। कौन है घटना के पीछे, उसे सामने लाना ही होगा और आरोपी ने जो तानाशाही से आजादी के नारे लगाए हैं उसके निहितार्थ भी सार्वजनिक होने चाहिए। आरोपियों का हमले की बरसी के दिन 'संसद अटैक-2' का संदेश देना निश्चित रूप से बेचैन करता है। पीले रंग में छिपे काले संदेश को समझा होगा। दुश्मन अंदरूनी है या बाहरी? उन्हें खींचकर बाहर निकालना होगा। प्रतीत ऐसा होता है कि आरोपी सिर्फ मोहरा मात्र हैं। मास्टर माइंड कोई और ही है? जब से नई संसद में सत्र और संसदीय कार्य शुरू हुए हैं। संसद सदस्य अपनी सुरक्षा के प्रति निश्चित और बेखबर हैं। क्योंकि संसद की सुरक्षा सेफ्टी मानकों के लिहाज से अत्याधुनिक बताई जाती है। संसद की एक-एक ईंट और चप्पे-चप्पे पर सुरक्षा पहरा बिछा हुआ है। खुदा न खास्ता इंसानी सुरक्षा तंत्र से अगर कोई चूक भी हो जाए, तो पूरी बिल्डिंग तीसरी आंख यानी सीसीटीवी कैमरों से लैस है। कोई संदिग्ध क्या, परिंदा भी पर नहीं मार सकता। पर, अब इन मौखिक और कागजी सुरक्षा व्यवस्था पर संसद सदस्यों को एतबार नहीं रहा। क्योंकि उन सभी को धता बताते हुए आरोपी विजिटर बनकर आसानी से भीतर घुस गए और अपने मंसूबों को अंजाम दे दिया। गनीमत ये समझें कि घटना के दौरान आरोपियों के हाथ में सिर्फ 'स्मोक बम' ही थे, अगर असलहा-वगैरह होता तो वो इस्तेमाल भी कर सकते थे। क्योंकि जब वो सुरक्षा तंत्र की आंखों में धूल झोंककर आपत्तिजनक वस्तुएं अंदर ले जा सकते हैं तो बंदूक-बारूद क्यों नहीं? इसलिए घटना को सबसे पहले सुरक्षा चूक ही कहेंगे। जबरदस्त सुरक्षा पहरे को बेवकूफ बनाकर 'स्मोक बम' फेंककर संसद के भीतर आरोपी अफरा-तरफी मचा देते हैं। बकायदा विजिटर बनकर संसद की कार्यवाही देखने पहुंचते हैं। दर्शक दीर्घा में करीब चार-पांच घंटे बिताते हैं और लंच से पहले अचानक छलांग लगाकर सांसदों की कुर्सियों तक जाते हैं। पीले रंग का 'स्मोक बम' फोड़ देते हैं। 'तानाशाही से आजादी' जैसे नारे लगाते हैं। ये पूरा वाकया तकरीबन चालीस से पैंतालीस मिनट तला। सुरक्षाकर्मियों के पहुंचने से पहले दो सांसद हनुमान बेनीवाल और मलूक नागर हिम्मत दिखाकर उन्हें दबोचते हैं और उन्हें सुरक्षा कर्मियों के हवाले करते हैं। आरोपी मैसूर से भाजपा सांसद प्रताप सिम्हा की सिफारिश पर कार्यवाही देखने पहुंचे। वो झूठ बोल रहा है या सच? ये जानने के लिए उसका नार्को, पॉलीग्राफ और ब्रेन मैपिंग टेस्ट जरूर करवाना चाहिए। अगर कोई गहरी साजिश है भी, जैसा कि कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी दावा कर रहे हैं, तो उसे पता लगाने की दरकार है। संसद में सुबह तक सब कुछ नॉर्मल था। 22 वर्ष पूर्व हुए हमले की बरसी थी जिस पर सभी सांसदों ने शहीदों को श्रद्धांजलि दी और उसके बाद रोजाना की भांति सत्र की कार्यवाही में हिस्सा लेने जाते हैं। किसी को थोड़ा-सा भी अंदेशा नहीं था कि नई संसद में भी कोई ऐसी भी हरकत कर सकता है।

आप का नजरीया

समय पर न्याय देने का हो प्रयास

भारत के लोकतंत्र के पवित्रतम स्थान संसद ने अपने ऐतिहासिक भवन से नयी इमारत में स्थानांतरण के साथ उस परिवर्तनकारी विषय को रेखांकित किया, जो केंद्र में भाजपा के आने को चिह्नित करता है। पुरानी इमारत का अपना इतिहास, भावना और कहानी है। जैसा कि केंद्रीय मंत्री डॉ जितेंद्र सिंह ने कहा, 'यहां तक कि उस इमारत की ईंटों और दीवारों पर भी ब्रिटिश काल से लेकर आजादी के बाद भारत के 15 प्रधानमंत्रियों के कार्यकाल तक की कहानियां और किस्से थे, यह हमेशा अमर रहेगी।' इस स्थान को 'संविधान भवन' का उचित नाम दिया गया है, क्योंकि स्वतंत्र भारत का संविधान यहीं प्रस्तुत किया गया था, उस पर बहस की गयी थी और उसे अपनाया गया था। इस परिवर्तन के साथ हमें मूल वादों पर फिर से विचार करना चाहिए। संविधान की प्रस्तावना में अन्य बातों के साथ-साथ कहा गया है कि हम भारत के लोग, अपने सभी नागरिकों के सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय सुनिश्चित करने का गंभीर संकल्प लेते है। इस वर्ष चार अप्रैल को जारी तीसरी भारतीय न्याय रिपोर्ट में बताया गया है कि दिसंबर 2020 तक उच्च न्यायालयों और जिला न्यायालयों में कुल 4.19 करोड़ मामले लंबित थे। इनमें से लगभग 1.190 लाख मामले 30 वर्षों से और 56 लाख मामले 10 वर्षों से अधिक समय से लंबित थे। जेलों में बंद कैदियों में से 77 प्रतिशत विचाराधीन कैदी हैं, जो सुनवाई की प्रतीक्षा में हैं। वर्ष 2021 में 88,725 विचाराधीन कैदियों ने हिरासत में औसतन एक से तीन साल बिताया था, वहीं 24,033 से अधिक विचाराधीन कैदियों ने औसतन पांच साल और 11,049 कैदियों ने औसतन पांच साल से अधिक समय जेलों में काटा था। दो अगस्त, 2022 तक सर्वोच्च न्यायालय में कुल 71,411 (56,365 दीवानी और 15,076 आपराधिक) मामले लंबित थे। यह न्याय न मिलने की चिंताजनक तस्वीर है। इसे कहने का सबसे सरल तरीका है कि 'न्याय में देरी, न्याय न मिलने के बराबर है।' मैग्ना कार्टा की धारा 40 में लिखा है, 'हम किसी को भी न्याय के अधिकार से वंचित नहीं करेंगे या इसमें देरी नहीं करेंगे।' वर्ष 1948 में अपनायी गयी मानवाधिकारों की सार्वभौम घोषणा भी न्याय के अधिकार की गारंटी देती है। अत्यधिक देरी के गंभीर दीर्घकालिक परिणाम होते हैं। धीरे-धीरे यह न्याय प्रणाली में विश्वास को खत्म कर देती है। क्रमिक सरकारों ने फास्ट ट्रैक अदालतें, विशेष न्यायाधिकरण, उपभोक्ता अदालतें, लोक अदालत आदि स्थापित करने जैसे कदम उठाये हैं। देरी के कारणों की भी पहचान की गयी है, जैसे सरकार सबसे बड़ी वादी है, अपर्याप्त बजट, जनसंख्या के मुकाबले न्यायाधीशों का कम अनुपात, क्षमता और प्रतिबद्धता की कमी, स्थगन का सामान्य प्रक्रिया बनना, लंबी न्यायिक प्रक्रिया, कार्य संस्कृति आदि। एक विशेष बुनियादी ढांचा निगम, न्याय प्रशासन की निगरानी और प्रशासनिक सुधार करने के लिए एक अलग प्राधिकरण की स्थापना, प्रशासनिक और न्यायिक कार्यों को अलग करना, सरकार के साथ सहयोग और समन्वय आदि जैसे सुझाव दिये गये हैं।

राजस्थान के 14वें और पूर्वी राजस्थान से दूसरे मुख्यमंत्री बने भजनलाल, मोदी ने पीठ थपथपाई

जयपुर (हिंस)। पूर्वी राजस्थान के भरतपुर जिले के भजनलाल शर्मा सूबे के दूसरे मुख्यमंत्री बने हैं। उन्हें राज्यपाल कलराज मिश्र ने शुक्रवार को जयपुर के अल्बर्ट हॉल (रामनिवास बाग) के बाहर आयोजित समारोह में पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा समेत केंद्रीय मंत्री और विभिन्न राज्यों के मुख्यमंत्री व उप मुख्यमंत्री मौजूद रहे। शपथ के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उनकी पीठ थपथपाई। राजस्थान के मनोनीत मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के पिता किशन स्वरूप शर्मा ने कहा कि ये सब भगवान की लीला है। भजनलाल को राजनीति में आए हुए बहुत दिन हो गए हैं। वे सरपंच, जिला अध्यक्ष और 4 बार प्रदेश महामंत्री भी रहे हैं। भजनलाल शर्मा की मां गोमती देवी ने कहा कि जनता ने उन्हें बहुत प्यार दिया। मैं प्रधानमंत्री मोदी को धन्यवाद देना चाहती हूं। राज्य का विकास होना चाहिए। राजस्थान सीएम के शपथ ग्रहण समारोह में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा कि आज बहुत खुशी का दिन है। मैं मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को शुभकामनाएं देता हूं। लोगों ने प्रधानमंत्री मोदी की गारंटी को अपनाया है और कांग्रेस की गांरटी को ठुकराया है। राजस्थान सीएम के शपथ ग्रहण समारोह में मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा कि राजस्थान सरकार का आज गठन हुआ है। नए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा राजस्थान के विकास की नई इबारत लिखेंगे। विकास से जनता के लिए नए-नए आयाम गढ़े जाएंगे। आज मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का जन्मदिन भी है। उनके परिवार ने अपने अस्थायी ठिकाने चंबल पावर हॉउस के गेस्ट हाउस में बर्थ डे सेलिब्रेट भी किया। पहले उन्होंने गोविंद देवजी मंदिर में दर्शन किए। इसके बाद उन्होंने अपने माता-पिता के चरण धोकर उनका आशीर्वाद भी लिया। भजनलाल शर्मा ने शपथ लेने से पहले सुबह-सुबह जयपुर के आराध्य देव गोविंद देवजी मंदिर में दर्शन किए। इसके

बाद सांगानेर में गौशाला जाकर गायों की सेवा भी की। मनोनीत मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शपथ ग्रहण से पहले संत मृदुल कृष्ण शास्त्री से सरल बिहारी मंदिर में मुलाकात की। भजनलाल शर्मा का जन्म भरतपुर जिले के अटारी गांव में हुआ। ठेठ गांव से ताल्लुक रखने वाले शर्मा के पिता किशन स्वरूप शर्मा और मां गोमती देवी आज भी गांव में ही रहते हैं। शर्मा प्रारंभिक शिक्षा गांव में पूरी करने के बाद आगे की पढ़ाई करने नदबई पहुंचे। यहीं अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद से जुड़े। 10वीं कक्षा 1984 और 12वीं कक्षा 1986 में नदबई के गगवाना हाईस्कूल से पास की थी। इसके बाद बीए 1989 में एमएसजे कॉलेज भरतपुर से किया। 1993 में राजस्थान यूनिवर्सिटी से राजनीति शास्त्र से एमए किया। वर्ष 1990 में कश्मीर मार्च के दौरान उधमपुर में गिरफ्तार किए गए। 1991-92 में भाजयुमो की जिम्मेदारी मिली। श्रीराम जन्मभूमि आंदोलन के समय कारसेवक के रूप में 1992 में जेल गए। युवा मोर्चा के नदबई मंडल के अध्यक्ष बनकर भजनलाल की भाजपा में एंट्री हुई थी। वर्ष 2000 में 27 वर्ष की उम्र में अटारी सरपंच और 2010 से 2015 तक अटारी पंचायत समिति सदस्य रहे। इसके बाद भाजयुमो भरतपुर जिला मंत्री, जिला महामंत्री, तीन बार जिलाध्यक्ष बने। बाद में उन्हें भाजपा भरतपुर जिला मंत्री और बाद जिला महामंत्री बनाया गया। वर्ष 2009 से 2014 तक भरतपुर के जिलाध्यक्ष रहे। इस दौरान पूर्वी राजस्थान में संगठन और मजबूत हुआ। वर्ष 2014 में प्रदेश उपाध्यक्ष और 2016 प्रदेश महामंत्री का कार्य संभाला। भजनलाल को भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष रहे अशोक परनामी, मदन लाल सैनी, सतीश पूनिया और वर्तमान अध्यक्ष सीपी जोशी के साथ महामंत्री के रूप में काम करने का अनुभव भी है। वे लगातार चौथी बार प्रदेश के महामंत्री बनें। भजनलाल खेती और खनिज उपकरण की सप्लाई के काम से जुड़े हैं। ये उनका निजी व्यवसाय है। फिलहाल वे जयपुर के मालवीय नगर में रह रहे हैं। पत्नी गीता भी पंचायत समिति सदस्य रह चुकी हैं। बड़ा बेटा आशीष प्रतियोगी परीक्षा (आरएएस) की तैयारी कर रहा है, वहीं छोटा बेटा कुणाल डॉक्टर है। पूर्वी राजस्थान में आने वाले भरतपुर जिले से भजनलाल शर्मा दूसरे मुख्यमंत्री हैं। इनसे पहले 1980 में यानी 43 साल पहले जगन्नाथ पहाड़िया मुख्यमंत्री बने थे। समानता यह है कि दोनों की घोषणा उम्मीद से परे और अचानक हुई। पहाड़िया को इंदिरा गांधी ने मुख्यमंत्री घोषित किया था। शर्मा के मुख्यमंत्री बनने से पूर्वी राजस्थान में भाजपा और मजबूत होगी।

जनता की आवाज दबाने के लिए भाजपा ला रही मृत शरीर सम्मान विधेयक : लाल बहादुर खोवाल

हिसार (हिंस)। हरियाणा कांग्रेस लीगल डिपार्टमेंट के अध्यक्ष एडवोकेट लाल बहादुर खोवाल ने भाजपा सरकार द्वारा प्रस्तावित मृत शरीर सम्मान विधेयक 2023 के बारे में शुक्रवार को अपनी प्रतिक्रिया में कहा कि जनता की आवाज दबाने के लिए भाजपा मृत शरीर सम्मान विधेयक 2023 लागू करवाना चाहती है। लाल बहादुर खोवाल ने शुक्रवार को कहा कि इस विधेयक में प्रावधान है कि कोई भी इंसान अपनी मांगें मनवाने के लिए किसी भी व्यक्ति के शव को सड़क पर रखकर प्रदर्शन नहीं कर सकेगा। प्रदर्शन को रोकने के लिए गृह विभाग की ओर से प्रस्तावित हरियाणा मृत शरीर सम्मान विधेयक को अनिल विज की तरफ से मंजूरी मिल चुकी है। अब भाजपा इसे कानून बनाने की दिशा में आगे बढ़ रही है। इसके तहत हरियाणा में सड़क पर शव रखकर धरना व प्रदर्शन करने वालों पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। एडवोकेट खोवाल का कहना है कि असामाजिक तत्वों द्वारा किसी गरीब या असहाय का मर्डर करने पर जब न्याय नहीं मिलता तो उसके परिजन मजबूरीवश शव को रखकर प्रदर्शन करते हुए न्याय की मांग करते थे। इसी भांति चिकित्सकीय त्रुटि के कारण मौत होने पर भी न्याय के लिए परिजनों को धरना व प्रदर्शन का अधिकार था लेकिन अब इस नए विधेयक को पारित करवाकर भाजपा आम आदमी के अधिकारों पर कुठाराघात कर रही है। उन्होंने कहा कि प्रजातंत्र में अपनी जायज मांगें मनवाने के लिए धरना व प्रदर्शन का सभी को अधिकार है लेकिन इन अधिकारों की अवहेलना करते हुए भाजपा तानाशाही रवैया अपना रही है। खोवाल ने कहा ऐसा कानून बनाकर भाजपा जनता में अपना खौफ कायम करना चाहती है ताकि लोग चुपचाप अत्याचार सहन करते रहें।

नशा के सौदागर या तो धंधा छोड़ दें या फिर जिला : एसपी विक्रांत

सिरसा (हिंस)। नशे का कारोबार करने वाले अपना धंधा छोड़ दे या फिर जिला छोड़ दे। जिले में नशे का व्यापार किसी भी सूरत में फलने फूलने नहीं दिया जाएगा तथा कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। नशा समाज का सांझा दुश्मन है इसलिए सभी लोग नशे के खिलाफ चलाए जा रहे जन आंदोलन में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं। नशा स्वस्थ समाज के लिए एक गंभीर चुनौती है। इस चुनौती से निपटने के लिए समाज के प्रत्येक वर्ग को आगे आकर नशे के खिलाफ चलाए जा रहे, जनआंदोलन में अग्रणी भूमिका निभानी होगी। नशा तस्करों का सामाजिक बहिष्कार होना चाहिए तथा समाज का कोई भी व्यक्ति उनकी पैरवी न करें। यह बात जिला के पुलिस अधीक्षक विक्रांत भूषण ने शमशाबाद पट्टी क्षेत्र में आयोजित जागरूकता कार्यक्रम में कही। उन्होंने कहा कि जिला पुलिस अपने स्तर पर नशे के खिलाफ लगातार अभियान चलाए हुए हैं, परंतु इस अभियान की संपूर्ण सफलता के लिए जन सहयोग अति आवश्यक है। उन्होंने कहा कि नशा बेचने वालों की असली जगह जेल में है, इसलिए नशे का कारोबार करने वालों की सूचना निःसंकोच होकर पुलिस को दें, पुलिस प्रशासन की ओर से कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि मां-बाप अपने बच्चों की दैनिक गतिविधियों पर पैनी नजर

रखें तथा अपने बच्चों को नशे से दूर रहकर शिक्षा तथा खेलकूद की गतिविधियों में निरंतर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करें। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि नशे के खिलाफ चलाए जा रहे जागरूकता अभियान के तहत सभी गांवों में युवाओं को खेल गतिविधियों से जोड़ने के लिए विभिन्न खेल प्रतियोगिताएं कराई जा रही है। पुलिस जवानों तथा शमशाबाद पट्टी तथा आसपास क्षेत्र के युवाओं के बीच क्रिकेट, कबड्डी, रस्सा- कस्सी तथा मैराथन दौड़ का आयोजन करवाया गया। इस अवसर पर शहर थाना प्रभारी इंस्पेक्टर प्रदीप कुमार, महिला थाना प्रभारी इंस्पेक्टर मंजू सिंह, शमशाबाद पट्टी ग्राम पंचायत के सरपंच राणारण दीप सिंह तथा पार्षद सुनील, महावीर, रोहतास व इंद्रोश गुर्जर भी मौजूद रहे।

25 कालोनियों को वैध घोषित करने पर विधायक गोपाल कांडा ने सीएम का जताया आभार

सिरसा (हिंस)। सरकार की ओर से प्रदेश में अवैध कालोनियों को वैध किया जा रहा है, मुख्यमंत्री मनोहरलाल ने गुरुवार को सिरसा नगर परिषद क्षेत्र की 25 और बाहरी क्षेत्र की 5 कालोनियों को वैध करने की घोषणा की है। जिसके लिए सिरसा के विधायक, पूर्व गृह राज्य मंत्री एवं हलोपा सुप्रीमो गोपाल कांडा और उनके अनुज वरिष्ठ भाजपा नेता गोबिंद कांडा ने मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया है। अब इन कालोनीवासियों को सभी मूलभूत सुविधाएं मिल सकेंगी साथ ही प्रोपर्टी की रजिस्ट्री हो सकेगी और प्रोपर्टी का इंतकाल भी हो सकेगा। गौरतलब है कि विधायक गोपाल कांडा ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर नगर परिषद क्षेत्र और बाहरी क्षेत्र की 38 कालोनियों को वैध करने की सिफारिश की थी। बाद में जिला नगर योजनाकार विभाग सर्वे कर रिपोर्ट सरकार को भेजी थी।

राम लला की प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव : पीले चावल से निमंत्रण के साथ घर-घर लगाया जाएगा भगवा ध्वज

जयपुर (हिंस)। अयोध्या धाम में श्रीराम मंदिर में भगवान राम लला की प्राण -प्रतिष्ठा समारोह देशभर में महोत्सव की तहर मनाया जाएगा। जिसके लिए विश्व हिंदू परिषद जोर-शोर से तैयारियां करने में जुटा हुआ है। विश्व हिंदू परिषद अयोध्या में पहुंचने के लिए घर-घर पीले चावल वितरण करने के साथ ही भगवा ध्वज लगाऐगा। विश्व हिंदू परिषद और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ राजस्थान के गांव -गांव में दस्तक देने जा रहा है। संघ के कार्यकर्ता घर-घर जाकर 500 साला के संघर्ष की गाथा सुनाएंगे, तो वहीं 22 जनवरी को राम लला की प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव को दीपावली मनाने का आग्रह करेंगे। विश्व हिंदू परिषद कार्यालय में श्रीराम मंदिर प्राण -प्रतिष्ठा समारोह को लेकर लगाता बैठकें की जा रहीं है। विहिप के समयदानी कार्यकर्ता गांव और मोहल्ले में रहकर अभियान चलाएंगे। हर तहसील में बैठकें होंगी। घर-घर भगवा ध्वज लगाया जाएगा। लोगों को आमंत्रित करने के लिए पीले चावल देने का कार्य भी शुरू हो गया है। बड़ी संख्या में प्रदेश से संत प्राण-प्रतिष्ठा समारोह में शामिल होने के लिए अयोध्या जाएंगे। सेवा भारती मेरी बस्ती मेरी अयोध्या का नारा देकर बस्तियों को राममय करेगी। विहिप के क्षेत्रीय संगठन मंत्री राजाराम ने बताया कि श्री राम जन्मभूमि मंदिर के लिए सतत् 500 वर्ष तक संघर्ष चला। रामलला की प्राण

प्रतिष्ठा भारतीय स्वाभिमान और गौरव की पुनर्स्थापना है। राममंदिर राष्ट्रमंदिर के भाव का प्रतीक भी है। जन-जन के मन में प्रभु श्रीराम के प्रति जो आस्था है, उसके प्रकटीकरण का अवसर है। इसलिए प्राण प्रतिष्ठा वाले दिन गांव और मोहल्लों में प्रभात फेरी निकालें। सुबह घरों में रंगोली बनाकर वंदनवार लगाएं। महोत्सव के दौरान दोपहर 11 से 1 बजे तक कॉलोनी के मंदिर में भजन-कीर्तन करें। टीवी स्क्रीन लगाकर समाज को दिखाएं। मंदिरों में सामूहिक जाप, हनुमान चालीसा और सुंदरकांड पाठ किया जाए। दीपावली की तरह घर पर दीपक लगाने के साथ लाइटिंग की जाए।

डीजीपी ने सिख विरोधी दंगे के दौरान झारखंड में दर्ज मामलों की समीक्षा की

रांची (हिंस)। राज्य के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) अजय कुमार सिंह ने शुक्रवार को पुलिस मुख्यालय में 1984 सिख विरोधी दंगा को लेकर झारखंड के विभिन्न जिलों में दर्ज मामले की समीक्षा की। वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से डीजीपी ने समीक्षा की। इसमें रांची, जमशेदपुर, धनबाद एसएसपी, बोकारो, रामगढ़, हजारीबाग, सरायकेला-खरसावां, गढ़वा, पलामू, गिरीडीह, कोडरमा और धनबाद रेल एसपी सहित अन्य ने भाग लिया। झारखंड हाई कोर्ट के निर्देश के बाद पुलिस मुख्यालय गंभीर है। समीक्षा के दौरान सिख दंगों से जुड़े करीब 350 दर्ज प्राथमिकी की वर्तमान स्थिति की जानकारी ली गई। डीजीपी ने मामले में चल रहे अनुसंधान और ट्रायल की भी जानकारी ली। उल्लेखनीय है कि वर्ष 1984 के सिख दंगा में झारखंड में प्रभावित लोगों को मुआवजा दिलाने और सिख दंगा से संबंधित क्रिमिनल केस की मॉनिटरिंग करने को लेकर दायर सतनाम सिंह गंभीर की ओर से झारखंड हाई कोर्ट में जनहित याचिका दायर की गई थी।

योगी सरकार की प्रभावी पैरवी से माफिया मुख्तार अंसारी को लगा बड़ा झटका

वाराणसी (हिंस)। योगी सरकार की अपराधियों के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति और कोर्ट में प्रभावी पैरवी से एक बार फिर शुक्रवार को माफिया मुख्तार अंसारी को बड़ा झटका लगा है। वाराणसी की एमपी/एमएलए कोर्ट ने माफिया मुख्तार अंसारी को कोयला व्यवसायी की हत्या के गवाह को धमकाने के मामले में साढ़े पांच साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। इसके साथ ही दस हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया गया है। मालूम हो कि इससे पहले अवधेश राय की हत्या में भी माफिया मुख्तार अंसारी को सबसे बड़ी सजा उम्रकैद की सुनाई जा चुकी है। मुख्तार अंसारी को अब तक कुल सात मामलों में सजा सुनाई जा चुकी है। एमपी/एमएलए कोर्ट वाराणसी ने कोयला व्यवसायी नंद किशोर रुंगटा की हत्या के गवाह महावीर प्रसाद रुंगटा को धमकाने के मामले में मुख्तार अंसारी को दोषी पाया। वाराणसी की एमपी/एमएलए कोर्ट में शुकवार को हुई सुनवाई में मुख्तार अंसारी के खिलाफ सभी आरोप सही साबित हुए।

केंद्रीय मंत्री गिरिराज ने जदयू की बनारस रैली रद्द होने पर कसा तंज

पटना (बिहार)(हिंस)। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की 24 दिसंबर को वाराणसी में प्रस्तावित रैली रद्द होने पर तंज कसा है। उन्होंने शुक्रवार को कहा कि गांव की एक कहावत है, रोने का मन हुआ तो आंख में गड़ी खूंटी। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का भी यही हाल है। इनको आदमी तो बनारस में जुटता नहीं है। इसलिए रैली को रद्द कर दिया। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की 24 दिसंबर को वाराणसी में रैली प्रस्तावित थी लेकिन जदयू ने आरोप लगाया कि यूपी की भाजपा सरकार के दबाव में कॉलेज प्रशासन ने उन्हें जगह नहीं दी। इसी करण रैली रद्द हुई है। अब गिरिराज ने जदयू के दावों को हास्यास्पद बताते हुए नीतीश कुमार पर घोड़ा के साथ-साथ बेंग (मेढक) के पैर में नाल ठोकना चरितार्थ होने की बात कही है। बिहार में अडानी समूह के निवेश प्रस्तावों पर गिरिराज ने तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि राहुल गांधी और इंडी गठबंधन की बचकानी हरकत है कि वे अडानी पर आरोप लगाते हैं। राजस्थान में जब अशोक गहलोत की सरकार थी तब अडानी ने वहां 60 हजार करोड़ का निवेश किया। छत्तीसगढ़ में बघेल सरकार थी तो 50 हजार करोड़ रुपए से ऊपर का निवेश हुआ। यह इन्वेस्टमेंट ले रहे हैं वहां अडानी नहीं दिख रहा है जब अडानी को गाली देना तो पीएम मोदी पर निशाना साधते हैं। पीएम मोदी के खिलाफ में उनके पास कुछ नहीं है। इसलिए मोदी के खिलाफ में नए-नए टूल किट लाते हैं ताकी उन्हें बदनाम किया जा सके।

नवादा में गंगाजल आपूर्ति योजना का सीएम ने किया लोकार्पण

पटना (हिंस)। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने नवादा में शुक्रवार को गंगाजल की आपूर्ति के लिए हुए कार्यों का लोकार्पण किया। गंगा उद्भव योजना के तहत बिहार के जल संकट से जूझते जिलों में गंगा जल आपूर्ति करने की योजना का एक और चरण सफल हो गया है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का भगिरथी प्रयास अब नवादा में भी साकार हो गया है। सीएम नीतीश ने नवादा में गंगा जल आपूर्ति योजना का लोकार्पण किया। कभी पानी के संकट से जूझने वाले नवादा में अब लोगों के घरों तक गंगा जल की आपूर्ति शुरू हो गई है। लोकार्पण के लिए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार नवादा जिले के पौरा गांव आज पहुंचे। उन्होंने गांव स्थित नव निंमित शोधित जलसंयंत्र परिसर में गंगा जल आपूर्ति योजना का लोकार्पण किया। इसके साथ ही नवादा नगर को एक बड़ी सौगात दी। नगर के 17 वार्डों के 13 हजार 965 घरों में प्रतिदिन गंगा जल की आपूर्ति घरेलू कार्यों के लिए कर दी गई है। मौके पर जल संसाधन मंत्री संजय कुमार झा और उद्योग मंत्री सह जिला प्रभारी मंत्री समीर कुमार महासेठ उपस्थित रहे। पटना जिले में मोकामा के हाथीदह से पाइप लाइन के जरिए राजगीर के समीप पहले गंगा जल को लाया गया है। यहां से नवादा जिले के नारदीगंज प्रखंड मोतनाजे गांव स्थित डिटेंशन कैंप तक गंगा जल लाया गया। इसके बाद 20 किलोमीटर की दूरी तय करते हुए नवादा के पौरा गांव स्थित शोधित जल संयंत्र तक गंगा का पानी लाया गया।

गलत नीतियों और उपेक्षा से किसान बेहाल : अखिलेश

कन्नौज (हिंस)। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा सरकार की गलत नीतियों और उपेक्षा से किसान बेहाल है। किसानों के लिए खेती घाटे का सौदा बनकर रह गयी है। धान, गन्ना, गेहूं, मूंगफली, आलू सभी फसलों के किसान परेशान है। बढ़ती महंगाई के चलते किसानों को फसलों का लागत मूल्य भी नहीं मिल रहा है। यह बातें सपा अध्यक्ष ने शुक्रवार को कन्नौज पहुंचने पर पत्रकारों से कही। सपा अध्यक्ष ने कहा कि भाजपा सरकार ने

किसानों की आय दुगुना करने का वादा किया था लेकिन उसका वादा झूठ और हवाई साबित हुआ। भाजपा की केंद्र और प्रदेश की सरकार अब किसानों की बात भी नहीं करती है। किसानों का धान नहीं खरीदा गया। खरीद केंद्रों पर लंबी-लंबी लाइने है। हजारों किसान कई-कई दिनों से इस सर्दी में परेशान है। खरीद केंद्रों पर कोई इंतजाम नहीं है। कई खरीद केंद्र तो खुले ही नहीं। उन्होंने कहा कि इसी तरह से मूंगफली किसान संकट से गुजर रहे हैं। क्रय केंद्र मूंगफली किसानों का बकाया भुगतान नहीं कर रहे हैं। भुगतान के लिए किसान क्रय केंद्रों के चक्कर काटने पर मजबूर है। भाजपा सरकार में गन्ना किसान तो पूरी तरह भगवान भरोसे है। भाजपा सरकार ने गन्ना किसानों को धोखा दिया। पिछले दो सालों से गन्ना का मूल्य नहीं बढ़ाया गया। गन्ने की खेती की लागत बढ़ रही है। गन्ना किसानों को नुकसान हो रहा है। लेकिन सरकार को उनकी कोई चिंता नहीं है। गन्ना किसानों का हजारों करोड़ रुपए चीनी मिलों पर बकाया है। सरकार के साथ मिली भगत कर चीनी मिले किसानों का पैसा दबाए बैठी है। अखिलेश यादव ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार किसानों की नहीं बड़े पूंजीपतियों की हमदर्द है। भाजपा सरकार को कम्पनियों के बिचौलियों के मुनाफे की फिक्र है।

बिहार के नालंदा में ट्रैक्टर के पलटने से चालक समेत तीन की मौत

पटना (हिंस)। बिहार में नालंदा जिले के चंडी थाना इलाके के बेलधना गौड़ापर गांव के समीप शुक्रवार सुबह ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर खाई में पलट गई। जिससे दबकर चालक समेत की तीन मौके पर ही मौत हो गई। चंडी थाना इलाके के सलेहपुर मोड़ के पास ट्रैक्टर सड़क किनारे करीब 15 फीट गड्ढे में अनियंत्रित होकर पलट गयी। ट्रैक्टर पर ईंट लदा हुआ था। चालक तेज रफ्तार में जा रहा था। ट्रैक्टर के पलटने से इसमें दबकर तीन लोगों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। स्थानीय लोगों की नजर पड़ी तो पुलिस को सूचना दी गई। मृतकों में अभी तक सिर्फ चालक की पहचान हुई है। चालक मानपुर थाना क्षेत्र के पेड़का निवासी रामाधीन यादव का 32 वर्षीय पुत्र मुकेश कुमार है। जबकि दो अन्य की पहचान नहीं हो सकी है। परिजनों ने बताया जाता है कि मानपुर से ईट लोडकर पटना बेचने जा रहा था। इसी बीच सरमेरा बिहटा पथ गौढापर गांव के समीप दूसरे वाहन के चकमा देने पर अनियंत्रित होकर 20 फीट गड्ढे में पलट गई।

गांव की अर्थव्यवस्था को मजबूत करना सरकार की प्राथमिकता : हेमंत सोरेन

खूंटी (हिंस)। राज्य गठन के दो दशक बाद भी राज्य की जनता समस्याओं के समाधान के लिए भटक रही थी। उनकी सरकार ने जनता की समस्याओं के समाधान का संकल्प लिया है, इसी संकल्प के तहत सरकार घर-घर जाकर जन समस्याओं का त्वरित निदान कर रही है। हमने चुनाव के दौरान ही कह दिया था कि योजनाएं रांची में बैठ कर नहीं, बल्कि घर-घर जाकर बनाई जाएगी। आज हम राज्य सरकार अपना वादा पूरा कर रही है। ये बातें राज्य के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कही। मुख्यमंत्री शुक्रवार को खूंटी कचहरी मैदान में आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि जब तक गांव मजबूत नहीं होते, तब तक राज्य मजबूत नहीं हो सकता। इसी सोच के तहत ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करना उनकी सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि राज्य गठन के 20 वर्षों तक कभी भी किसी अधिकारी को गांव में जाकर ग्रामीणों की समस्याओं को सुनते किसी ने न तो कभी देखा था और न ही सुना था। उनकी सरकार ने कार्य योजनाओं की गठरी बांधकर पंचायत पंचायत में शिविर लगाकर योजनाओं को आप तक पहुंचाने का कार्य कर रही है। जब तक मेरे नेतृत्व में सरकार चल रही है, तब तक सरकार के पदाधिकारी और कर्मी आपके द्वार पर आपकी समस्याओं के समाधान के लिए खड़े रहेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड आज देश में सबसे गरीब राज्य है, लेकिन राज्य गठन के समय यह स्थिति नहीं थी। उस समय राज्य का बजट सरप्लस था। 20 वर्षों तक राज्य में राज करने वाले विपक्षियों

की सरकार ने राज्य को जमकर लूटा और राज्य के खजाना को खाली कर दिया। हम झारखंड को सशक्त राज्य की श्रेणी में खड़ा करने की सोच के तहत अपनी नीतियां और योजनाएं बना रहे हैं और पूरी ताकत के साथ उसे धरातल पर उतार रहे हैं। उन्होंने कहा कि बेटियां अब बोझ नहीं बनेगी। घर में जितनी बेटियां है, सभी को सावित्रीबाई फुले योजना का लाभ मिलेगा। पहले 80-90 साल के बुजुर्गो को भी पेंशन नहीं मिल रही थी, उनकी सरकार 60 वर्ष की आयु वाले सभी बुजुर्गों को पेंशन के लाभ से आच्छादित करने का काम कर रही है। 20 वर्षों तक राज्य में 16 लाख 20 हजार लोगों को पेंशन मिल रही थी, उनकी सरकार ने महज चार वर्षों में 36 लाख से अधिक बुजुर्गों को पेंशन देने का काम किया। राज्य में गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा के लिए अभी 80 उत्कृष्ट विद्यालय संचालित हैं, जिसे बढ़ाकर पांच हजार करने का लक्ष्य है। सीएम ने कहा कि वर्ष 2021 से शुरू आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम में पहली बार 35 लाख आवेदन आए और दूसरी बार 55 लाख। इससे साफ है कि पूर्व की सरकारों ने कुछ भी काम नहीं किया था। कोरोना संक्रमण के दौरान राज्य के मजदूरों को पहली बार हवाई जहाज से वापस लाने का काम हमारी सरकार ने किया था। कोरोना के समय सरकार आंख, कान खोलकर जनता की रखवाली कर रही थी। कोरोना के दौरान लोगों की जान बचाने में राज्य के दो मंत्रियों ने अपनी जान दे दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि विपक्षी दल राज्यकी सरकार गिराने की नित्य नई साजिश कर रह हैं। इसके बावजूद हमने चार साल सरकार चलाकर और सरकार को गांव में पहुंचा कर दिखा दिया। हमने राज्य की एक भी जनता को भूख से मरने नहीं दिया। हमने अपने दम पर अबुआ आवास योजना शुरू की है, राज्य के आवास विहीन हर गरीब को हर हाल में आवास देने का काम किया जाएगा, चाहे इसमें साल दो साल अथवा पांच साल लगे। उन्होंने कहा कि राज्य में प्रत्येक साल यह कार्यक्रम आयोजित कर ग्रामीणों को योजनाओं से लाभान्वित किया जाएगा। मौके पर मुख्यमंत्री ने 437 करोड़ 48 लाख रुपए की 76 योजनाओं का शिलान्यास और 406 करोड़ 20 लाख की 27 योजनाओं का उद्घाटन किया। इस दौरान 11841 लाभुकों के बीच 88 करोड़ 64 लाख रुपए की परिसंपत्तियों का वितरण किया गया। 4737 किसानों को किसान क्रेडिट कार्ड से आच्छादित किया गया। साथ ही मुख्यमंत्री रोजगार सृजन योजना से 15 लोगों सहित अन्य योजनाओं के लाभुकों को आच्छादित किया गया। मुख्यमंत्री के अलावा ग्रामीण विकास मंत्री आलमगीर आलम और मंत्री सत्यानंद भोक्ता ने भी कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सरकार की उपलब्धियां को गिनाया।

एप्पल लेकर आया स्टोलेन डिवाइस प्रोटेक्शन ऑप्शन आईफोन को चोरों से बचाने वाला है ये खास फीचर

नई दिल्ली।
महंगे स्मार्टफोन बनाने वाली कंपनी एप्पल आईफोन सिक्योरिटी को बढ़ाते हुए स्टोलेन डिवाइस प्रोटेक्शन ऑप्शन लाई है। ये खास फीचर आईफोन को चोरों से बचाने वाला है।

इस शानदार फीचर को अनलॉक करने के लिए पासकोड इनपुट और फेस आईडी ऑथंटिकेशन दोनों की जरूरत होती है।

इसको चुनने वाले यूजर्स आईक्लाउड किचेन पासवर्ड, फैक्टरी रीसेट, भुगतान के तरीके और बायोमेट्रिक लॉक के पीछे लॉस्ट मोड का इस्तेमाल कर सकेंगे। अन्य संवेदनशील एक्शन करने के लिए जैसे कि ऐप्पल आईडी पासवर्ड बदलना, आईफोन पासकोड बदलना, या फाइंड माई को बंद करना, के लिए फेस आईडी ऑथंटिकेशन की आवश्यकता होगी और यदि आईफोन यूजर की लोकेशन (जिस जगह यूजर अक्सर आता जाता रहता है) पर नहीं है और फेस ऑथंटिकेशन नहीं हो पा रहा तो प्रक्रिया को दोहराने के लिए एक घंटे तक इंतजार करना होगा। एक रिपोर्ट में बताया गया था कि कैसे चोर पीड़ितों की जासूसी करते हैं और उनके आईफोन पासकोड प्राप्त करने के लिए उनसे दोस्ती करते हैं, जिसकी वजह से संभवत: एप्पल द्वारा चोरी डिवाइस सुरक्षा को शामिल किया गया है। यह फीचर वर्तमान में आईओएस वर्शन 17.3 बीटा पर टेस्टिंग में है और चुनिंदा यूजर्स के लिए उपलब्ध है। आने वाले महीनों में अगले प्रमुख आईओएस अपडेट के साथ सिलेक्ट आईफोन मॉडलों के लिए स्टोलन डिवाइस प्रोटेक्शन फीचर शुरू होने की उम्मीद है।एप्पल के स्कॉट रैडक्लिफ ने आईफोन सिक्योरिटी पर जोर देते हुए कहा, हमारे डेटा एन्क्रिप्शन ने इंडस्ट्री स्टैंडर्ड सेट किया है। चोर उस आईफोन का डेटा बिना पासकोड जाने एक्सेस नहीं कर सकता। वहीं, अगर चोर पासकोड एंटर करते देख ले और फिर डिवाइस चुराए तब भी, डेटा एक्सेस कर पाना लगभग असंभव है। क्योंकि इस डिवाइस में एडवांस लेयर होगी जो इसके डेटा को एक्सेस बिल्कुल भी नहीं करने देगी।

न्यूज ब्रीफ

कर्ज अदायगी के लिए वेदांत रिसोर्सेज ने 1.25 अरब डॉलर का वित्त जुटाया

नई दिल्ली। वेदांत समूह की प्रमुख कंपनी वेदांत रिसोर्सेज लिमिटेड (वीआरएल) अपने कर्जों की अदायगी के लिए 1.25 अरब डालर का वित्तपोषण हासिल करने में सफल रही है। इस बीच, एसएंडपी ग्लोबल ने वीआरएल की रेटिंग को घटा दिया है। वेदांत रिसोर्सेज ने बयान में कहा कि इस वित्तपोषण से उसे दीर्घावधि में टिकाऊ पूंजी ढांचा खड़ा करने में मदद मिलेगी। हालांकि, कंपनी ने यह वित्त मुहैया कराने वाले कर्जदाताओं के नाम नहीं बताए हैं। इस वित्तपोषण का इस्तेमाल वर्ष 2024 और 2025 में परिपक्व होने वाले 3.2 अरब डालर के कर्जों को चुकाने और आंशिक भुगतान में किया जाएगा। साथ ही कंपनी ने कहा कि वह मौजूदा बांडधारकों से परिपक्वता अवधि बढ़ाने पर सहमति लेने की कोशिश करेगी। हालांकि इस घटनाक्रम से अप्रभावित एसएंडपी ग्लोबल ने बांड की मियाद बढ़ाए जाने की आशंका को देखते हुए वेदांत रिसोर्सेज की रेटिंग को सीसीसी से घटाकर सीसी कर दिया है। इतना ही नहीं कंपनी को क्रेडिटवाच निगेटिव सूची में बरकरार रखा गया है। एसएंडपी ने कहा, हम अपने मानदंडों के तहत कुल 3.2 अरब डालर के वीआरएल बांड को लेकर कंपनी की प्रस्तावित दायित्व प्रबंधन पहल को दबाव वाले लेनदेन के रूप में देखते हैं।

ईएसआईसी ने अक्टूबर 2023 में जोड़े 17.28 लाख नए सदस्य, 51 ट्रांसजेंडर कर्मचारी भी हुए पंजीकृत

नई दिल्ली। जारी अनंतिम पेरोल डेटा के अनुसार, कर्मचारी राज्य बीमा निगम ने अक्टूबर में 17.28 लाख नए सदस्य जोड़े। श्रम मंत्रालय ने पेरोल डेटा जारी करते हुए एक बयान में कहा कि लगभग 23,468 नए प्रतिष्ठानों को पंजीकृत किया गया है और अधिक कवरेज सुनिश्चित करते हुए अक्टूबर 2023 में ईएसआईसी के सोशल सिक्योरिटी अम्ब्रेला के तहत लाया गया है। मंत्रालय ने कहा कि अक्टूबर 2023 में लगभग 17.28 लाख नए कर्मचारी जुड़े हैं। युवाओं के लिए अधिक नौकरियाँ पैदा हुई हैं, क्योंकि जोड़े गए कुल 17.28 लाख कर्मचारियों में से 25 वर्ष की आयु तक के 8.25 लाख कर्मचारियों का नया पंजीकरण हुआ है, जो कुल कर्मचारियों का 47.76 प्रतिशत है। आंकड़ों के मुताबिक अक्टूबर में महिला सदस्यों का नेट इनरोलमेंट 3.31 लाख था। अक्टूबर महीने में कुल 51 ट्रांसजेंडर कर्मचारियों को ईएसआई योजना के तहत पंजीकृत किया गया था। मंत्रालय ने कहा कियह दर्शाता है कि ईएसआईसी समाज के हर वर्ग तक अपना लाभ पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। पेरोल डेटा अनंतिम है, क्योंकि डेटा सृजन एक सतत अभ्यास है।

अदाणी ग्रीन एनर्जी ने दो 'स्टेप-डाउन' अनुषंगी कंपनियों के विलय की घोषणा की

मुंबई। अदाणी ग्रीन एनर्जी ने दो 'स्टेप-डाउन' अनुषंगी कंपनियों अदाणी रिन्यूएबल एनर्जी फिफ्टी वन लिमिटेड और अदाणी रिन्यूएबल एनर्जी फिफ्टी फाइव लिमिटेड के विलय की घोषणा की। 'स्टेप-डाउन अनुषंगी कंपनी से तात्पर्य प्रत्यक्ष अनुषंगी की अनुषंगी कंपनियों से है। अदाणी ग्रीन एनर्जी ने बताया कि कंपनी की पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी अदाणी सौर ऊर्जा (केए) लिमिटेड ने 13 दिसंबर 2023 को अपनी पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी अदाणी रिन्यूएबल एनर्जी फिफ्टी वन लिमिटेड (एआरई51एल) का विलय कर लिया। कंपनी ने बताया, उसकी पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी अदाणी रिन्यूएबल एनर्जी होल्डिंग नाइन लिमिटेड ने 13 दिसंबर 2023 को अपनी पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी अदाणी रिन्यूएबल एनर्जी फिफ्टी फाइव लिमिटेड (एआरई55एल) का खुद में विलय किया। नई अनुषंगी कंपनियों का मुख्य काम पवन ऊर्जा, सौर ऊर्जा या ऊर्जा के अन्य नवीकरणीय स्रोतों का उपयोग करके किसी भी प्रकार की बिजली या विद्युत ऊर्जा का उत्पादन, विकास, परिवर्तन, वितरण, संचारण, बिक्री, आपूर्ति करना है।

आने वाले समय में नंबर-1 अर्थव्यवस्था बनेगा भारत अध्यक्ष बोले- 2024 में बड़ी शक्ति बनने की राह पर भारत

वाशिंगटन।
भारत आने वाले समय में दुनिया की नंबर-1 अर्थव्यवस्था बन जाएगा। यह बात भारत-अमेरिका रणनीतिक सहयोग फोरम (यूएसआईएसपीएफ) के अध्यक्ष जॉन चैंबर्स ने कही। उन्होंने कहा, साल 2024 में भारत दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की राह पर आगे बढ़ता रहेगा। इस समय भारत अपने इतिहास के महत्वपूर्ण क्षणों में है। वह इस क्षण को अपने कब्जे में करेगा, प्रगति पर आगे बढ़ेगा और आने वाले वर्षों के लिए अवसर भी पैदा करेगा। 2023 भारत-अमेरिकी साझेदारी के लिए अहम वर्ष रहा। 2024 में भारत-अमेरिका दुनिया के सबसे अहम रणनीतिक साझेदार बनने जा रहे हैं। वे दुनियाभर के लिए इनोवेशन को दिशा देंगे और नौकरियां पैदा करेंगे। इसमें डिजिटल व एआई इंडिया जैसी पहल अहम भूमिका निभाएंगी। भारत की अमेरिका व अन्य प्रमुख देशों के साथ सहयोग और रणनीतिक साझेदारी बढ़ाने की उत्सुकता भी इसमें बड़ा योगदान देगी।

साइबर सुरक्षा का बाजार लौटेगा और तेजी से बढ़ेगा - जॉन का दावा है कि साइबर सुरक्षा का बाजार फिर लौटेगा और तेजी से बढ़ेगा। 2023 में हुए साइबर हमले और बड़े वित्तीय नुकसान इसकी वजह होंगे। अकेले क्लोरॉक्स साइबर हमले से 60 करोड़ डॉलर के राजस्व का नुकसान आंका गया है।

इस साल डिजिटल से एआई युग में करेंगे प्रवेश - आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) तकनीक को जॉन ने साल 2024 में आने वाला सबसे बुनियादी तकनीकी बदलाव बताया। कहा, यह तकनीक मुख्यधारा में आ जाएगी। मैंने 2022 में भी यह कहा था, 2023 में हमने ऐसा होते हुए देखा, लेकिन 2024 में यह बहुत आगे पहुंच जाएगी। हम डिजिटल युग से एआई युग में प्रवेश कर जाएंगे। हर कंपनी में एआई आधारित काम की मांग बढ़ेगी। जो स्टार्टअप एआई का उपयोग नहीं करेंगे, जल्दी विफल होंगे। बड़ी कंपनियां भी विफल होंगी, लेकिन उनसे कुछ धीरे। एआई ज्यादा बड़े बाजार और दिमागों पर भी कब्जा करेगा।

डीपफेक बड़ा खतरा - जॉन चैंबर्स ने कहा, डीपफेक आम लोगों से लेकर कंपनियों और सरकारों के लिए सबसे बड़ा साइबर खतरा बनेंगे।

इस साल देश में बिकेंगे 4.5 लाख करोड़ रुपये के मकान, पिछले वर्ष की तुलना में 38 फीसदी की बढ़त

नई दिल्ली। देश के सात प्रमुख शहरों में मकानों की बिक्री इस कैलेंडर वर्ष (2023) में 4.5 लाख करोड़ रुपये पहुंच सकती है। यह पिछले वर्ष की तुलना में 38 फीसदी अधिक है। 2022 में कुल 3.27 लाख करोड़ रुपये के मकान बिके थे। एनारॉक के मुताबिक, कीमतों में बढ़ोतरी और लग्जरी मकानों की अधिक मांग से इस कैलेंडर वर्ष में अब तक 3.48 लाख करोड़ रुपये से अधिक की आवासीय संपत्तियां बिक चुकी हैं। यह एक साल पहले की तुलना में 7 फीसदी अधिक है। सात शहरों में दिल्ली-एनसीआर, मुंबई महानगर क्षेत्र, कोलकाता, चेन्नई, बंगलूरू, पुणे और हैदराबाद में इस साल जनवरी-सितंबर में 3.49 लाख मकान बिके हैं। आंकड़ा इस साल 4.5 लाख इकाई पहुंच सकता है। 2022 में कुल 3.65 मकान बिके थे। पुणे : मकानों की बिक्री सर्वाधिक 96 प्रतिशत बढ़कर 39,945 करोड़ रुपये पहुंच गई। दिल्ली-एनसीआर : 38,895 करोड़ से 29 प्रतिशत बढ़कर 50,188 करोड़ रुपये पहुंच गई बिक्री। मुंबई : 41 प्रतिशत बढ़कर 1.64 लाख करोड़ रुपये। हैदराबाद : 43 प्रतिशत बढ़कर 35,802 करोड़। बंगलूरु : 42 प्रतिशत बढ़कर 38,517 करोड़। कोलकाता : 19 प्रतिशत बढ़कर 9,025 करोड़। चेन्नई : 45 फीसदी बढ़कर 11,374 करोड़ रुपये पहुंच गई मकानों की बिक्री।

अमेरिका में भारत के राजदूत आईबीएम के सीईओ से मिले, मुलाकात के बाद कही यह बात

नई दिल्ली।
अमेरिका में भारत के राजदूत तरनजीत सिंह संधू ने इंटरनेशनल बिजनेस मशीन कॉरपोरेशन (आईबीएम) के सीईओ अरविंद कृष्णा के साथ बैठक के दौरान भारत-अमेरिका प्रौद्योगिकी साझेदारी पर चर्चा की। इंडिया हाउस में बैठक के दौरान, उन्होंने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और क्वांटम जैसी नई और उभरती प्रौद्योगिकियों पर भी चर्चा की।

संधू ने एक्स पर पोस्ट किया, इंडिया हाउस में आईबीएम सीईओ अरविंद कृष्णा से मिलकर खुशी हुई और भारत-अमेरिका प्रौद्योगिकी साझेदारी, एआई और क्वांटम सहित नई और उभरती प्रौद्योगिकियों तथा भारत में आईबीएम की शिक्षा एवं कौशल पहलों पर विचारों का आदान-प्रदान किया। आईबीएम एक अमेरिकी बहुराष्ट्रीय प्रौद्योगिकी कंपनी है जिसका मुख्यालय आर्मोंक, न्यूयॉर्क में है। यह 175 से अधिक देशों में मौजूद है।

इस बीच, भारतीय राजदूत ने हाल ही में अमेरिका में वॉलमार्ट स्टोर में पहली मेड-इन-इंडिया साइकिल के लॉन्च में भाग लेने पर अपनी खुशी व्यक्त की। संधू ने एक्स पर कहा, मेक इन इंडिया, मेक फॉर द वर्ल्ड! अमेरिका में वॉलमार्ट के लॉन्च को देखकर खुशी हो रही है, जो हीरो साइकिल लुधियाना की ओर से निर्मित पहली मेड-इन-इंडिया साइकिल है।

इससे पहले, वॉलमार्ट ने घोषणा की थी कि पहली भारत निर्मित साइकिलें छुट्टियों के लिए अमेरिका में चुनिंदा दुकानों पर पहुंच रही हैं। भारत में साइकिलों के अग्रणी निर्माताओं और निर्यातकों में से एक, हीरो इकोटेक लिमिटेड ने वॉलमार्ट के लिए एक क्रूजर-स्टाइल बाइक तैयार की है, जो वयस्क आकार के पुरुषों और महिलाओं दोनों संस्करणों में उपलब्ध कॉनकॉर्ड ब्रांड है।

सोने में तेजी कायम, चांदी में मामूली बढ़त,सोना 62500 प्रति 10 ग्राम और चांदी 75000 रुपए किलो

नई दिल्ली।
सोने की कीमत में बढ़त देखने को मिल रही है। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर फरवरी 2024 फ्यूचर में डिलीवरी वाला सोना 46 रुपये की बढ़त के साथ 62500.00 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार हो रहा था। इससे पिछले सत्र में फरवरी 2024 कॉन्ट्रैक्ट वाले सोने का भाव 62454.00 रुपये प्रति 10 ग्राम के लेवल पर रहा था। इसी तरह अप्रैल 2024 सीरीज़ के कॉन्टैक्ट में डिलीवरी वाले सोने में 132 रुपये की अच्छी बढ़त के साथ 62955.00 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार हो रहा था।

इससे पिछले सत्र में अप्रैल कॉन्ट्रैक्ट वाले सोने का भाव 62823.00 रुपये प्रति 10 ग्राम पर रहा था। एमसीएक्स पर मार्च 2024 में डिलीवरी वाली चांदी में 4 रुपये की बढ़त के साथ 75080.00 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार हो रहा था। इससे पिछले सत्र में मार्च 2024 कॉन्ट्रैक्ट वाली चांदी की कीमत 75076.00 रुपये प्रति किलोग्राम पर रही थी। इसी तरह मई 2024 सीरीज़ में डिलीवरी वाली चांदी में 14 रुपये की बढ़त के साथ 76149.00 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार हो रहा था। इससे पिछले सत्र में मई कॉन्ट्रैक्ट वाली चांदी की कीमत 76135.00 रुपये प्रति किलोग्राम पर रही थी। कॉमेक्स पर फरवरी 2024 में डिलीवरी वाले गोल्ड में 0.22 फीसदी की बढ़त के साथ 2,049.50 डॉलर प्रति औंस के स्तर पर कारोबार हो रहा था। कॉमेक्स पर मार्च 2023 में डिलीवरी वाली चांदी में 0.02 फीसदी की मामूली गिरावट के साथ 24.380 डॉलर प्रति औंस के स्तर पर कारोबार हो रहा था।

एनसीएलटी मुंबई ने आरकॉम की रियल एस्टेट संपत्तियों व शेयरों की बिक्री को मंजूरी दी, आदेश में ये कहा

नई दिल्ली।
दिवाला न्यायाधिकरण एनसीएलटी मुंबई ने दूरसंचार कंपनी रिलायंस कम्युनिकेशंस की कुछ रीयल एस्टेट संपत्तियों की बिक्री को मंजूरी दे दी है। फाइलिंग में रिलायंस कम्युनिकेशंस (आरकॉम) के समाधान पेशेवर की ओर से दायर आवेदन के मामले में राष्ट्रीय कंपनी कानून न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) की मुंबई पीठ का एक आदेश संलग्न किया गया है, जिसमें कंपनी की कुछ देनदारियों से मुक्त संपत्तियों की बिक्री के लिए एनसीएलटी से मंजूरी मांगी गई थी।

आदेश में कहा गया, ... यह न्यायाधिकरण स्पष्ट करता है कि आवेदक/आरपी सीआईआरपी नियमन के नियम 29 के तहत कॉरपोरेट देनदार (जैसा कि ऊपर पैरा 1 में वर्णित है) की परिसंपत्तियों को इस न्यायाधिकरण द्वारा मंजूरी के लिए समाधान योजना प्रस्तुत करने के बाद बेच सकता है।

आदेश के अनुसार समाधान पेशेवर न्यायाधिकरण की मंजूरी के लिए समाधान योजना पेश करने के बाद कंपनी की संपत्ति बेच सकते हैं।

ऑर्डर में कहा गया, यह ट्रिब्यूनल सीआईआरपी विनियमों के विनियमन 29 के अनुसार कॉरपोरेट देनदार की परिसंपत्तियों की बिक्री करने के लिए आवेदक को अपनी मंजूरी देता है, जो बिक्री आय को कॉर्पोरेट देनदार की देनदारियों से मुक्त संपत्ति के रूप में माना जाएगा और अनुमोदित समाधान योजना के कार्यान्वयन के दौरान या परिसमापन में वितरित किया जाएगा, जैसा भी मामला हो।

बिक्री के लिए जिन संपत्तियों की पहचान की गई है, उनमें आरकॉम का चेन्नई हैडो कार्यालय शामिल है, जिसमें भूमि और भवन शामिल हैं। बिक्री वाली अन्य संपत्तियों में चेन्नई के अंबत्तूर में भूमि पार्सल लगभग 3.44 एकड़ क्षेत्र में फैला हुआ है; पुणे में 871.1 वर्ग मीटर भूमि पार्सल; भुवनेश्वर स्थित ऑफिस स्पेस, कैंपियन प्रॉपर्टीज के शेयरों में निवेश और रिलायंस रियल्टी के शेयरों में निवेश शामिल है।

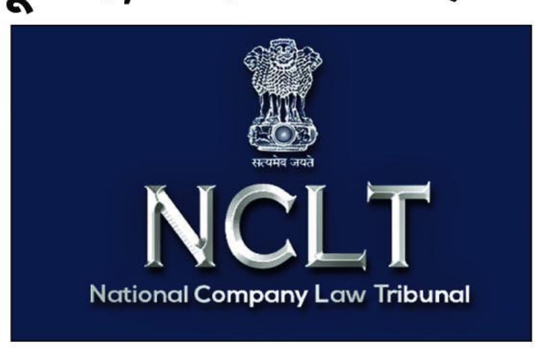

ओला ने भारत का पहला एआई - मॉडल कृत्रिम लॉन्च किया

ये एआई टूल 22 भारतीय भाषाएं समझ सकता है; चैट जीपीटी, गूगल बार्ड को देगा टक्कर

नई दिल्ली।
ओला इलेक्ट्रिक के सीईओ भाविश अग्रवाल को भारत का पहला आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस मॉडल कृत्रिम लॉन्च किया। ये मॉडल चैट जीपीटी और गूगल के बार्ड को टक्कर देगा। लॉन्च इवेंट के दौरान, अग्रवाल ने कृत्रिम से पावर्ड एआई चैटबॉट दिखाया जो चैटजीपीटी और बार्ड की तरह सवालों के जवाब देता है। यह 22 भारतीय भाषाओं को समझ सकता है और 10 भारतीय भाषाओं में टेक्स्ट तैयार कर सकता है।

भाविश अग्रवाल ने बताया कि अभी चैटबोट के लिए साइन अप कर सकते हैं। इसका अर्ली एक्सेस बैचेज में मिलना शुरू हो जाएगा। अगले महीने के आखिर से ये सभी के लिए अवेलेबल होगा।

कृत्रिम प्रो अगले साल की शुरुआत में लॉन्च होगा

कृत्रिम दो साइज में आएगा। बेस मॉडल, जिसे 2 ट्रिलियन टोकन और यूनीक डेटासेट पर ट्रेन किया गया है। वहीं लार्जर मॉडल ज्यादा कॉम्प्लेक्स होगा, जिसका नाम कृत्रिम प्रो है। इसे अगले साल की शुरुआत में लॉन्च किया जाएगा।

भारतीय भाषा और डेटा पर बनाया गया है

नया टूल भारत का पहला फुल-स्टैक एआई के रूप में कैटगराइज किया गया है। कंपनी का दावा है कि कृत्रिम स्थानीय भारतीय ज्ञान, भाषाओं और डेटा पर बनाया गया है। अग्रवाल ने इस टूल को सभी के लिए फायदेमंद बताया है। हालांकि अभी ये क्लियर नहीं है कि किस तरह ये टूल काम करेगा और क्या-क्या सुविधाएं आम लोगों को देगा।

भाविश ने अप्रैल में बनाई थी एआई कंपनी

भाविश अग्रवाल ने अप्रैल 2023 में कत्रिम एसआई डिजाइन्स प्राइवेट लिमिटेड नाम की आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस कंपनी बनाई थी। अग्रवाल के अलावा, कृष्णमूर्ति वेणुगोपाला टेनेटी कंपनी के एकमात्र अन्य डायरेक्टर हैं। दिलचस्प बात यह है कि टेनेटी अग्रवाल की अन्य कंपनियों - ओला कैब्स और ओला इलेक्ट्रिक में भी डायरेक्टर हैं।

2022 में चैटजीपीटी को पब्लिकली अनवील किया था

सबसे पहले नवंबर 2022 में दुनिया के लिए चैटजीपीटी अनवील किया था। इस एआइ टूल ने तेजी से लोकप्रियता हासिल की है। म्यूजिक और पोएट्री लिखने से लेकर निबंध लिखने तक, चैटजीपीटी बहुत सारे काम कर सकता है। यह एक कन्वर्सेशनल एआई है। एक ऐसा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जो आपको इंसानों की तरह जवाब देता है।

चैटजीपीटी पर आप किस तरह के सवाल पूछ सकते हैं

इससे आप कोई भी सवाल पूछ सकते हैं। यानी ईमेल लिखने से लेकर आप इससे बनवा सकते हैं। रील या अपनी वीडियो कैसे वायरल करना है, इसका भी जवाब चैटजीपीटी देता है। वाइफ को क्या गिफ्ट दें, इस पर भी चैटजीपीटी आपको सुझाव देता है। चैटजीपीटी लंबे जवाब की बजाय छोटे और सटीक शब्दों पूरी जानकारी देता है। किसी स्टूडेंट को डेमोक्रेसी पर एसे यानी निबंध लिखना है तो वह तुरंत चैटजीपीटी पर टाइप करेगा। इसके बाद आपके सामने पूरा एसे लिखा हुआ आ जाएगा। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, 21वीं सदी में विकास का सबसे बड़ा टूल बन सकता है और इस सदी को तबाह करने में भी सबसे बड़ी भूमिका निभा सकता है। डीपफेक का चैलेंज आज पूरी दुनिया के सामने है। इसके अलावा आतंकियों के हाथ में द्य टूल्स के आने का भी बहुत बड़ा खतरा है। हमें एआई के इथिकल यूज के लिए मिलकर ग्लोबल फ्रेमवर्क तैयार करना होगा। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर ग्लोबल पार्टनरशिप इवेंट में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ये बात कही। ये इवेंट नई दिल्ली के प्रगति मैदान पर भारत मंडपम में 14 दिसंबर तक चलेगा। समिट-2023 इवेंट के लिए पीएम मोदी ने देश की जनता को इनवाइट किया है। एआई समिट में दुनिया के करीब 28 देश शामिल हुए हैं।

पैरालंपिक चैंपियन मनीष नरवाल ने जीता स्वर्ण हरियाणा के निशानेबाजों का रहा दबदबा

नई दिल्ली।
टोक्यो पैरालंपिक स्वर्ण पदक विजेता हरियाणा के मनीष नरवाल ने पुरुषों की 10 मीटर एयर पिस्टल एसएच-1 कैटेगरी का स्वर्ण खेलो इंडिया पैरा गेम्स में जीता। निशानेबाजी में हरियाणा का दबदबा रहा। दांव पर लगे तीनों स्वर्ण पदकों पर हरियाणा के निशानेबाजों ने हाथ साफ किया।

हरियाणा के दीपक और रामपाल भी जीते

मनीष ने इसी इवेंट में हांगझोऊ पैरा एशियाड का कांस्य पदक जीता था। पैरा एशियाड की इस इवेंट में रुद्रांक्ष खंडेलवाल ने मनीष को पीछे छोड़ते हुए रजत जीता था, लेकिन बृहस्पतिवार को मनीष ने फाइनल में 240.2 का स्कोर करते हुए रुद्रांक्ष (236.8) को पराजित कर दिया। महाराष्ट्र के वैभव राजू को कांस्य मिला। 10 मीटर एयरराइफल प्रोन एसएच-1 मिश्रित स्पर्धा का स्वर्ण हरियाणा के दीपक सैनी (250.2) ने अपने ही साथी विजय कुमार (249.3) को पराजित कर जीता। राजस्थान की मोना अग्रवाल ने कांस्य जीता। 10 मीटर एयरराइफल प्रोन मिश्रित स्पर्धा एसएच-2 का स्वर्ण हरियाणा के राम पाल (625.5) ने राजस्थान के विजय सिंह (625.5) को हराकर जीता।

पंजाब के गुरसेवक ने पावरलिफ्टिंग में जीता स्वर्ण

पावरलिफ्टिंग में तमिलनाडु की कस्तूरी राजमणि ने 67 किलो भार वर्ग में 100 किलो वजन उठाकर स्वर्ण जीता। उन्होंने गुजरात की पारुल गोहिल (64) और पंजाब की सुमनदीप (57 किलो) को पीछे छोड़ा। 73 भार वर्ग में गुजरात की रेशमा मोगिल ने 72 किलो वजन उठाकर स्वर्ण जीता। दिल्ली की साहिस्ता (58) ने रजत और राजस्थान की माया (57) ने कांस्य जीता। पुरुषों के 80 भार वर्ग में पंजाब के गुरसेवक सिंह ने 171 किलो वजन उठाकर स्वर्ण जीता। केरल के अब्दुल सलाम (155) ने रजत और दिल्ली के हनी डबास (152) ने कांस्य पदक जीता।

भाविना की जीत से शुरुआत

टोक्यो पैरालंपिक की रजत पदक विजेता गुजरात की भाविना पटेल ने टेबल टेनिस में विजयी आगाज किया। उन्होंने अपने ही राज्य की शमीम को 3-0 से हराया। बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों की कांस्य पदक विजेता गुजरात की सोनल पटेल ने तमिलनाडु की फातिमा बीवी को 3-0 से हराया।

न्यूज ब्रीफ

इंटरनेशनल क्रिकेट में कुलदीप यादव ने बनाई 4 हैट्रिक, आईपीएल में भी मचाई धूम

नई दिल्ली । भारतीय टीम के 'मिस्ट्री बॉलर' कुलदीप यादव जिनकी उम्र अभी 28 वर्ष है, ने इंटरनेशलन क्रिकेट में 4 हैट्रिक बनाई है। आईपीएल में भी उन्होंने खूब धूम मचाई है। करीब सात साल के इंटरनेशनल करियर में अपनी भरपूर क्षमता दिखाने के बावजूद कुलदीप यादव को भले ही टेस्ट क्रिकेट में कम मौका मिला हो लेकिन वनडे और टी20आई में उन्होंने विकेटों का अंबार लगाया है। 14 दिसंबर 1994 को यूपी के कानपुर में जन्मे कुलदीप जब 10 साल की कच्ची उम्र में क्रिकेट की कोचिंग के लिए गए तो बाएं हाथ के तेज गेंदबाज बनना चाहते थे। हालांकि पाकिस्तान के महान तेज गेंदबाज वसीम अकरम उनके आदर्श हुआ करते थे लेकिन क्रिकेट के शुरुआती दौर में ही कोच कपिल पांडे ने भांप लिया था कि कुलदीप में अच्छा तेज गेंदबाज बनने लायक 'कौशल' नहीं है। उन्होंने कुलदीप को रिस्ट स्पिनर बनने की सलाह दी। कुलदीप ने सलाह पर अमल करते हुए अपनी गेंदबाजी को तराशने के लिए घंटों नेट पर मेहनत की और खुद को देश के बेहतरीन चाइनामैन बॉलर के तौर पर स्थापित किया। कुलदीप यादव आज शॉर्टर फॉर्मेट के क्रिकेट में भारतीय टीम की आवश्यकता बन चुके हैं। वर्ल्डकप 2023 में कुलदीप यादव की शानदार गेंदों का सामना करना विपक्षी बल्लेबाजों के लिए मुश्किल रहा।

अपने करियर में 0 पर कभी आउट नहीं होने वाले खिलाड़ियों में ये भारतीय भी शामिल

नई दिल्ली । क्रिकेट में कुछ खास रिकॉर्ड हैं, जिनकी अक्सर बात होती है जैसे कि सबसे अधिक शतक, सबसे अधिक विकेट, सबसे अधिक औसत, हैट्रिकज लेकिन एक रिकॉर्ड ऐसा है, जिस पर कोई भी क्रिकेटर गर्व कर सकता है। इसके बावजूद इस रिकॉर्ड की बात कम ही होती है। दरअसल हम उस रिकॉर्ड की बात कर रहे हैं जिसमें पूरे करियर में यानी तीनों फॉर्मेट (टेस्ट+वनडे+टी20) में एक भी बार 0 पर आउट ना होने की। दुनिया का कोई क्रिकेटर शून्य पर आउट नहीं होना चाहता, इसके बावजूद 99 प्रतिशत बल्लेबाज इससे बच नहीं पाते। चुनिंदा क्रिकेटर ही हैं जो अपने करियर में 0 पर कभी आउट नहीं हुए। देशवासी इस पर गर्व कर सकते हैं कि 0 पर कभी ना आउट होने वाले बैटर्स की लिस्ट में सबसे पहला नाम है। वहां कोई और नहीं बृजेश पटेल हैं। वहीं बृजेश पटेल जो 2019 से 2022 तक आईपीएल चेयरमैन की भूमिका निभा रहे थे। जब हम करियर में 0 पर कभी आउट ना होने की बात करते हैं तब साफ करना जरूरी होता है, कि इसमें कम से कम मैचों का एक पैमाना तय करना पड़ता है। अगर हम ऐसा ना करें तब वहां क्रिकेटर भी इस लिस्ट में आ जाएगा जिसने करियर में कुछ मैच ही खेले हों और उसकी बैटिंग की बारी ही ना आई हो। या अगर हम कम से कम 30 पारियों की शर्त जोड़ दें, तब दुनिया में 18 बैटर ही हैं जो कभी 0 पर आउट नहीं हुए। बृजेश के नाम 0 पर आउट ना होने का विश्व रिकॉर्ड है। बृजेश पटेल के नाम 0 पर आउट ना होने का विश्व रिकॉर्ड है। बृजेश के नाम सबसे ज्यादा पारियां खेलकर भी 0 पर आउट ना होने का विश्व रिकॉर्ड है।

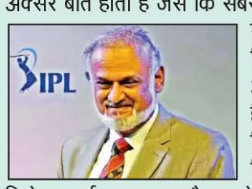

साउथ अफ्रीका में होने वाली टेस्ट सिरीज में मोहम्मद शमी का नाम नहीं

नई दिल्ली । साउथ अफ्रीका के प्रवास पर गई भारतीय क्रिकेट टीम टी20 और वनडे के बाद टेस्ट सीरीज खेलेगी। रोहित शर्मा की कप्तानी में टेस्ट सीरीज खेलने उतरने वाली टीम को एक बड़ा झटका लगता नजर आ रहा है। जानकारी के मुताबिक टीम के अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी दौरे से बाहर हो सकते हैं। बताया जा रहा है कि वह साउथ अफ्रीका दौरे के लिए उड़ान नहीं भर पाएंगे। भारतीय टीम को साउथ अफ्रीका के खिलाफ इस साल के अंत में खेले जाने वाले पहले टेस्ट मैच से पहले बुरी खबर मिली है। 26 दिसंबर यानी बॉक्सिंग डे पर टीम इंडिया साउथ अफ्रीका के साथ दो मैचों की टेस्ट सीरीज खेलने उतरेगी। पहले मुकाबले में रोहित शर्मा की टीम मेजबान पर दबाव बनाना चाहेगी लेकिन इसके लिए उनके पास अहम हथियार नहीं होगा। टीम इंडिया के स्टार तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी के टेस्ट सीरीज से बाहर होने की खबर है। भारत और साउथ अफ्रीका के बीच खेली जाने वाली टेस्ट सीरीज में मोहम्मद शमी चोटिल होने की वजह से नहीं खेल पाएंगे। खबर के मुताबिक टीम इंडिया का यह स्टार तेज गेंदबाज टखने की चोट से अब तक नही उबर पाया है। चोटिल होने के बाद भी आईसीसी वनडे वर्ल्ड कप में उन्होंने मुकाबला खेला था।

सरकार ने रेसवॉकर प्रियंका गोस्वामी, ग्रीको-रोमन पहलवानों के विदेश में प्रशिक्षण के प्रस्ताव को मंजूरी दी

नई दिल्ली।
युवा मामले और खेल मंत्रालय (एमवाईएएस) के मिशन ओलंपिक सेल (एमओसी) ने अपनी हालिया बैठक में रेसवॉकर प्रियंका गोस्वामी के कोच ब्रेंट वालेंस के तहत ऑस्ट्रेलिया में प्रशिक्षण लेने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी। प्रियंका, जो पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने वाली पहली भारतीय एथलीट थीं, ऑस्ट्रेलिया के कैनबरा के पास एक उच्च ऊंचाई वाले प्रशिक्षण केंद्र में प्रशिक्षण लेंगी और आगामी ओलंपिक की तैयारी के लिए कुछ स्थानीय प्रतियोगिताओं में भी भाग लेंगी।

मंत्रालय ने एक विज्ञप्ति में बताया कि वित्तीय सहायता में प्रियंका का हवाई किराया, बोर्डिंग/आवास की लागत, खेल विज्ञान सहायता के लिए व्यय, कोचिंग शुल्क और जेब से भत्ता सहित अन्य खर्च शामिल होंगे।

प्रियंका के अलावा, एमओसी ने टारगेट ओलंपिक पोडियम स्कीम (टॉप्स) डेवलपमेंट ग्रुप ग्रीको रोमन पहलवानों आशु (67 किग्रा), सूरज (55 किग्रा) और रोनित शर्मा (48 किग्रा) के अल्माटी, कजाकिस्तान में एक अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षण शिविर के लिए प्रस्तावों को भी मंजूरी दे दी।

मंत्रालय ने कहा कि सरकार अन्य खर्चों के अलावा तीन पहलवानों, उनके कोच, फिजियोथेरेपिस्ट और स्पारिंग पार्टनर्स के हवाई किराए और बोर्डिंग/आवास की लागत के साथ-साथ तीन एथलीटों के लिए अपनी जेब से भत्ता भी वहन करेगी।

इसके अलावा, विदेशी कोच डेनियल डि स्पिग्नो के साथ एक सप्ताह के प्रशिक्षण के लिए वित्तीय सहायता के लिए निशानेबाज भवनेश मेंदीरत्ता के प्रस्ताव को भी मंजूरी दे दी गई है।

स्पिग्नो दूसरे चयन परीक्षण के दौरान भारत में रहकर ब्राउनीश को प्रशिक्षित करेगा। टॉप्स इस अवधि के लिए उनका हवाई किराया, डेनियल की कोचिंग फीस, वीजा लागत और बोर्डिंग और लॉजिंग लागत को कवर करेगा। एमओसी ने शूटिंग किट की खरीद के लिए वित्तीय सहायता के लिए निशानेबाज रमिता, तीरंदाजी उपकरण की खरीद के लिए वित्तीय सहायता के लिए तीरंदाज यशदीप भोगे, खेल उपकरण (क्लब) की खरीद के लिए वित्तीय सहायता के लिए पैरा-एथलीट प्रणव सूरमा के प्रस्तावों को भी मंजूरी दे दी। डब्ल्यूटीटी फीडर बायला, इटली में भाग लेने के लिए पैडलर मनिका बत्रा के लिए वित्तीय सहायता और बैडमिंटन खिलाड़ियों किदांबी श्रीकांत और एचएस प्रणय के लिए कई प्रतियोगिताओं के दौरान सहायक कर्मचारियों के लिए वित्तीय सहायता को भी मंजूरी दी गई है।

धोनी की नंबर-7 जर्सी रिटायर: ये सम्मान पाने वाले दूसरे भारतीय क्रिकेटर; 2017 में सचिन की 10-नंबर जर्सी हुई थी रिटायर

नई दिल्ली। दो बार के विश्व कप विजेता कप्तान एमएस धोनी की नंबर-7 जर्सी अब किसी अन्य भारतीय क्रिकेटर के लिए उपलब्ध नहीं होगी। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने इसे रिटायर करने का फैसला किया है। धोनी के इंटरनेशनल रिटायरमेंट के करीब 3 साल बाद बोर्ड ने यह फैसला लिया। रिपोर्ट के मुताबिक, बीसीसीआई ने बताया कि धोनी ने अपने पूरे करियर में जिस नंबर की टी-शर्ट पहनी थी, उसे रिटायर करने का फैसला किया है। धोनी से पहले सचिन तेंदुलकर की नंबर-10 जर्सी को भी यह सम्मान मिला था। साल 2017 में सचनि की नंबर-10 जर्सी को भी हमेशा के लिए रटियार कर दिया गया था। धोनी ने 15 अगस्त 2020 को इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास लिया था। वह टेस्ट से 2014 में ही संन्यास ले चुके थे। रिपोर्ट के मुताबिक, बीसीसीआई के एक अधिकारी ने कहा कि टीम इंडिया के खिलाड़ियों, खासकर डेब्यू करने वाले प्लेयर्स को बता दिया गया है कि वो तेंदुलकर और धोनी से जुड़े नंबरों को नहीं चुन सकते हैं। धोनी का जन्म झारखंड (तब बिहार) के रांची में हुआ था। धोनी ने अपनी कप्तानी में देश को 2007 में टी-20 और 2011 में वनडे वर्ल्ड कप के साथ 2013 में चैंपियंस ट्रॉफी भी जिताई है। दिसंबर 2014 में उन्होंने टेस्ट क्रिकेट से रिटायरमेंट लिया था। धोनी ने 90 टेस्ट, 350 वनडे और 98 टी-20 खेले हैं। इनमें उन्होंने 4,876 टेस्ट, 10,773 वनडे और 1,617 टी-20 रन बनाए हैं। धोनी ने आईपीएल में अब तक 190 मैच में 4,432 रन बनाए हैं। उनकी कप्तानी में सीएसके ने पांच बार आईपीएल का खिताब जीता है। उन्हीं की कप्तानी में टीम ने 2023 में भी आईपीएल जीता। दिग्गज खिलाड़ियों के जर्सी नंबर को रिटायर करने की खेल में पुरानी परंपरा रही है। इटालियन फुटबॉल लीग सीरी-ए क्लब नेपोली में कोई भी खिलाड़ी 10 नंबर की जर्सी नहीं पहनता है, क्योंकि यह नंबर डिएगो माराडोना पहनते थे। माराडोना ने अकेले दम पर 1987 और 1990 में टीम को लीग टाइटल जिताया था।

भारत के लाड़ले गावस्कर का वहां रिकॉर्ड जो 40 साल बाद भी कायम

नई दिल्ली ।
किसी भी बल्लेबाज के लिए सबसे खूबसूरत पल शतक बनाना और टीम को जीत दिलाना होता है। शतक इसकी तस्दीक करता है कि खिलाड़ी में ना सिर्फ टैलेंट है, बल्कि धैर्य भी है, जो क्रिकेट, खासकर टेस्ट मैच के लिए जरूरी है। अगर कोई बल्लेबाज दोहरा शतक बनाए, तब कहने ही क्या। दुनिया में कुछ चुनिंदा खिलाड़ी ही हैं जिन्होंने इंटरनेशनल क्रिकेट में दोहरे शतक लगाए हैं। और ऐसा क्रिकेटर दुनिया में एक ही है, जिसने टेस्ट मैच की चारों पारियों में दोहरे शतक लगाए हैं। वह क्रिकेटर कोई और नहीं, भारत के लाडले सुनील गावस्कर हैं। गावस्कर का जैसे ही जिक्र आता है, वैसे ही दो रिकॉर्ड याद आ जाते हैं। टेस्ट क्रिकेट में सबसे पहले 10 हजार रन बनाने और सबसे पहले 34 शतक लगाने के रिकॉर्ड उनके नाम पर है। गावस्कर ये रिकॉर्ड बनाने वाले दुनिया के पहले क्रिकेटर थे। हालांकि, ये रिकॉर्ड अब टूट चुके हैं। लेकिन उनका एक रिकॉर्ड ऐसा भी है, जो सालों के बाद भी कायम है। यह रिकॉर्ड है टेस्ट क्रिकेट की चारों पारियों में दोहरे शतक बनाने का, जिस तक कोई भी क्रिकेटर नहीं पहुंच पाया है। गावस्कर ने पहला दोहरा शतक 1971 में वेस्टइंडीज दौरे पर लगाया था। उन्होंने पोर्ट ऑफ स्पेन टेस्ट मैच की तीसरी पारी में वेस्टइंडीज के खिलाफ 220 रन की पारी खेली थी। गावस्कर ने इस मैच की पहली पारी में भी 124 रन बनाए थे। भारत वेस्टइंडीज का यह मुकाबला ड्रॉ खत्म हुआ था। गावस्कर ने करियर का दूसरा दोहरा शतक 1978 में वेस्टइंडीज के ही खिलाफ लगाया। लेकिन इस बार मैदान वेस्टइंडीज का नहीं, बल्कि मुंबई का वानखेड़े स्टेडियम था। गावस्कर ने इस बार मैच की पहली पारी में ही 205 रन बनाए। हालांकि, इस बार भी भारतीय टीम सनी के दोहरे शतक का फायदा नहीं उठा पाई और मुकाबला ड्रॉ रहा। गावस्कर का अगला दोहरा शतक 1979 में आया। यह भारत और इंग्लैंड का मुकाबला था। गावस्कर ने ओवल टेस्ट की चौथी पारी में 221 रन बनाए। यह क्रिकेट के सबसे रोमांचक टेस्ट मैचों में भी गिना जाता है, जिसमें इंग्लैंड ने भारत को 438 रन का पहाड़काय लक्ष्य दिया था। भारत के इस शानदार जवाब में सुनील गावस्कर के दोहरे शतक की बड़ी भूमिका थी।

गावस्कर का चौथा दोहरा शतक 1983 में आया। लिटिल मास्टर ने फिर वेस्टइंडीज के गेंदबाजों को सबक सिखाकर 236 रन की नाबाद पारी खेली। गावस्कर ने चेन्नई में खेले टेस्ट मैच की दूसरी पारी में यह दोहरा शतक बनाया। इसके साथ ही वह दुनिया के इकलौते पहले क्रिकेटर बन गए, जिन्होंने टेस्ट मैच की चारों पारियों में शतक बनाए हों। आज 40 साल बाद भी गावस्कर का यह रिकॉर्ड बरकरार है।

गलत अनुमानों के बावजूद पर्थ टेस्ट में अच्छी संख्या में दर्शक मौजूद: हॉकले

पर्थ।
क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) निक हॉकले का मानना है कि ऑप्टस स्टेडियम में ऑस्ट्रेलिया-पाकिस्तान टेस्ट के पहले दिन दर्शकों की संख्या अच्छी थी। कुल मिलाकर 16,259 दर्शकों ने स्टेडियम में कार्यवाही में भाग लिया, जो विभिन्न हितधारकों द्वारा अपेक्षित 25,000 और उससे अधिक की संख्या से कम थी।

आप हमेशा अधिक चाहते हैं लेकिन जैसा कि मैंने कहा, मुझे लगता है कि हम सही रास्ते पर हैं।

हॉकले ने दूसरे दिन का खेल शुरू होने से पहले एसईएन रेडियो पर कहा, मुझे लगता है कि जिस तरह से ऑस्ट्रेलिया ने वास्तव में खेल को गति से आगे बढ़ाया वह आकर्षक रहा और मैं पर्थ में हर किसी को आज बाद में आने के लिए प्रोत्साहित करता हूं और हम एक शानदार सप्ताहांत की उम्मीद कर रहे हैं। इसलिए उम्मीद है कि हम उस संख्या पर आगे बढ़ेंगे।

पिछले साल नवंबर के अंत/दिसंबर की शुरुआत में ऑस्ट्रेलिया और वेस्टइंडीज के बीच पर्थ टेस्ट में 11,000 से भी कम दर्शक शामिल हुए थे। जिसमें कुल

उपस्थिति 42,517 थी।

हॉकले ने कहा कि सीए और अन्य ने पर्थ में टेस्ट क्रिकेट देखने के लिए भीड़ जुटाने के लिए अपना सब कुछ लगा दिया है।

उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि यहां पश्चिम में यह कठिन रहा है। हम यहां कुछ वर्षों तक अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट नहीं खेल सके इसलिए हमने वास्तव में डब्ल्यूए क्रिकेट, पर्यटन बोर्ड, हमारे सभी भागीदारों के साथ मिलकर काम किया है। मैं वाका ग्राउंड को फिर से बनाने वाली एनआरएमए इंश्योरेंस हिल को देख रहा हूं, हमने इसके पीछे पूरी तरह से सब कुछ झोंक दिया है।

16,000 से अधिक दर्शकों को देखना, जो कि पश्चिमी ऑस्ट्रेलियाई इतिहास में पाकिस्तान के खिलाफ टेस्ट क्रिकेट के एक दिन में सबसे अधिक उपस्थिति है, दर्शाता है कि हम सही रास्ते पर हैं।

महिला ब्लाइंड क्रिकेट: चौथे टी20 में भारत ने नेपाल को 7 विकेट से हराया, सीरीज पर कब्जा

मुंबई।
भारत ने यहां बाथरीट पुलिस जिमखाना क्रिकेट ग्राउंड में चौथे टी20 में नेपाल को सात विकेट से हरा दिया और पांच मैचों की सीरीज 3-1 से अपराजेय बढ़त बना ली, जबकि एक मैच बाकी है। पहले बल्लेबाजी करते हुए नेपाल ने निर्धारित 20 ओवर में 165/6 रन बनाए। जवाब में, भारत ने 19वें ओवर में लक्ष्य हासिल कर लिया और आखिरी मैच होने तक पांच मैचों की सीरीज 3-1 से आगे हो गया। पहले बल्लेबाजी करते हुए बिनीता, जो मौजूदा सीरीज में सबसे ज्यादा रन बनाने वाली खिलाड़ी रही हैं, ने नेपाल को जोरदार शुरुआत दी। मनकेशी चौधरी और बिनीता ने पहले 12 ओवर में 101 रन की साझेदारी की।

14वें ओवर में बिनीता (69) आउट हो गईं, जिससे नेपाल का स्कोर 116/2 हो गया, लेकिन सृजना परियार ने स्कोरबोर्ड को आगे बढ़ाना जारी रखा। हालाँकि, भारत ने विकेटों की झड़ी लगाकर खेल में वापसी की, क्योंकि नेपाल ने आखिरी चार ओवरों में 4 बल्लेबाजों को खो दिया और अच्छी शुरुआत के बाद केवल 165/6 रन ही बना सका।

166 रन का पीछा करते हुए सुषमा पटेल और रवन्नी ने छह ओवर के अंदर भारत का अर्धशतक पूरा किया। लेकिन सातवें ओवर में प्रतिवा राय ने रवन्नी को वापस डगआउट भेज दिया। इसके बाद सुषमा और बसंती हांसदा ने 66 रन की साझेदारी करके भारत की गति जारी रखी। भारत ने क्रमशः 14वें और 16वें ओवर में सुषमा और बसंती हांसदा को खो दिया, लेकिन इससे लक्ष्य हासिल करने में कोई दिक्कत नहीं हुई और टीम ने 19वें ओवर में आसानी से लक्ष्य हासिल कर लिया। 37 गेंदों में 45 रन बनाने वाली सुषमा को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। भारत और नेपाल अब पांचवें टी20 में भिड़ेंगे। टी20 परिणाम के लिहाज से महत्वहीन हो गया है। भारत ने पहले दो टी20 जीते थे लेकिन तीसरे गेम में नेपाल ने वापसी की। हालांकि, भारत ने चौथा टी20 जीतकर एक मैच बाकी रहते सीरीज पर कब्जा कर लिया।

चेन, मारिन बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर फाइनल्स के सेमीफाइनल में पहुंचे

नई दिल्ली ।
ओलंपिक चैंपियन चीन की चेन युफेई और स्पेन की कैरोलिना मारिन ने 2023 बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर फाइनल्स में सीधे गेमों में जीत हासिल कर महिला एकल के अंतिम चार में अपना स्थान पहले ही पक्का कर लिया। रिपोर्ट के अनुसार, घरेलू पसंदीदा चेन ने संयुक्त राज्य अमेरिका की झांग बेइवेन को 36 मिनट में 21-13, 21-15 से हराकर ग्रुप चरण में अपनी दूसरी जीत हासिल की। चेन ने कहा, जैसा कि मैं चाहती थी मैंने तेज जीत हासिल की। मुझे खुशी है कि मैं आगामी प्रतियोगिताओं के लिए ऊर्जा बचा सकती हूं। मैं कल के मैच का आनंद लेने की कोशिश करूंगी और शायद कुछ नई रणनीतियां आजमाऊंगी। उनका अगला मुकाबला मारिन से होगा, जिन्होंने ग्रुप बी के दूसरे मैच में चीनी शटलर हान यू को 21-11, 21-12 से हराया और दो जीत के साथ सेमीफाइनल में भी पहुंचीं। ग्रुप ए में स्थिति अधिक जटिल है क्योंकि चीनी ताइपे के ताई जू-यिंग, एन

से-यंग और दक्षिण कोरिया के किम गा-यून सभी के पास अंतिम चार में प्रवेश करने का मौका है। किम पर 2-1 से कड़ी जीत हासिल करने के बाद ताई अब पहले स्थान पर हैं। पुरुष एकल में दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी डेनमार्क के विक्टर एक्सेलसेन ने ग्रुप ए में जापान के कोडाई नाराओका को 21-17, 21-9 से हराकर अपनी पहली जीत हासिल की। एक्सेलसन को हराने वाले चीन के शी युकी को इंडोनेशिया के एंथोनी सिनिसुका गिंटिंग ने 11-21, 21-7, 21-17 से हरा दिया। जबकि उनके साथी ली शिफेंग ने थाईलैंड के नए विश्व चैंपियन कुनलावुत विटिडसार्न पर जीत हासिल करने के लिए 69 मिनट तक संघर्ष किया। मिश्रित युगल में दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी और गत चैंपियन चीन के झेंग सिवेई/हुआंग याकियोंग को दक्षिण कोरिया के किम वोन-हो/जेओंग ना-इउन को 18-21, 27-25, 21-15 से हराने के लिए 74 मिनट के कठिन संघर्ष का सामना करना पड़ा और अंतिम चार में स्थान हासिल किया। विश्व चैंपियन दक्षिण कोरिया के सियो सेउंग-जे/चाई यू-जंग भी हांगकांग, चीन के तांग चुन-मैन/त्से यिंग-सुएट को 17-21, 21-13, 21-18 से हराकर सेमीफाइनल में पहुंच गए। महिला युगल में गत चैंपियन चीन की चेन किंगचेन और जिया यिफान, जो छठी बार फाइनल्स में प्रतिस्पर्धा कर रही हैं। उन्होंने इंडोनेशिया की अप्रियानी रहायु और सिती फादिया सिल्वा रामधंती पर 2-0 से जीत हासिल की। एक अन्य चीनी जोड़ी, पुरुष युगल में विश्व नंबर 1 लियांग वेइकेंग और वांग चांग ने जापान के ताकुरो होकी और यूगो कोबायाशी को सीधे गेमों में हराकर अपनी पहली जीत हासिल की। ग्रुप मैचों का अंतिम दौर होगा, जिसमें प्रत्येक श्रेणी के चार खिलाड़ी/जोड़े नॉकआउट चरण में प्रवेश करेंगे।

आईसीसी महिला टी20 विश्व कप क्वालीफायर में युगांडा ने नाइजीरिया को हराया

एंटेबे । अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) टी20 महिला विश्व कप अफ्रीकी क्वालीफायर में ग्रुप बी मैच में युगांडा ने नाइजीरिया को छह विकेट से हरा दिया। एंटेबे क्रिकेट ओवल में खेले गए मैच में नाइजीरिया ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 63/9 रन बनाए। जवाब में युगांडा ने 15 ओवर में 66/4 रन बनाकर जीत दर्ज की। रिपोर्ट के अनुसार, युगांडा की कप्तान कॉन्सुलेट अवेको, जिन्हें मैच की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया, ने कहा कि यह एक खास जीत है क्योंकि वे अब ग्रुप में शीर्ष पर हैं और सेमीफाइनल में तंजानिया से भिड़ने के लिए तैयार हैं। अवेको ने कहा, तंजानिया के खिलाफ हमें अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा क्योंकि वह मैच हमारे लिए बहुत मायने रखता है, क्योंकि हमारा लक्ष्य विश्व कप के लिए क्वालीफिकेशन है। युगांडा के मुख्य कोच लॉरेंस सेसेमाटिम्बा ने शिन्हुआ को बताया कि वह सेमीफाइनल में पहुंचने पर टीम की जीत की गति से खुश हैं। इसके अलावा नामीबिया ने करीबी मुकाबले में रवांडा पर 11 रन से जीत हासिल की। रवांडा ने 20 ओवरों में 91/8 का स्कोर बनाया, लेकिन नामीबिया इतने ही ओवरों में 102/7 का स्कोर बनाने में सफल रहा। शीर्ष दो टीमें अगले साल दुबई में होने वाले वैश्विक क्वालीफायर के लिए क्वालीफाई करेंगी। महिला टी20 विश्व कप 2024 बांग्लादेश की मेजबानी में खेला जाएगा।

सौंदर्य टिप्स

ये 5 टिप्स हमेशा के लिए खत्म कर देंगे डार्क सर्कल्स

आंखों के नीचे काले घेरे आपका पूरा लुक खराब कर देते हैं. स्ट्रेस, कम नींद, धूप में बिना चश्मे के निकलना, एजिंग और जेनेटिक ऐसे कई कारण हैं जिसकी वजह से डार्क सर्कल्स होते हैं. इन्हें ठीक करने के लिए आपने कई नुस्खे आज़माएं होंगे, लेकिन यहां आपको वो कारगर तरीके बता रहे हैं जिन्हें आज़मा कर आपकी आंखो के काले धब्बे हमेशा के लिए खत्म हो जाएंगे.

1. आई पैक

आलू को कद्दूकस कर इसका जूस निकालें और इसमें रूई को डिबोकर आंखों पर रखें. इसके अलावा आप ग्रीन टी बैग्स को आंखों पर रख सकते हैं. इसके लिए गरम पानी में ग्रीन टी बैग्स को एक बार डालें, फिर इन्हें फ्रिज़ में 20 मिनट के लिए रख दें. इन ठंडे टी बैग्स को रात को सोते समय आंखों पर रखें और रिलैक्स करें.

2. सनस्क्रीन लगाएं

डार्क सर्कल्स को कम करने के लिए सबसे ज़रूरी है कि धूप में निकलने से पहले सनस्क्रीन लगाकर निकलें. आंखों पर डाइरेक्ट धूप लगने से मेलनिन प्रोडक्शन में बढ़ावा होता है, जो आंखों की आस-पास वाली स्किन को काली बनाती है. इसीलिए ज़रूरी है कि ज़िंक ऑक्साइड और टाइटैनियम डाइक्सॉइड से भरपूर सनस्क्रीन का इस्तेमाल करें.

3. आई मसाज

रोज़ाना रात को सोने से पहले दो बूंद बादाम का तेल लें और इससे हल्के हाथों से आंखों की मसाज करें. मसाज हमेशा हाथों की बीच की दो अंगुलियों से ही करें.

4. आंखों को धोएं

रोज़ाना घर पहुंचते ही हाथ-मुंह धोने के साथ-साथ आंखों को भी धोएं. सबसे पहले गुनगुने पानी से आंखों को क्लीन करें और फिर ठंडा पानी आंखों पर मारें. इससे आंखों की दिनभर की थकान कम होगी और ब्लड फ्लो बेहतर होगा.

5. ज़रूरी टिप्स

दिन भर में 8 से 10 लीटर पानी पिएं. 7 से 8 घंटे की नींद लें. आंखों को कभी भी टाइट ना रगड़ें. अगर आई साइट वीक है तो चश्मा लगाकर काम करें और आई मसल्स वीक हैं तो एंटी-ग्लेयर लगाकर काम करें. 1 घंटे से ज़्यादा टीवी ना देखें. स्मोकिंग से बचें और स्ट्रेस कम लें. क्योंकि चिंता सबसे पहले आंखों के नीचे काले घेरे लेकर आती है.

हेल्थ के लिए बेहद फायदेमंद है गाय का दूध

गाय का दूध सेहत के लिहाज से बेहद स्वास्थ्यवर्द्धक होता है। इसमें कैल्शियम भरपूर मात्रा में पाया जाता है जो हड्डियों को मजबूत बनाने में सहायता करता है। गाय का दूध प्रोटीन का भी बेहतरीन स्रोत होता है।

इसके अलावा इसमें विटमिन बी 2 और विटमिन बी 12 भी पर्याप्त मात्रा में पाया जाता है। ये दोनों विटमिन शरीर को ऊर्जान्वित रखने में मदद करते हैं। शरीर में मसल्स और ऊतकों के निर्माण में भी यह बेहद लाभदायक होता है।

यह कैंसर, एचआईवी, दिल संबंधी बीमारियां, हाई ब्लडप्रेशर और माइग्रेन जैसी समस्याओं से बचाव करने में भी सक्षम है। शरीर को संपूर्ण पोषक तत्व प्रदान करने वाले इस दूध के और भी बहुत सारे फायदे होते हैं। तो चलिए जानते हैं कि वे फायदे क्या हैं।

बढ़ाए रोग प्रतिरोधक क्षमता

गाय के दूध में कैल्शियम, प्रोटीन, एंटी-ऑक्सीडेंट्स के साथ-साथ विटमिन ई, सेलेनियम, जिंक आदि भी पर्याप्त मात्रा में पाए जाते हैं। ये तत्व हमारे शरीर में रोग-प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाते हैं।

त्वचा रोग में लाभकारी

गाय का दूध त्वचा के रोमछिद्रों को सिकोड़कर छोटा कर देता है। इससे ब्लैकहेड्स की समस्या से निजात मिलती है। रूखी और बेजान त्वचा के लिए भी गाय का दूध काफी लाभदायक होता है।

वजन कम करने में उपयोगी

गाय का दूध पीने से आपका मेटाबॉलिज्म बढ़ता है, जिससे आपको बार-बार भूख नहीं लगती है। इसमें पर्याप्त मात्रा में प्रोटीन भी होता है जो वर्कआउट के लिए आपको पर्याप्त ऊर्जा मुहैया कराता है।

दिमाग-आंखों के लिए फायदेमंद

बच्चों के दिमाग का विकास करने के लिए उन्हें नियमित रूप से गाय का दूध पिलाना चाहिए। इसके अलावा इस दूध में पाया जाने वाला कैरोटिन आंखों की रोशनी बढ़ाने में भी मदद करता है।

जानिए संतरे खाने के 5 फायदों के बारे में

सर्दियां आते ही बाज़ार में आ जाते हैं ताज़े संतरे. जिसे आप और हम कई तरीकों से अपनी डाइट में शामिल करते हैं. कोई सुबह जूस की तरह पीता है तो कई इसे शाम के ब्रेक में खाना पसंद करता है. विटामिन सी, ए, अमिनो एसिड, बी कॉम्प्लेक्स, फ्लेवोनॉयड, कैल्शियम, फॉस्फोरस, सोडियम जैसे मिनरल्स से भरे इस फल को खाने के कई फायदे होते हैं. सिर्फ एक दिन में एक संतरा शरीर को कई बीमारियों से बचा कर रखता है. यहां आपको संतरे खाने के 5 फायदों के बारे में बता रहे हैं.

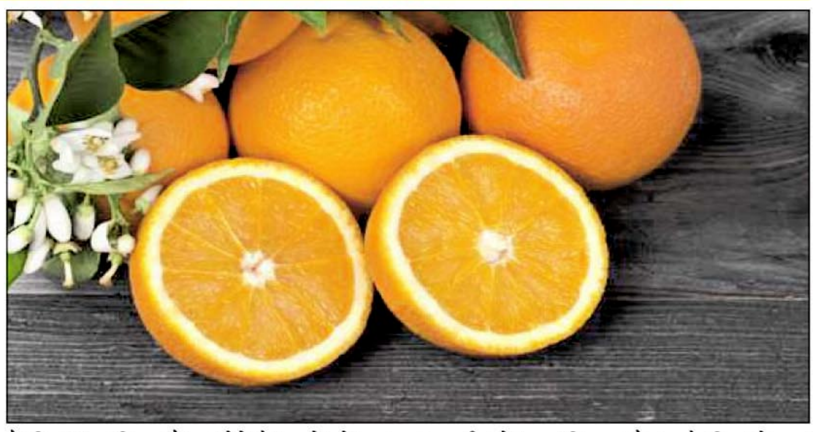

1. ब्लड प्रेशर कंट्रोल करे

ब्लड प्रेशर को लो होने से बचाने के लिए सबसे ज़रूरी है सोडियम की मात्रा को बैंलेस रखना. संतरा सोडियम की मात्रा को नॉर्मल रख ब्लड प्रेशर को सही रखता है. इसीलिए जिसे भी हाई या लो ब्लड प्रेशर की परेशानी हो वो अपनी डाइट में संतरा ज़रूर शामिल करें.

2. कैंसर से बचाए

विटामिन सी से भरपूर संतरा शरीर को नुकसान पहुंचाने वाले फ्री-रैडिक्लस से सुरक्षित रखता है. साथ ही इसमें पाया जाने वाला लाइमोनिन कैंसर सेल्स को बढ़ने से रोकता है. मैंडरिन संतरे में विटामिन ए भरपूर मात्रा में पाया जाता है. जापान में हुई एक स्टडी के मुताबिक मैंडरिन संतरा लिवर कैंसर होने के खतरे को कम करता है.

3. किडनी पथरी से रखे सेफ

रोज़ाना संतरे का सेवन किडनी में होने वाली पथरी के खतरे को कम करता है. इसीलिए आप संतरे को रोज़ाना अपनी डाइट में शामिल करें. पथरी के लिए संतरे को लिक्विड रूप में पीएं ज़्यादा फायदा होगा.

4. बवासीर में दिलाए आराम

संतरा पेट के अल्सर को खत्म करता है और बवासीर में राहत दिलाता है. इसके लिए रोज़ाना खाना खाने के बाद एक ग्लास संतरे का जूस पीएं. बवासीर के मरीज़ संतरे के छिलके के पाउडर को भी पानी में मिला कर पी सकते हैं.

5. सर्दी-जुकाम करे छुमंतर

संतरे में मौजूद विटामिन सी सर्दी-जुकाम में राहत दिलाता है. लोगों का ऐसा मानना है कि संतरे की तासीर ठंडी होती है इसीलिए इसे सर्दी-खांसी में नहीं खाना चाहिए, लेकिन ऐसा कुछ भी नहीं होता है. बल्कि संतरा या विटामिन सी वाले सभी फल सर्दी में राहत दिलाते हैं.

घर संसार

ये छोटे-छोटे ट्रिक्स अपनाकर घर को बनाएं और भी खूबसूरत

खुद के घर को सजाने का मजा कुछ अलग है। घर की सजावट ऐसी होनी चाहिए जो दिन भर की थकान को बी मिनटों में गायब कर दें। हम लोग अपने घर को सजाने के लिए कोई कोई एक्स्पेरिमेंट्स करते ही रहते है। अगर आप भी अपने भी आसान तरीकों से अपने घर को सजाए रखना चाहते है तो आइए हम आपको कुठ चिप्स बताते है जो घर की लुक को कर देंगे चेंज।

1. सीप रखें

एक कांच के कंटेनर में सीप डालकर साईड टेबल पर या कॉर्नर में रखें। इसको लीविंग रूम में रखें। इससे रोमांटिक फील आएगा।

2. टायर पॉट

पुराने टायर को अच्छा सा पेंट करें और उसमें पौधे लगाएं। यह आपके गार्डन को अल ही लुक देंगे।

3. वॉलपेपर

दीवारों को डिफैरेंट और यूनिक लुक देने के लिए वॉलपेपर इस्तेमाल करें। इनमें आपको कई रंग, डिजाइन्स, पैटर्न्स मिल जाएगे। इन्हें आप खुद भी लगा सकते है।

4. शंकु देंगे विन्टेज लुक

यह आपको किसी भी फूलवाले के यहां आसानी से मिल जाएगे। आप इन्हें सर्दियों में सिल्वर पेंट करके सजा सकते है। किसी मेसन जार में भी रख सकते है।

5. हैंगिंग पौधे

छोटे-छोटे पौधों को किसी पुरानी बोतल में उगाएं और नेट के कपड़े से कवर करें। हैंगिंग की तरह लगा दें। इसे आप अंदर और बाहर सजा सकते है।

6. पुरानी चीजें, नया लुक

कुछ पुराने क्न्टेनर्स जैसे मग, वॉटर केन्स, डब्बे आदि को पौधे लगाने के लिए इस्तेमाल करें। इससे गार्डन को अलग लुक मिलेगी।

7. गार्डन में पोन्ड

गार्डन पोन्ड को नया लुक देना चाहते है तो उसके आस-पास पत्थर जोड़कर उसकी बाउनडरी वॉल बनाएं। इसके बीच-बीच में अलग-अलग रंगों के फ्लॉवर लगाएं।

ट्रेडमिल पर दौड़ते समय रखें इन बातों का ध्यान

बढ़े हुए वजन को कम करने के लिए अकसर ट्रेडमिल पर चलने व दौ?ने की सलाह दी जाती है। ट्रेडमिल जिम में आसानी से मिलने वाली एक मशीन है, जो वजन कम करने के साथ ही शारीरिक तौर पर कई बदलाव लाती है। वजन कम करने के अलावा इस मशीन से दिल बेहतर काम करता है। शरीर में सकारात्मक बदलाव आते हैं, पर एक छोटी-सी लापरवाही समस्याओं को बढ़ा भी सकती है।

ट्रेडमिल के लाभ

- हृदय संबंधी गतिविधियों यानी कार्डियो वैस्कुलर एक्टिविटीज को बेहतर बनाने में मदद मिलती है।
- पर्वतारोही पहाड़ों पर चढ़ाई से पहले इस पर प्रैक्टिस कर अपनी रफ्तार और पैरों की पकड़ को मजबूत बनाते हैं। पिंडलियों की मांसपेशियां भी मजबूत बनती हैं।

कैलरी खपत में भी ये मशीन मदद करती है। तनाव कम करने में भी सहायक होती है।

सेहत से जुड़ी कोई परेशानी है तो

अगर सेहत से जुड़ी कोई परेशानी है तो इंस्ट्रक्टर को बताएं। उसी के निर्देशों का पालन करें। गोल्ड जिम के मैनेजर और इंस्ट्रक्टर विनीत कपूर बताते हैं, ट्रेडमिल पर दौड़ लगाने से पहले उसकी स्पीड और दौड़ने के तरीके के बारे में जान लें।

- मधुमेह रोगियों को ट्रेडमिल पर दौड़ने या बहुत तेज चलने से बचना चाहिए। घुटने या पैरों में चोट या दर्द है तो दूर रहना बेहतर होगा।
- ब्लड प्रेशर के मरीजों के लिए भी ट्रेडमिल पर दौड़ने से बचने की सलाह दी जाती है। हृदय कमजोर है तो भी परहेज करें।
- माइग्रेन या सिर से जुड़ी समस्या होने पर विशेषज्ञों की राय ले लें। बहुत दुबले लोगों को कम स्पीड पर अभ्यास करना चाहिए। अगर इनमें से किसी तरह की दिक्कत नहीं है तो ट्रेडमिल पर अभ्यास करना सही रहेगा।

इन बातों पर करें गौर

- पानी की बोतल जरूर पास रखें। पसीना ज्यादा आने पर बीच-बीच में कुछ पानी पीते रहें, ताकि डीहाइड्रेशन न हो।
- शुरुआत में मशीन की रफ्तार कम रखें। धीरे-धीरे ब?ाएं।
- वजन कम करना है तो कम से कम 20 मिनट जरूर चलें।
- मशीन में दिए इमरजेंसी स्टॉपर क्लिप को कपड़े से लगाकर रखें। अगर गति नियंत्रण से बाहर होती है तो ये क्लिप उसको ऑटोमैटिक बंद कर सकता है।
- ट्रेडमिल पर नंगे पांव न दौड़ें। पैर फिसलने पर गंभीर चोटें आ सकती हैं।
- ट्रेडमिल पर दौड़ेते समय एक्स्ट्रा पैडिंग वाले जूते पहनें, पैर में मोच नहीं आती। चलते वक्त नीचे पांव की ओर न देखें। गति बेकाबू हो सकती है।
- ट्रेडमिल पर दौड़ते वक्त हैंडरेल को न पकड़ें। इससे बांहों में दर्द हो सकता है।
- ट्रेडमिल की रफ्तार धड़कनों की गति ध्यान रखकर बढ़ाएं। बहुत अधिक रफ्तार बढ़ाना हृदय पर भारी पड़ सकता है।
- मशीन पूरी तरह से रुकने पर ही मशीन से नीचे उतरें।
- घुटनों में दर्द है तो पहले विशेषज्ञ से बात कर लें।
- ट्रेडमिल पर दौड़ते समय सेफ्टी बार को पकड़कर ना रखें। पॉस्चर बिगड़ सकता है।

अंदरूनी चोट के दर्द को राई से करें दूर

आजकल हर किसी की लाइफस्टाइल बहुत व्यस्त हो गई है। हर कोई चाहता है कि उसका काम जल्दी से निपट जाए लेकिन कई बार हड़बड़ाहट में चोट भी लग जाती है। बाहर से दिखाई देने वाली चोट के जख्म तो जल्दी भर जाते हैं लेकिन कई बार शरीर के अंदरूनी हिस्सों में भी चोट लग जाती है। जो दिखाई नहीं देती लेकिन दर्द बहुत करती हैं। कई बार तो इस चोट का अंदाजा लगाना मुश्किल हो जाता है लेकिन घरेलू इलाज से इस परेशानी से छुटकारा पाया जा सकता है। राई खाने का स्वाद बढ़ाने के साथ-साथ सेहत के लिए भी बहुत फायदेमंद है। दर्द से छुटकारा पाने के लिए राई का इस्तेमाल बेहद

लाभकारी है। राई को सरसों के नाम से भी जाना जाता है।

इस तरह करें राई का इस्तेमाल : राई में एंटीऑक्सिडेंट, सेलेनियम और मैग्निश्यम भरपूर मात्रा में होते हैं। चोट लगने पर राई को पानी में भिगोकर इसका पतला पेस्ट तैयार कर लें। इसे चोट वाली जगह पर लेप कर लें। बहुत आराम मिलेगा। इसके अलावा पानी में राई के दाने उबालकर इस पानी में कॉटन का कपड़ा भिगोकर चोट वाली जगह पर थपथपाएं। ऐसा करने से दर्द बहुत कम हो जाएगा। इसके साथ ही खाने में भी राई का इस्तेमाल करें। छौक लगाने,स्वाद,अचार आदि तरीको से राई खा सकते हैं।

घबराहट होने पर लाभकारी है राई : राई के छोटे-छोटे दाने सेहत के लिए बहुत लाभकारी हैं। घबराहट होने पर हाथ की हथेलियों और पैरों के तलवों पर राई को रगड़ें। इससे बहुत आराम मिलता है।

रेसिपी

खट्टे बैंगन की सब्जी

5-6 लंबे बैंगन, दो कटे हुए प्याज, एक बारीक कटा हुआ टमाटर, एक दालचीनी, एक बड़ा चम्मच जीरा, आधा चम्मच इलायची पाउडर, एक चमच कश्मीरी लील मिर्च, एक छोटा चम्मच हींग, एक छोटा चम्मच हल्दी पाउडर, एक बड़ा चमच सोंठ, एक बड़ा चम्मच सौंफ, एक बड़ा चम्मच नींबू का रस, बारीक कटा हुआ हरा धनिया, स्वादानुसार नमक बनाने की

विधि सबसे पहले एक कढ़ाई में तेल डालर गर्म करें। जब ये गर्म हो जाएं तो इसमें दालचीनी, जीरा, इलायची पाउडर, कश्मीरी लाल मिर्च, हींग, धनिया पाउडर, हल्दी और नमक डालें और अच्छी तरह से फ्राई कर लें। इसके बाद इसमें थोड़ा सा पानी डाल दें। जिससे कि मासला जले न। जब यह तेल छोड़ने लगें तो इसमें सोंठ डाल दें और कम से कम 2 मिनट पकाएं इसके बाद इसमें प्याज और बैंगन डालकर अच्छी करह से फ्राई करके कम से कम 20 मिनट के लिए ढक्कन बंद कर दें। 20 मिनट बाद इसमें टमाटर, सौंफ और थोड़ा सा पानी डालें। अब टमाटर पकने दें। जब टमाटर पक जाए और गाढ़ी सी ग्रेवी तैयार हो जाए। तब आंच बंद कर दें। आपकी कश्मीरी खट्टे बैंगन की सजी बनकर तैयार है। इसमें नींबू डालकर गर्मागर्म रोची के साथ सर्व करें।

वेज उपमा

सामग्री

पानी : 660 मिलीलीटर
गाजर- 75 ग्राम हरे मटर : 40 ग्राम
ग्रीन बीन्स : 35 ग्राम घी : 1 बड़ा चम्मच
सरसों के बीज : 1/2 चम्मच करी पत्ते : 7-8 : प्याज : 75 ग्राम सूजी : 100 ग्रामहरी मिर्च : 1 चम्मच नमक : 1 चम्मच
धनिया : 1 बड़ा चम्मच

विधि डीप पैन को मध्यम आंच पर ऱखें और उसमें 660 मिलीलीटर पानी, 75 ग्राम गाजर, 40 ग्राम हरे मटर, 35 ग्राम ग्रीन बीन्स डालकर उबाल लें। अब एक डीप पैन को मध्यम आंच पर ऱखें और उसमें आधा चम्मच सरसों के बीज, 7-8 करी पत्ता डालें और अच्छी तरह से हिलाएं। फिर इसमें 75 ग्राम प्याज डालकर फ्राई करें, जब तक वह हल्के ब्राउन न हो जाए। अब इसमें 100 ग्राम सूजी डालें और मध्यम आंच पर 2-3 मिनट तक पकाएं। इसमें 1 हरी मिर्च डालकर अच्छे से मिक्स करें। फिर इसमें उबली हुई सब्जियां, 1 चम्मच नमक, 1 बड़ा चम्मच धनिया डालें और अच्छे से मिक्स करें। अब इसे 3-5 मिनट तक मध्यम आंच पर पकाएं। कभी-कभी इसे हिलाते रहें। जब यह गाढ़ा हो जाए तो आंच से उतार लें और सर्व करें

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**